A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 245 Subject Literature

Name of MSS दोहासार संग्रह Dohasāra Sangraha

Author

Period 1760 वि0 Folios 97 (00a to 00i + 001 to 088) Various Pagination

Script Hindi Source Bithipal Singh

Missing Folios

245

SODAT 1760

No 1

H



245

دھاسر

۱۲۴۰

A. no. 245

ना हिं कवि केसवदाससु जानु ॥ मासमसो ह
सो वनवीननवीनवजे सहसोमसमा मारं
सा निसमावति सारि रिमाति वमास निता
सरमा ॥ मानवंहीरहिमानद मोदस्मोंदर मां कि
रहीवनमा ॥ मालवनीवलि केसवदाससदा वलि
केलि वने वलमा ॥ दोहा ॥ उलटा सूधा वाची ए श्री
रही केरही अर्थ ॥ एके सवैवा मे सुकवि अगरतदो
सम र्थ ॥ सजनि माधव जौं सरके सवरेबसु दे
सवे ससवे ॥ नैननकी नचि जीतरुनी रुचि वी
सवे निजकाल फले ॥ नैनसुनी जसभीरभरी ध
धीरवरीरतिका नवहै ॥ मैनसुनी गुरुचालि
चले भरिसावनमे सरसीवलमें ॥ गोमूत्र
गति ॥ अश्वगति ॥ अपारवंधु ॥ कमलवंधु ॥ धनु
वंधु ॥ हारवंधु ॥ सर्वतोसुषवर्नन ॥ ॥

॥ गोमूत्रिकावंध ॥ ॥

इं	दु	जी	त	सं	गी	त	ले	कि	यै	रा	म	र	स	ली	न
सु	दु	गी	त	सं	गी	ब	ले	व	यै	का	न	व	स	ली	न

त्रिपदी

इं	दु	जी	त	सं	गी	त	ले	इं	जी	मं	त	कि	र	र	ली
कि	यै	रा	म	र	सं	ली	न	दु	त	गी	[illegible]	यै	म	स	न
सु	दु	गी	त	सं	गी	ब	ले	सु	गी	सं	ब	म	[illegible]	व	दी

रा	दे	न	दे	म	प	म	र	म	धा	राम	नर	मति	मध	मद
मं	व	र	व	ति	र	प	न	द	ति	देव	देव	पर	नर	धारि
वा	दे	गु	दे	ग	य	ऊं	र	इ	धा	वाम	गुर	गति	रुद	हद

त्रिपदी

वेन	देव	तिप	मध	नम
रं	ग	र	र	द
वगु	देव	तिष	ऊं	नह

द्विपदी

रा	का	रा	ज	नु	त	मा
मा	स	मा	स	व	मा	हं
रा	धा	मी	त	खा	त	हे
सी	ल	सी	तु	छं	र	छं

एंकाराजजराकारामास
मासममासमा॥धारामी
ततमीधारासीलसीतुलसी
लसी ॥

नुतमाधवमारंगि
खातहेसछंरछं
रछंरछंसहेतखां
गिरंमाधवमातनु

स्त्री	ता	सी	न	न	सी	ता	स्त्री
ता	र	मा	र	र	मा	र	ता
सी	मा	क	ली	ली	क	मा	सी
न	[illegible]	ली	न	न	ली	र	न

न	[illegible]	ली	न	न	ली	र	न
सी	मा	क	ली	ली	क	मा	सी
ता	र	मा	र	र	मा	र	ता
स्त्री	ता	सी	न	न	सी	ता	स्त्री

डमरुबंध

ईं	इ	शु	इ
जी	त	गी	त
सं	गी	सं	गी
त	ले	ब	ले
कि	ये	म	ये
का	म	का	म
र	स	व	स
ली	न	दी	न

कपाटबंध

नरसरवश्रीसदानतंमनसरससरवस
बंरन नरकमनररउसकलसउपडबहीनडीवनप

रन नरमनवज्ञीनह्रीनिरदयसद
यमतिमतहरन नरहतमतिमय
जगतकेसवदास श्रीवरसरन ॥

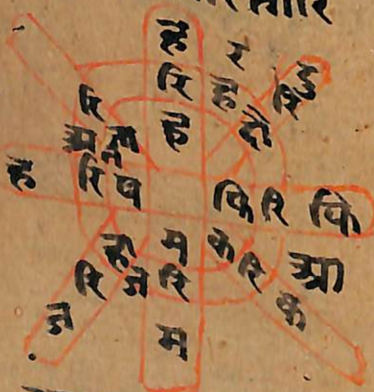
अथ यंत्राणि:

त	त	त	त
व	व	व	व
नि	नि	नि	नि
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
त	[illegible]	त	त
सा	नि	नि	नि
रि	रि	रि	रि
हि	कि	म	हि
व	व	व	व
स	त	ह	ह
ज	ज	ज	ज
नि	नि	न	नि
त	त	त	त
व	क	व	वि
व	व	व	व
नि	नि	नि	नि
ति	ति	ति	ति
ज	म	ज	न
र	र	र	र
त	उ	कि	व
हि	हि	हि	हि
क	न	र	व
म	म	म	म
हि	हि	हि	हि



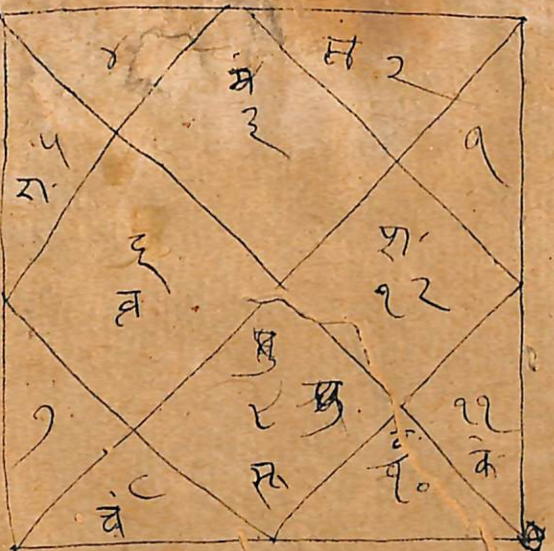


हारवंधु · रामुरामुरमु
छेमु छमुधामुदमुज्ञमुश्रमु
धामु दामुकामुक्रमुत्रेमवमुज्ञमुज्ञमुदमुश्रमु
वामु हारवंधु हरिहरिहरिरारिदोरिडुरिफिरिकि
रिकरिकरिश्रारि मरिमरिजरिजरिहारिपरिप
हरिश्ररितरि त्रारि ॥





वरनगुम ॥ राज्ञतिओंग रस विरस आलि सरस सर
सर स भेव ॥ पग प न त्र मिडु तिद दति ग ति वय नव
मनम तिदेव ॥ सुवरन वरन सुसुवरन लिरन तिरु
विरु विलीन ॥ तनमन प्रगट नवीनमतिनवंन



बादशाहेनामे

क[illegible]ता। स्नान ध्यान देह सो मैं वान ज्यों नेह तां दयो दे
हरो मंगल ह्नौ जपै पा ताही नाम को।।

ग्याइनो ठैदा

सोलासैचौतीसा

(१६३४)

॥ [illegible]

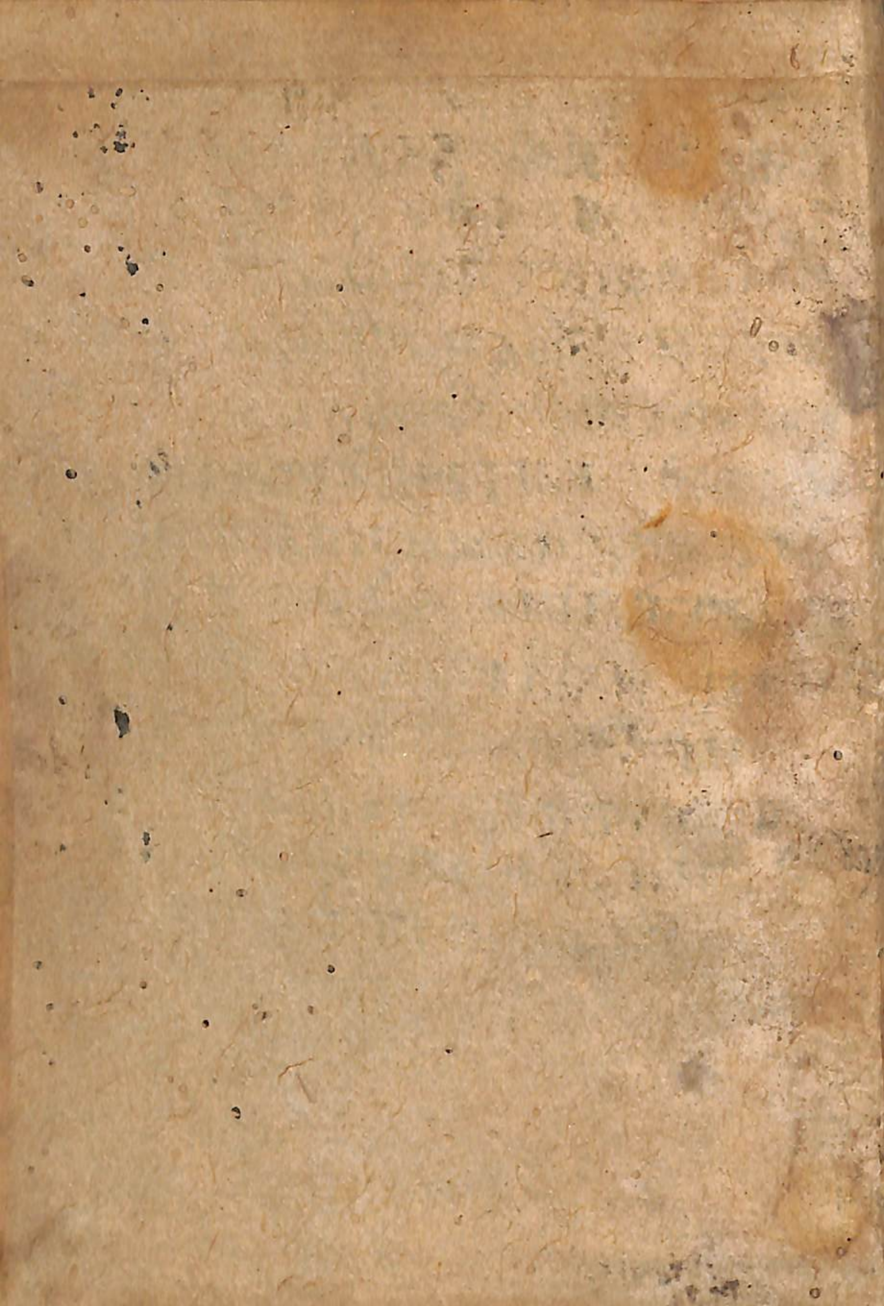
[illegible]

[illegible]

मैदमरटेकादयरेराजांना॥
सीरदारसाहटमैदमरटेकादयरेराजांना॥
राजांनलिहंगांसीरादुरंगांईसरलीचडंअंगा॥
हैमजेमलित्र्यछरबैतिरचबरहुरसचबर
हालि॥जोद्धतदलोखजिबातरहेजुगिपाती
सालीदुघपालि॥दुघपालिदिलसींसालत्र्य
रेसांमांलजीहीत्रैमेवा॥ताहतेजलघतांडी
पिजगतांदीबिबरस्यंचदेवा॥बरस्यंघकेब
सोदेसबदसांवेसपवंगपठाय॥बलिक्राम
सुघमांनोजबिक्रमांचोजत्र्यचुकितचपा॥
चालेचहुचकांहैकबिहकाबिजसकुंकांबाजिला
बरपाटिलिमलारालिबहादरत्र्यालिकरै
गत्र्याजा॥कोठा॥कुरमत्र्यगांजांकरैराजा
मीरिहरिराजा॥गजराजाबाजांगरघरी
जलहैकबिराजा॥१॥ताटिककुजादसघी
राकाहो॥

२०००

घनाघनयोरमोरसोरपनमारवार॥
कलमिसवासकयरासरुमसेजताज॥



[illegible]

४००
१००
१००
१००
१००
१००

वाबी तः ब्रतम के मधु चरतः बेद कौं पढ़
न लागेः जै हरैं तै छ्ला छै तम चर त्वहं च
हरैंः चलन पंथी कौं भयोः चोर कौं च
रम गयोः नगनी का सींगार लयो नां
हि रस ल हरैंः राति की समै तौ नांहि
मन हू के हेत नांहिः देषि डीत हीन
छांहैः पंछी हू फर हरैंः राम नाम ध्या
इ प्रेम के सो कल गायो नमः कर
नप करि पीया करन कै पहरै ॥१॥
स्फु रन रसा व्रह्यांनः कारम कारि बेकु
नायेः नमार ति के जंत्र बाजे चारी सु
रग हरैंः रजनी बीहानी नंदलाल
रबि प्रगटै तैं नलनी कैं बीगसै
कमली के दल हू फर हरैंः चरी पर्क
चांनी चंद की रानि डुरानी मुकत
बलि सी रांनीः नभ नहू घर हरैंः स
मीम करे बिबेकः ... नभा

॥श्रीरामजी श्रीरामजी सत छै जी॥

दोहा॥ दीः करे न प करि पीया कारन
कैं पति है॥२॥

चंद मंद कीन छबि दीन ह नंब
नघाये: द्वीपा ह द्वीप न लागीन
ब न ह वर रहै: ता मीत मरा पी
ती मरस हतैं न रत कौं, नार तीर
तीर नाये पन पन हैं: कुमानी
कुला न ला करत हंस कुलौ कु
लौं: हंस कुल के वल ते: नंवर
ह नरह रहै: कों मरस नो हिनम
तधा मि धा मिजा औ लोगा:
कारन प करि पीया कारन
कैं पे ह रौं॥३॥

कवितापीठहूते पलका परियी निप्पीयाकेष्ट्रकाम-
...नीओ नेह विचारयो॥ सुंदर मुख तैं मोहन नंदु
नागरि नारि को नाम उचार्यो॥ प्यारी दई सतना...
रतनंनी को नाव तबैयो नीह र्योमान के जा
नरतौल-चयो मनमथ कोरथ मन कुरिमतरो

रामजी सीत ... कुडी श्री राम
... डी योमी ...
... प्रसानवे ... की पुत ...
सीताराम भी रह



... जयार। वदन रस्याम

श्री।राधाकृष्णजी।

श्रीगणेशायनमः॥ अथदोहासारलिष्यते॥ दोहा॥ सा
रसमुद्धृत्य। क्रीयतेन्नावसंग्रहं। सर्वेषांज्ञानदानाय। सिव
दंसुषमोष्यदं॥१॥ अथपरमारथसाधुनाव॥१॥ दोहा॥ अ
सुरनिकंदनमोहनमदन। बदनचंदरघुनंद। सीयासहितब
सियोसुचित। जयरमयआनंद॥२॥ नैंननिकंटकजरबसे
पैदरपनदरसाथ। ज्योंसाधनसतसंगबिन। नांहिनआनउ
पाय॥३॥ जगतजनायोजिहिसकल। सोहरिजान्योनांहि
ज्यों आंषिनसबदेषिए। आंषिनदेषीजांहि॥४॥ सबहीघटमैं
रामहैं। ज्योंगिरसुतमेजोति। ग्यांनगुरुचकमकबिनां। कैसे
परगटहोत॥५॥ हिंहियकीपइयतनही। करियतबहुतउ
पाइ। जैसेंअपनीदेहकी। छांहगहीनहिजाइ॥६॥ बसीहै
तोसजनसेफमे। निमषटरेनहिजोट। लष्योपरेनहुसेन
ख्व। पटघूंघटकीवोट॥७॥ करिघूंघटजगभाषियो। ब
होंततुलाएलोग। दरसनजिनहिदिषाइयो। तेदरसन
सजोग॥८॥ तीनलोकतिहिहरिए। एकजोतिसबगांव। जो
तिहिअनअमरती। मूरतिअनअननांव॥९॥ एकैबसतअ
नेककै। जगमगातजगधाम। ज्योंकंचनतेकिंकनी। कंक
नकुंडलनांम॥१०॥ अलषएकबहुभेषधरि। घटघटरह्योसम

जाय। साधन अगं होअधिक अति। तातें लच्यो न जाय ।।११।।
घटघट में हरि एक है। यामें नांहि बिसेक। जैसें फूटी आ
रसी। षंड षंड मुष एक ।।१२।। ताहर आतम हातम ।। करो
बिना संदेह। देह राम बिसराम है। नांग देह को देह ।।१३।। प
तिव्रारी माला पकरि। और न कछू उपाइ। लिन संसार पयो
धकों। हरे नांव कर नांव ।।१४।। इह बरियां नहि और की। व
हं करयातें सोध। पांहन नांव चढाइ कें। कीनें पार पयोध
।।१५।। तौ लौं या मन सदन में। हरि आंवहि किहि बाट। विक
ट जटे जौ लौं निपट। षुटेन कपट कपाट ।।१६।। तजन कह्यो
तातें तज्यो। तज्यौ न एको बार। हरि तजन न जातें कह्यौ। सो
तें न ज्यो गंवार ।।१७।। जब आंषी तब अंधला। तब आंधी तब सु
क। इतके न एन उनके। बाव सुमन की बुक ।।१८।। राम नाम
लीजे नहीं रह्यो बिषै लपटाइ। घास चरे पसु आप तें गु
र मिलया इ बाइ ।।१९।। हरि को फिस्यो न पैरुवे। लो लकि
स्योस देस। मन न तयो कछु उजरो। नर उजरे के स ।।२०।।
तुरसी जौ पै राम सों। नांहि न सहल सनेह। मुंह मुंडायो बा
दिही। नांम नर एत जिगेह ।।२१।। गिह्यो न पीर सरीर की। जीत

रनाहीरांम। बूडनत्ते अफकीरकै। अस्योसुकैनै काम
सकरेहरिमिलनकी। अरुसुषचाहेअंग। पीरसहेबिनप
मेनी। पुन्ननलेयउछंग ।२३। जेहरिसनमुषसूरजिम। छ
हुअमअनाथ। बिमुषनएआवतजगंत। नैकनआवत
हाथ।२४। हसिबोजीवनिरामसंग। औरन्नावसबटा
मेमनतोसोंकहतहै। नांतरकैहैरारि।२५। एकनेरो
एकपन। एकआसविस्वास। स्वातिबूंदरघुनाथकै। चा
गतुरसीदास।२६। आसानमुसकिलिकरै। अरुमुसकि
लिआसांन। कबितुरसीबलिबलिगयो। अरुजानगवा
न।२७। अरजसुनतगजराजकी। योअरुब्रजराजज्यो
ओलापहिलेलगे। पीछेहोतअवाज।२८। प्रभुताको
सबकोचहै। प्रभुकोचहैनकोइ। जोतुरसीप्रभुकोचहै
प्रभुतादासीहोइ।२९। जो निबूफिसाचदितजे। करतकठ
सोंनेह। तिनकीसंगतिरामजू। सपनेहूजिनदेह।३०
वृतमतयागकेरहे। तेअजगतकीआस। पीछेलागाहरि
फैरै। मतिदुषपावैदास।३१। जगतसघनहरिदितमगै
प्रफुलितआदिसुअंन। औसेसंतबसंतनरा। सत

सतबसंत ।।३२।। धनिहंदाबेन द्रुछि धनि । धनि धरती धनि

धेन । धनि दयाल सुनि लाल कों । नित प्रति बाजत बेन ।

३३।। या अनुरागी चित की । गति समुझै नहि कोइ । ज्यों ज्यों बू

डै स्याम रंग । त्यों त्यों उजल होइ ।।३४।। जाऊ जोग बिन देह

सुच । जाउ आव बिन नेम । मुगत्यों जाऊ सुकाज बिन । बि

ना राम पद पेम ।।३५।। ज[illegible]लाइ हि जुगि सुष नही । कीए ज

बहोते मित । जिहि चित बांध्या एक सों । सोसवे सुष नित्त ।।३६।।

कौं बरि कूटन जैनै मसन । कृष्ण चरन चित लाइ । घर घर फो

त मल कहि । हाथी चढौ न काइ ।।३७।। जा मूं जगपति राय

पर । बलिहारी यह देह । इन पलकनि सों झारिहौं । उन चर

न न की षेह ।।३८।। भली बुरी सब की सुनै । जिहि कहनी कहि

ए व । एदलह मसोइ करै । कही जु कछु गुरदेव ।।३९।। नीर पि

या रो मां छली । प्रेम न प्यारे दाम । मात पियारो बालका । न

गत नि प्यारो राम ।।४०।। छिदे न तरुनि कटाछिसर । कटे

न कठिन सनेह । ऐसे उरको आपकों । जगत कवच कर

लेह ।।४१।। दीन दया छामी नहीं । सुनि पुरानन मैं बात । न

दया दयाल के । जो नर दीनी लात ।।४२।। मोटन न

बेस्यांभयै।मधुकोंपलटौलेकु।ऊनऊरमेरकेदइ।मोऊ
रहोउदेउ।४३।जदपिद्रुरितेद्रुरिअति।निगमकंहत्तहैं
जाहि।।तदपिरंगीलेप्रेमलौ।निपटनिकटप्रभुआहि।
४४।हरिपद्दरिकरिप्रेमरसौ।जासुविलुधीबांणि।तरुछे
केलागीलता।पथ्थरकेगलिजांणि।४५।ज्योंसरसौंश्रंग
हेरच्चै।ज्योंजबिलंबेचित।ज्योंगिरपरैतौपरमपद।र
हैतोत्रिभुवनजित।४६।जोलगिल्यौलागतिनहीं।बि
षतिनहीरहिहीर।देषादेषीक्यौंबनै।नावनगतिगंन्नी
र।४७।जिहगलपासीदेवकी।तेपावैनिजबाट।बिनपा
सीजेबापरे।बूडेगहरेघाट।४८।आसापासविमलजल।
बुझिबुझिभरतबेयल।पुरयनपातपतंगज्यौं।पगधरग
येतुयल।।४९।करमुकरीरनपोहचई।पंचनराष्यौचरि
तेनाचाहततोफलहि।मनबुधिमनसौंदुरि।।५०।।बा
रिन्नीतदरपणनइ।हृद्देतपतिगइमोहि।जहांररापैं
नैननरि।तहांतहांदेषौतोहि।।५१।।बाजीदकहांअस्तु
तिकरे।अैसोचंदनसूर।आंषिनकेपगफिसलइ।देषि
रूप वोनर।।५२।।तेरीजोतिहिमनधरौं।मनधरिहैं
प त्रुरंग।। पनेसांइतुहिमिलौ।तुहिमिलितैरतरंग।।

पद्धरी। नषसिष निरषत हौतु महि। टेटे ईस बगात। जग
तह्रू देष मैं को न बिधि। सूधे के जु समात॥५४॥ लिषन वै
विजा की सबी। गहि गहि गरब गरूर। चतुर चितेरे जग
त के। केते नये न कूर॥५५॥ सोरठा॥ तन चर षान्ह समा
ल मन। तरु कुवा सुरतरतीह। ताहर तुरत संन्हार। न
ही तो छिन मैं टूटिहै॥५६॥ दोहा॥ चारि पहर सिवदास
निसि। चारि पहर दिन बीच। घरी रतन न घटत है। हरि सुमि
रन बिन नीच॥५७॥ जोग जोग के दीप रस। मल महावत ए
ह। नात पत ष्यान सुष कीया। बादि बिदारी देह॥५८॥ त्रिल
तरल तरंग मन। श्रास उदधित रसास। पंच जने बोरत
फिरत। सुमति नाव सिवदास॥५९॥ कहा नयो है यग जन
ये। कहा गांव ग्रंथ शोक। सुबंस पत्ति सिवदास कहि। हरि सुमि
रन बिन फोक॥६०॥ कंचन सो कहा कांम है। कांमिनि सों कहा
कांम। कहि दयाल जे जगत है। तिन को नाव न राम॥६१॥ त्रिलि
न रम षोयो कहा। करी पराइ श्रास। कमल नैन जू की क्रिपा। सब
के है सिवदास॥६२॥ जाकी मनसा के जिसी। ताकी पुरवत कां
म। सबल सुदामा कू परी। कीए कनक के धांम॥
ऊंठ रफूट ऊन यन। जरऊ सुतन किहकां

कुलकेनही। तुरसीसमरित्तरांभ।६५। कमरत्त्रमसबन
जिगए। रहेपरमसुषचार। पारत्त्रएनरवारके। जबंदे
षेब्रजऊार।६५। कर्मनिमेसबब्रजातजि। होतपरमसुष
वेंन। अधरजातनरअधरके। लागेब्रजतनरेंन।६६। अ
हमद उधेनितरहे। सबैकहेंअघात। मूरषलोगनजान
रउधे: उधेजाच।६७। तरवरराकअकासफल। पंथीमू
एऊरि। बहोतकलालचकरिरहे। फलमीगेपेंडूरि॥
६७। सासेसासस नारता। इकदिनमिलिहैआइ। सुमि
रनपैंमासहजका। सतगुरदीयाबताय।६९। आव
तआवतजेसुने। आंनिपडुंतेआज। इमआगमबि
स्वासगदि। अैसेमिलेब्रजराज।७०। अपनेअपनेम
तलगे। वादिमचावतसोर। जेतेसबकोसेयबो। एकै
नंदकिसोर।७१। तत्तकरतेतत्त्वनया। मुरुनेरसान
ह। तत्त्वकरतेतत्त्वपाइया। अबतोतूहीतं॥७२॥ इतिप
नारयसाधुनावसंपूर्ण:॥१॥ अथवयसंधिनावलि
ष्यते॥ दोहा॥ सेसबताकेछुटतही। जोबनआयोनें
न। होराहोरीचहिचले। चितचतुराइनैंन॥१॥ अ
पनेअंगकेजांनिकै। जोबननृपतिप्रबीन। स्तनमें

ननैननितंबकौं।बढेइजाफादीन॥२॥सकुचैनहीस
कुचैनहीं।कुचश्रासकुचाइ।बालाबदलतबेसकै॥
बदलेसबैसुनाथ॥३॥सैसवतातैएकरस।रहेजुवाही
संग।अबकछुचितवतस्यामकै।सिथलहोतसबअं
ग॥४॥लालअलोलककैरिकइ।लषिसखीसिहाति
आजिकाल्हिमैदीषिए।उरउकसौंहींगाति॥५॥बाढ
ततैउरउरजभर।भरतरुनईबिकास।बोझनसौंनम
नकैहिए।आवतरुंधिउसास॥६॥आएजोबनकैसु
षै।जोगतिकीनीमैंन।तियाअंगकेभेदसब।।कसबातीं
कहैनैन॥७॥चुनिचंदनबेंदीकइ।गोरेमुषनलषा
त।ज्यौंज्यौंमदलालीचढै।त्यौंत्यौंउघरतजात॥८॥
देहदुलहियाकेचढै।ज्यौंज्यौंजोवतजोति।त्यौंत्यौं
लषिसौतैंसबै।मलिनबदनदुतिहोति॥९॥जोवन
आगमसिसुगमन।कटिपटकसतिकुमार।।मन
कुटिनाछितिछीजिकै।हैनप्पबीचउजारि॥१०॥
ज्यौंज्यौंजोबनजेठदिन।कुचमितअतिअधि
काइ।त्यौंत्यौंछिनछिनकटिछपा।छीनपरतिनिज

जाइ॥११॥ नगननागरितनमुलककलहि। जोबनआं
मिजोर। घटिबढिघटिबढिकदम। करीऔरकीऔर
॥१२॥ नाजनहोतअनुपहै। जलउजलदरसाय। इ
कनरत्तोइकषैचतो। योबयसंधिसरसाय॥१३॥ म
छबिछीनीछियनिकों। छुटीमयंकमुषकाज। स
दनसवारयोमदनमनु। तियतनरहनसमाज॥१४॥
अलपजलपतुंतुछलपरुचि। नैननमैनमद्दुताय। उ
रजनुरजकीनीबकी। सीवलइसुधराय॥१५॥ गुन
जुबनसिसुसुतसों। बैवैसाबिधनंग। उदहनिकसेउ
हसंचरे। वालामालाअंग॥१६॥ औरहसनिऔरैल
सनि। औरकसनिकटिगोर। चुगलनैनकोंननिल
गे। मनकरिमयोऔर॥१७॥ चंचलतापाइनकुती
बालराजकेजोर। जोबननृपतिअंततै। नजनेच
देडिगऔर॥१८॥ इतिवयसंधिनाववर्णनं॥२॥ अथ
जोबननामावलिष्यते॥ आरसमोरतजोरिकर। कुच
उनतकरिसुध। मदनमहाजलउमड्यो। थाहनि
हारतमध॥१॥ गनतननैगोरककौरककुं। षंलत

नामुंकु नाम। जो न्नावै सो करत है। देषि कों मके कों म॥२॥
इति योवन नाव संपूर्ण॥३॥ अथ अंग नाव लिष्यते॥
दोहा॥ कटि अति सुछम उदर दुति। चल दल दल उनमा
न। रोमलता तम धूम अलि। चारु चिटी न अमांन॥१॥ इह
कटि पर नी टुटि कें। उर उरोज अति भार। जो नहि होतो
त्रिबलि को। डिद बंधण आधार॥२॥ लगी अनलगी सी जु
बिधि। करी षरी कटि षीन। करे मनऊ वै ही सकरि। कुच
नितंब अति पीन॥३॥ अधर षुल निचौका चमक। सुंद
रि बैठी वांम। मनऊ जवाहर कोउ वा। षोलि धरयो है कांम
॥४॥ नैक हसौंही बांनि तजि। लष्यो जात मुष नीठि। चौका
चमक निचौं छिमै। परत चौंधि सी दीठि॥५॥ सब बैस लोंनै
देषिये। प्यारी तेरो गात। प्रगट कहा ते हो त है। मीठी मीठी
बात॥६॥ अरुन पात रेका वरे। बिद्रुम बिंब लजात। को
सुकृत पीवै सदा। इन अधरन के अधरात॥७॥ नैनर सीले कु
चक ठिन। मधुर बचन पिक लाल। सुंदरि चली गयंद ग
ति। सब बिधि मिली जमाल॥८॥ तनमन मोहति चलति
गति। चित्त वति करति सुमार। बिरही जन के मन लि

ए। कहांचलीयहनारि॥९॥ चलतिबरनकटिउरअधर। मनमोहतमनलेन। सेनकरतनीकेलगे। नागरिकेनैनैं॥१०॥ मगमरालकोकिलमयंक। वारिजकेहरिमीन। कदलीदासोकीरछबि। लइनागरीछीन॥११॥ सिषकमलकोकिलउरग। गतिमरालगजचाल। कीरकुरंगनीमीनछबि। अधरपवारीलाल॥१२॥ मगजलजेषंजनजले। कंजलजेछबिहीन। द्विगनिदेषिदुषदीनके। मीननएजललीन॥१३॥ मुषसरनइंदुसम। षंजनसमसरनेनकटिचीत। कंचनबरन। केलकोकिलबरबेन॥१४॥ मगसकुचेचषिदेषिके। मुषलषिऊषेचंद। बेनीदेषेबामकी। केगोदीपकमंद॥१५॥ केसरिकेसरक्योसके। चंपककित्तकअनुप। गोनरूपलषिजातदुरि। जातरूपकोरूप॥१६॥ कंचनतनधनबरनबर। रह्योरंगमिलिरंग। जानीजातसुबासही। केसरिलाइअंग॥१७॥ कंचनलषियतप्रतिरये। कंचनसेतनबाल। कुमिलानेजानीपरत। तनचंपेकीमाल॥१८॥ बरनबाससुकुमारता। सबबिधिरहीसमाय। पंषुरीलगीगुलाबकी। गातनजानीजाइ॥१९॥ करतमलिनआछीछबिहि। हरतजुसहजबिके

स अंगरागरागहि लग्यो। जैसेमुकरउजास॥२०॥पहिरन
भूषनकनकके॥कहिआवतइहिहेत। दरपनकेसेमो
रचा।देहदिषाइदेत॥२१॥पायमहावरदेनकूं।नाइन
बैठीआइ।फिरिफिरिजांनिमहावरे।एडीमीडतजाइ।
॥२२॥छालेपरिबेकेडरनि।सकैनहाथछुवाय।झिझि
कतिहिएगुलाबकै।झवांझवाइतपाइ॥२३॥प्रतिबिंब
तितियसाहिदुति।दीपनिदरपनधाम।सबजुगजीत
नकौंकरयौ।कायब्यूहमनोकाम॥२४॥छिप्यौछबीलौ
मुहलसै।नीलैअंचरचीर।मनोकलानिधिझलमलै।
कालिंदीकेतीर॥२५॥नगपरनगलषियतजगत।नग
परनगनलषंत।नववेलीपरिचित्रकै।कनकावलि
सोहंत॥२६॥इकुभ्रचिरजपेषहु प्रगट।वाघरकेचहु
पास।निनिप्रतिपून्योइरहत।आननवोपउजास॥२७॥
रोमावलिनहिरषनहि।कारीनागनिनांहि।नषसिष
तेतियनिरमली।बेनीकीपरछांहि॥२८॥कुचगिरपर
मनमथकरी।चहेजातइहिन्याइ।रोमावलिनांहिन
हीये।सांकरघीसेजाइ॥२९॥मृगनैनीबेनीसुधा।चेनी
तोहतपीव।सुबदेनीमनस्यामकौं।चेती चित्तवतदी

ठा॥३०॥नषननारसहारिहै।कैयोइहतनसुकुमार।स्र
धोपाइनपरतहै।सोनाहीकैनार॥३१॥अंगुरीसोआनष
निकी।कनिमनिजैसीहोइ।मदनआरतीकौकिए।पं
चहिदीपकजोय॥३२॥तीनरतीरबिहसीजुतिय।अं
बुजबिहसतलाल।दुहुओरदोरतनवत।मतअमर
कीमाल॥३३॥छिनकससीछिनकोकनद।हसैषिसै
मुषहोइ।चषचकोरअरुमधुपगन।दौरिथकितनए
सोइ॥३४॥बिनहीकिएसिंगारकै।अतिसरूपसुषसाज
सौंतिनहूंजियरीजिकै।सौतिनतोरैआज॥३५॥लौनै
मुषदीठिनलगै।यौंकहिदीनौईठ।दूनीकैलागनलं
गी।दियैदीठौंनादीठ॥३६॥बालछबीलीतियनिमैं।बैठी
आठछिपाय।अरगटहीपांनूसकी।परगटहोतलषाय
॥३७॥कुचफलफूलबिसालढिग।करपल्लवपतलाल
रससौंसनीरसालअति।कनकलतासीबाल॥३८॥अं
गअंगछबिकीलपट।उपजतजातअछेह।षरीपातरी
ऊतऊ।लगैभरीसीदेह॥३९॥ललनांतुवमुषलैंनसम
कमलकहावतसोज।तबबिधिदीनौंपनहुबौ।अंज
ऊतिरतपिरोज॥४०॥हालपयोधरगोयतिह।सिरकी

लटचोगांन। षेलतसोहिअनंगचढि। तरुनीतनमेंदो
नाधरा॥ इतिअंगन्यावसंपूर्णा॥ ४॥ अथअलकनाव
लिष्यते॥ दोहा॥ पलकनलागतिअलकलषि। फलक
तरूपअगाह। स्यांमदसीराकाससी। जनुपूज्योरतिनाह
॥१॥ बनीबलकेहक्षसोनकी। अलककपोलरसाय। ब्या
लीलीलतिबालकों। जनुताबसनबनाय॥२॥ पलक
पलकलागतनही। फलकअलकडिगदेषि। चंदम
नुचाबकरस्यौ। जुवजनकाजबसेषि॥३॥ चोबाच
नकीचंहचही। फलकतिअलकअपार। टांगधरयो
लेकोररा। मरुवांमकोतवार॥४॥ लटकपोललट
कतिलसति। अटकतिसुमतिविसोकि। कांमगारू
कमलजनु। राषीनागनिरोकि॥५॥ घूंघटपटउघरत
लषी। लटलटकतिश्हिपार। राहकुंकलागतचली।
ससिकलंकधसिक्षार॥६॥ लटकनिलटकीवरनव
त। सटपटघटअहिसेष। कहिदयालकियकांम
जनु। ससिपरकसिमसिरेष॥७॥ लटलटिकतितटि
बदनकों। लषिबिलषितिरतिमांन। कनकमुकरप
नबनककी। दराकिकिगदरार॥८॥ लटलकुसेरा ८

कपोलकल। द्युतिदयालदरसाय। बिधिनैबिधुसंभ्रो
मनो। ताकीसंधिदिषाइ॥ ९॥ कारीसटकारीलटकि।
लटकपोलरहीलागि। तोमतमीननरिंदकौ। उमगिच
ल्योपरिलागि॥ १०॥ अलककफलककीनीलसै। बलक
कपोलबिसेष। कनकपटउपटीकसी। स्यामकसोटी
रेष॥ ११॥ लटपटकीननवीनमें। लटकतिललतिकपो
ल। जनुनीरजपरनागरी। धीरजहोतिनलोल॥ १२॥ स
टपटतनअटपटबचन। लटलटकतिलषिनैन। घ
टघटअंगअनंगनट। प्रगटनैनहवचैन॥ १३॥ कनक
लताललितालसै। अलकलताअरबिंदु। बंधुनवा
कुबिधुंतकी। रासिधरीजनुइंदु॥ १४॥ अलकफलकल
बिषलककौ। पलकपेमकतनिंद। त्रासनमानरुम
ननुरी। ओगीपकरीइंदु॥ १५॥ आननपरिअलकजु
छुटी। अरुझिअंजननैछीन। उरगबचाजनुमातरु
रु। ताजकमंदललीन॥ १६॥ अलकलटकिलगिक्र
चनपर। अपमांअैसीदेत। सिवतजिकैनागनिचंद
ससिमुषअंमतहेत॥ १७॥ श्रमजलबुंदजुबदनपर।
तापरकेससुबास। मनरुफिरतबचनागकै। चाटन

८

श्रौसपियासु॥८॥संमनलटजुललाटपर।लटकिर
हीलपटाइ।मांनऊनागनिपेमकी।जोदेखैतिहिषाय।
॥१२॥अलकजुछुटीपलकपर।किधुंघुनीउरझंत।मां
नऊगतिगयंदकी।रह्यौसुंछिधरिदंत॥१३॥सहजसची
कनस्पांमरुचि।सुचिसुगंधसुकुमार।गनततनमनम
षअपथलषि।बिधुरेसुधरेबार॥१४॥कुटिलअलक
छुटिपरतसुष।बटिचौहतौउदोत।बंकबयाकीदे
तज्यों।दांमरुपइयादेत॥१५॥कारीसटकारीअलक।
रहीउरजपरिआइ।मनऊउरगहरकंचस्पों।राख्यौबा
धिबनाय॥१६॥कुचअलकेछबिदेततहे।अलिज्युरहे
समदाय।मांनऊकंचनषंनस्पों।चढततसेसलपटा
य॥१७॥नागरिसुंदरिबदनपर।अलकरही छबिछाय
मानऊनागनिपेमकी।चलीतुरतहीधाय॥१८॥इति
अलकवर्णनसंपूर्णं॥५॥अथतिलवर्णनलिष्यते॥दो
हा॥असिलतबिचतिलबन्यो।जोबनलहरेलेत
बिरहीछूट्यौजाततहे।सीसदिषाइदेत॥१॥तिलइ
कदेख्योबदनपर।चुपस्योतनफुलेल।मेंमनचुप

सो आपनें । वाही तिलकै तेल ॥२॥ मोहन मुष परि
तिल निरषि । मैं करि जांन्यौ लेष । अब मोहि जारं त है स
षी । वाही तिलकौं देष ॥३॥ गोरी के मुष एक तिल । सो मु
हि षरो सुहाय । मांनहु चंपक की कली । भवर बिलंब्यो
आइ ॥४॥ गोल कपोल अलोल तिल । राजत रूप निधा
न । ससि निकलंक कियो मनु । मुल पर ह्यौ सह दांन ॥५
बाल कपोल दयाल कहि । तिल राजत इहि न्याय । चंद
चढी जनु रूंधती । वीवा आग चढाइ ॥६॥ त्रिय कपोल अ
वलोकि तिय । स्यांम बिसास्यो मैंन । ससि परिधसो इया
ल जनु । सुक आपनें नैंन ॥७॥ तिल कपोल छबि तरु
निके । कथत न लहै बिबेक । तिलस्यों प्रज्यो राति पति ।
लागि रह्यो जनु एक ॥८॥ अंग न संभे जरि अग्नि मै । तिल
कीनौं तप सूर । त्रिय कपोल तापुं निते । तिहि पायो अ
वतार ॥९॥ कबि छबि तिलकी बरनिकै । दरसि दया
ल कपोल । अंड हि छं फिउम्यो कि अलि । धरि दल कंज
अलोल ॥१०॥ तिल कपोल अनतोल दुति । मुनिवर न
तम न मोद । गइ करूं धरि आंपनें । कुंवर इंद की गोद
॥११॥ तिल कपोल ललषि तरुनि के । आंन टक ति नई बां

रू। मेचककाचकिकिरचमनु। षुसकिकंचनमाऊ
॥१२॥ गौरबदनतिलस्यांमसंग। दरसिमदनमदजाय
केसरिरंगचिरंमगिरि। जनुमुषतनकदिषाय।१३। द
रसिदयालरसालतिल। सरसकथैपरसंग। अतिनिर
षतजनुलगिरह्यौ। नाहनेहकोरंग।१४। लोलुतल
लितअमोलतिल। कलककपोलबिस्वादु। सुंदरिसोधि
किधौधरयौ। रससिंगारकोस्वादु।१५। बिषियानांम
बिष्मातबसु। लियतियसकललिषाय। तिलनदया
लकपोलतिल। बिषकोचिन्हदिषाइ।१६। चोलकपो
लअलोलतिल। रच्यौबिरंचिबनाय। इंदुनंदजनुनै
नको। लयोआनंदउचाय।१७। तिलकपोललषितरू
निहरि। निसिवासुरनिअघाय सैनकीयोजनुनैन
की। चैनपुतरीयतपाय।१८। तिलकपोललबित
रुनिके। बरनतसुकबिसुयांन। मनुसुहागनिबांम
को। कांमकीयोसहदांन।।१९। तिलबिलोकिइक
तरुनिके। तिलतिलवारतदेह। जनुउफिलागोवां
मको। जस्योकांमकैषेह।२०। तिलअवलोकिततत
रुनिको। उकतिआंउनसुहाय। सततगुनमेंताम ६

सट्कुस्यौ। उझकत नैंन दिषाय ।२१। वाल दयाल बिसा
लछबि। तिलकपोल परिताप। जगत करन अनुंक(र)
दई। जगत बिजै की छाप ।२२। सुंदरि कै सुंदर बदनं
तिल सुंदर सुन कांति। जनु मृगमद छिरकाप स्यौ। क
सि पसुत की कांति ।२३। रूपसुचिर रुचि नागरी। ति
लकपोल बंकीन दृष्टि मोहन मनु। कज्जल बे
दी दीन ।।२४। बदन सदन धन मदन की। दीपनासि
का दीन। ताकौ कज्जल का ढिजनु। तिलकपोल प
रकीन ।२५। कुच नीचे तिल निरषि के। इह उपमा जि
य मांह। मनौ कमल तै निकसि कै। अलि सिसि बैठौ
छांह ।२६। तिल वरनत कपोल थल। मथन उकति
के मांट। चंपक चोवा चरलगी। कमल कि कज्जल
छांट ।२७। उज्जल मुष परस्यां मतिल। सो त्यान ईस्त्र
पार। ससि निसि मे नित देषियत। निस ससि मे अ
धिकार ।।२८।। इति तिलभाव संपूर्णं ।।६।। अथ नैंन
भाव लिष्यते ।। दोहा ।। लोचन चारु चकोर सम।
चातक कुमद तरंग। अंजन जुत अलि कों मसर
षंजन मीन कुरंग ।। १ ।। नलिन मलिन कियनाग

री।तेरेलोचनलोल।अरुचकोरचेरीकीयो।लिएम
मोलेमोल॥२॥सबरससुभंजनकीये।कंजनखंजन
देंन।रंजनअंजनहीबिना।षंजनखंजननैंन॥३॥
सायकसमघायकनयन।रंग्यो त्रिबिधिरंगगात।झ
षबिलकीजलजातदुरि।लषिलजातजलजात॥४॥
जोगजुगतिसिषइसबै।मनौमहामुनिमैंन।चाहत
पीयअद्वैतता।सेवतकांननैंनैंन॥५॥सबैअंगक
रिकेसुवर।नाइकनेहसिषाइ।रसयुतलेतअनंत
गति।पुतरीपातुरराइ॥६॥अरुनजदोरेद्रिगनिभें।
सोहैउपरअैंन।निपटचपलयातेंनए।कामसषा
एनैंन॥७॥मोहेजिनचतुरंगचष।फेरेलाललगा
म।षेलतसरकावसनए।चढ्योषंषधइकाम॥८॥उ
लसिचढ्यौचितनागरी।नैंनतुरीववतेज।नवल
नेहमेदांनमै।करतफिरतमुहमेज॥९॥नैंनापं
कजअरुनअति।जगेपगेअनुराग।मांनरूपुत
रीस्यांममधि।मधुकरलेतपराग॥१०॥नैंननिजी
तेकमलदल।षंजनमीनकुरंग।अबजमसुराति
कौनपर।करतहैमोननिसंक॥११॥नैनकमल

पर राजही। नकुटीकुटिलसुनाम्र। मनकुलोचनस
करंदके। मधुकररहेलुनाय॥१२॥अंजनयुतषं
जननयन। अंगुलीलसतउदार। लटकिरद्योज
लकलकमल। जनुअलिअलिकेनार॥१३॥नषसि
षरूपनरेषरे। ततमांगतमुसकांनि। तजतनलो
चनलालची। बेललचौंहीबांनि॥१४॥रूषदेषि
ललचातअति। वोरकुगौरगनैंन। छिनऔरैछि
नऔरसे। एछबिछाकेनैंन॥१५॥तरुनकोकनद
बरनवर। नएअरुननिसिजागि। वाहीकेअंनु
रागछि। रहेमनोअनुराग॥१६॥जदपिबांधेजा
ततउ। नैंकनकरतनिहोर। अैनाबेंनाकहतहैं
नैनांमनकेचोर॥१७॥एचाहेरसलोयन। बैरस
रसहीलुनाय। अंषीपंषीसारषी। सबकाह्रप
रुजांहि॥१८॥जैसेतंनकीकहतहै। करनारीबि
नबैंन। त्योंहीमनकीहेतकहि। मनकीनारीनै
न॥१९॥करकीनारीकरतहै। मनकीनारीबें
न। देषतहीपहिचानिए। हितकीनारीनैंन॥२०॥
नैंनानैनहिमिलतहैं। एइनैंनातुफ। जोतुचतु

रसुजानहै। तोनैंनामैहिबुक ।२१। आलीअंचरओटतैं
फलकिफलकिजिजात। मांनकुषंजनलालतैं। उ
फिबेकौअकुलात ।२२। सोहतचंचलद्रिगनिपर। म
रेलालरसाल। वैषंजनपकरेमनौ। बधिकअरुनरंग
लाल ।२३। सरकासुंदरिद्रिगनिमै। क्योंनहोइरस
भेद। उनकैकजलतैंबच्यौ। नास्पोलिषियितबेद।
।२४। बरजीतैसरमैनकै। ऐसेदेषेमैंन। हिरनीकैनै
नानितै। हरिनीकेएनैंन ।२५। संगतिदोषलगैस
बनि। कहैसयानेबैन। कुटिलबंककनुवसंगनए।
कुटिलबंकगतिनैंन ।२६। इतिनैंनन्हावलिसंपूर्णं।
७। अथसिंगारन्हावलिषते। दोहा। ससिबदनी
म्रगलोचनी। सुंदरिअधिकसरूप। प्रीतमकेसुष
देनकूं। मंजनकरतिअनूप ।१। अबलानिकस
तनीरजब। नीरचुवततबरबीर। जनुअसुवनरो
वतबसन। तनबिछुरनकीपीरं ।२। मंजनकरि
सुकवतिअलक। चिकुरचुवतजलधार। मानऊ
ससिकेत्रासतै। रुदनकरतअधियार ।३। आंनन
उघटेओपचित। कसैकंचुकीलेय। कापरिको।

पेकोमिनी। नैननकाजरदेय॥४॥ बेंदीन्नालतबो

लमुष। सीससिलसिलेबार। ऊगाआजेराजेषरीय

हेसहजसिंगार॥५॥ मोतिनकीलरसीसपर। सोनि

तदेरहनोंति। चारुचंद्रिकाकीचमं। धनिमालाकी

पांति॥६॥ अलकचवरनेनासुनट। तिलकछत्र

कियसाज। अधरसिंघासनऊपरे। मुकताबेग्रो

राज॥७॥ सिंधुसुधामथिअधरदिय। तापरिमृतिय

मूस। चिऊरनिकटनिरषतमनो। सागरकोजोसु

स॥८॥ सायरतज्योसमीपकों। छिद्रकरायोगतमु

कताअधरनछूसके। कहतबिसंतरबात॥९॥ अ

धरपांनरसजानिके। देषिजलजहबलीन। समद

ऊपदइसरगचढि। बेसरिमुकताकीन॥१०॥ उद

धिछोरिउरछेदियो। पाईनहीजगीस। मुकताअध

रन नदि मिले। तातेमोलतसीस॥११॥ कनक

ऊरिबंधिबिकुरी। नकबेसरिहलकंति। मुषज

लकनमुकताधरी। नरीअलकफलकंत॥१२॥

चिबुककूपनयनीरहट। मुकताधरीगंनीर। च

षयोलात्रकुटीजुवा। तरुनिनरतछबिनीर॥१३॥

बेसरिमोतीद्युतिझलक। परेओटपरआइ। चूनैंहोय
नचतुरतिय। कौपटछ्वैजाय॥१४॥ बेसरिमोतीध
नितुही। केबुझैकुलजाति। पियबोकरितियओटकै
रसनिधरकदिनराति॥१५॥ मुकतातारागनगए। रैनि
केसमुखचंद। कविप्रसनहूनीकिरनि। चरूचकोर
नंदनंद॥१६॥ नासिकूपमामालीमदन। मालसुनव
सरहार। नैनेचहबचानलतिलक। मुकतामगज
लधार॥१७॥ दीपिनपरबसमांनद्युति। कनककनक
सेगात। भूषनकरकरकसलगात। परसिपिछांने
जात॥१८॥ अंगअंगछविबिंबपरि। दरपनसेसबग
त। दुहरेतिहरेचोहरे। भूषनजानेजात॥१९॥ दुर
तनकुचबिचिकंचुकी। चुपरीसादीसेत। कविअं
कनकेअरथजो। प्रगटदिषाइदेत॥२०॥ नरजुब
बितनबसनमिलि। बरनिसकेकोबैन। आंगचा
पआगीदुरी। आगीअंगदुरैन॥२१॥ सुरगजुहीसीज
गमगै। अंगअंगजोबनजोति। सुरगकसूंभीकंचु
कीद्युतिरंगदेहद्युतिहोति॥२२॥ छरैछरैछटील
रैमोतीगरैसुंचंग। उतरीमानोंमेरतैं। सहसधा १२

रकेअंग॥२३॥पहैपमालपहरैगरे।रोमावलिछबि
देत।मानहुनागनिबसनतजि।नानिबांमधसिलेत
॥२४॥कुचपरमालजुलालकी।अपभारहमनआइ।बे
रपुरातमजोंनिके।मनमथआंगलगाय॥२५॥पोहची
बिनपोहचावनी।सोनाकहीनजाय।मनहुकाज
मधुपांनकों।संगरहेलपटाइ॥२६॥बदनकुंदलल
रतिय।श्रमजलसकुटीबंक।मनहुचंदपीयलन
यो।देगयेराहनिसंक॥२७॥नाललालबेंदीदिए।छु
टेबारछबिदेत।गह्योराहआतिआहकरि।मनुससि
सरसमेत॥२८॥बिधुबदनीकेबदनपर।बेंदीअधि
कअनूप।मांनहुकाछूकुलबधू।बिधिपूज्यौबधू
क॥२९॥तियमुखलखहीराजरी।बेंदीबढैबिनोद।सु
तसनेहमानहुलीयो।बुधप्रस्नबिधुगोद॥३०॥ल
सैनुरासातियश्रवन।योमुकताछबिपाइ।मानहु
परसकपोलके।रहेवोसकनछाय॥३१॥लसतसेत
सारीढप्यो।तरलतरोंनाकांन।पस्योंमनौसुरसुरि
सलिल।रबिप्रतिबिंबबिहांन॥३२॥मोतीतियके
कोनके।किहिबिधिबिषरेकपाय।तिरछीचितवनि

तेमरै। मतिफिरिबेधैजाइ ।३३। अरुनबरुनतरुनी
चरन। अंगुरीअतिसुकुमार। चुवतसुरंगरंगसौंमनौं।
चंपिबिछियनकेभार ।३४। सहजसेतपचतोरिया। प
हरतअतिदुतिहोत। जलचादरिकेदीपलौं। जगम
गाततनजोति ।३५। जोतिजोन्हमैमिलिरही। नैकन
होतलषाय। सौंधेकैडोरैलगी। अलीचलीसंगजाय
।३६। कौंमिनिचलीमिलनकौं। प्रफुलितमुषआनं
द। ज्यौंजलबीचिकमोदिनी। प्रगटैपूरनचंद ।३७।
मिटीजातचुनरीचिटक। बरषतबारदजोर। छायन
लेतेंआंनज्यौं। नोरचोरचकुवोर ।३८। चुनरीस्यांम
सतारनन। मुषससिकीउनिहारि। नेहदबावतनी
दलौ। निरषिनिसासीनारि ।३९। पोहपतमाइनचि
कुरनिसि। मांगसमागजराइ। बदनचंदनयहह
स्पति। देषियकितनरासाइ ।।४०।। इतिसिंगारर
वसंपूर्णं ।। ८ ।। अथचेष्टानावलिष्यते ।। दोहा ।। पि
यप्यारीसरसेदरस। मिल्यौनक्यौंहीजाय। निज
करदरपनराषिकै। निकटहोतहैआइ ।।१।। दी

गिनरतबाधतअटनि। चढिदोरनफरात। इतही
उतचितदुहनको। नटलौआवतजात॥२॥ बिनचि
तवत्तिबिनमुरिचलत। अंचरलेतसुधारि। चाहत
चातुरसौंमिलौ। आतुरनरजुनारि॥३॥ इततेउत
उततेइते। प्रीतमटेषनचाय। जकनपरतचकरी
नइ। फिरिआवैफिरिजाय॥४॥ फटकचढतउत
रतअटा। नेकंनथाकतदेह। नइरहतनटकौबटा
अटकीनागरनेह॥५॥ नोहतचैआंचरउलटि। मोर
मोरमुकमोरि। नीविरनीतरिगइ। दीगिदीविसोंजो
रि॥६॥ त्रिबलीनाभिदिषायकरि। सिरढकिसकुचि
समाहि। गलीअलीकीओटकै। चलीभलीविधिचा
हि॥७॥ बतरसलालचलालकी। मुरलीधरीलुका
इ। सौंहकरैभौंहैहसै। देनकहैनटिजाइ॥८॥ चित
इललचौहैचषनि। उटिघूंघटपटमांह। छलसों
चलीछुवाइकै। छिनकछबीलीछांह॥९॥ सुंदरि
सनमुषपीगिरिवि। छांहछुवाइपाइ। गुरजनके
मधिकामिनी। रहीधरनिकरलाइ॥१०॥ लषिगुर
जनविचकमलसों। सीसछुवायोस्यांम। हरिसन

मुषकरिश्रोरसी। हिएलगाइबांम॥१॥ नहिश्रका
थनहिजायघर। चितचकुटौतकितीर। परसीफुर
हरिलेफिरत्ति। बिहसतिथ्रसतिननीर॥२॥ सुनिपन
धुनिचित्तइइते। कातदीएहीपीवि। चकीकुकीस
कुचीरुरी। लजीहसीसीदीवि॥३॥ बिहसत्तिसकुच
तिसीदिये। कुचश्रचारबिचिबांह। नीजेचटपट
कुंचली। न्हायसरोवरमांह॥४॥ कायपहरिप्रबुठ
टिकीये। बेदीमिसिप्रिनांम। द्रिगचलाइघरकोच
ली। बिदाकीएघनस्यांम॥५॥ इतिचेष्टाभावसंपूर
ण॥६॥ अथनैंनलगनिभावलिष्यते॥ दोहा॥ सिव
बिरंचिसुरपतिसबै। सेसकुदेषेजैन। तेमनमोहन
बसिकीए। राधेयाभनैंन॥१॥ पगपगेरसकेसगे। म
दरंगमगेबिसाल। नैंनलगेतुवनागरी। ठोरवगेनं
दलाल॥२॥ कसांबनबिसरेहीगए। फिरिचितव
नउहिश्रोर। कुंवरकरेजेचुनिरही। एकजरारीको
र॥३॥ मनमोहननेंनानिको। भलोनसमभयोजाइ
दरसतहूतरसत्तरहे। कमलनैंनकेनाय॥४॥ नैं
ननिमूरतिस्यांमकी। लेराषीहियमांहि। सोनिषि १४

वोइलेरहे।नैंकदिषातनंाहि॥५॥फिरिरचि
तवतहीरहत।छुटीलाजकीलाव।अंगअंगछबि
कौरमै।तऽनोरकीनांव॥६॥लोयनलागेललित्ते
कहाकरूंबसिनांहि।षैचेआवतष्ननझज्यों।छुटेस
रलौंजाइ॥७॥ऐचिऐचिराषोतउ।पलनएकवह
राय।नैननमैकरश्तरी।जितप्रीतमतितजाइ॥८॥
जेतेनैननचाइए।धरिएनोहनिमोरि।पैघुतरिन
मैकामकर।चलीजातपियओर॥९॥पऊचतउठि
रनसुनैलो।रोकिसकैकोउनांहि।लाषनहीकी
नीरमै।आंषिऊहीचलिजांहि॥१०॥जितप्रीतम
तितजातहे।औरदेषिसुषचैन।सरिजगुलके
फूलज्यों।फिरैतियाकेनैन॥११॥रूपधरघन
स्यामकी।छबितरंगकीझोक।पेमप्यासनाजे
नही।नैननिनाऊौओक॥१२॥लोचननैकुअ
घातनहि।देषतप्रीतमलोक।ज्योंसुपनेपानी
पियै।प्यासनबुझतअसोक॥१३॥लोकलाजड
रजीयकें।मेटेसबगुनगाथ।बिबसनऽडोले
सबी।इननैननिकेसाथ॥१४॥लोकलाजग

तिहैनकुल।मनकूंनयोमटमैन।छकेरहतछबिछाक
सों।अतिमतिवारेनैंन॥५५॥थकितनयेडीयटेछिकें।
२ देतनआवेसैन।छबिछाकेलोछकिरहे।नयेकूपब
सिनैंन॥५६॥दखिपरसपरदंपती।जिगनिमुंदिरसलेत।
मनकूएककीएकछबि।नेकननिकसनदेत॥५७॥त
नककिरकरीजोपरे।करमीडतजियजाय।देषौअचि
रजपेमको।मुरतिनैंनसमाय॥५८॥बरीमंदअरिबिंदसु
त।जिहनप्रेमपहिचांन।पीयमुषदेषनजिगनिको।
पलकरचीबिचआनि॥५९॥अमिलरहेनहिपलमिलै
देतनआवैसैन।चित्रमिटेमतिमित्रको।रहेरूपनरि
नैन॥६०॥मेरेबरजेनांरहे।गयेपेमरसलेन।अपब
सतेपरबसनरा।एबिसवासीनेंन॥६१॥हंजेअंजेलो
यनां।रंजेसजनसथ।बंजणजयबिलगीया।नेणं
जेमननमथ॥६२॥सोरठा॥सकेनतांनतोरि।नैनाअ
टकेनेहसों।ज्यांगुडियाबसिकोरि।जितषीचेतित
हीचले॥६३॥दोहा॥जहांजहांथाहोलग्यो।स्यांम
सुचगसिरमोर।बिनकूंतनछिनगहिरहत।जि
गनिअजोवहगोर॥६४॥ज्योंनिरषेत्योंस्यामको।

केपलरहैलगाय। इननैंननिकौनेभयहु। औरन
कछुसुहाय।२५। तुवतनसागररूपको। मेरेलोच
नमीन। ताहीमेंपैरतरहे। तजिनसकैरसलीन।२
६। लोचनलग्योहरिरूपको। करीसाटिजुरजाय। हे
यंनबेचीबीचही। होयेनबमीबलाय।२७। कित्ती
बेरतोसौंकह्यो। तूजिनइन्हैपत्याय। लगालगीक
रिलोयननि। उरमेंलाइलाय।२८। कह्योकह्योइन
नैंनकौं। कह्योनमांनतधीठ। सिरदेबेकौंआंकते।
दीयोनचाहतपीठ।२९। रूपहाटरीदेषिकै। गाहक
नएजुनैंन। जियगहनैधरिलेचले। बिरहिबिसाहिउ
सेन।३०। नैनामनगहनैधरयो। लयोरूपरसलीन। न
वब्याजवारिषिचढ्यो। छुटिबोकठिनप्रबीन।३१।
ड्रिगउरझतसुरझतकुटम। जरतचतुरचित्तप्रीत
परतगांठिदुरजनहिए। दईदईयहरीति।३२। सोपं
जरउरफेरहै। जोडोरनसंगहोय। मोरेषंजननैंनसों।
उरझेऔरैकोइ।३३। वनतनकौंनिकसतलसत। स्या
मपारधीआय। ड्रिगषंजनगहिलेचले। चितवनिचेप
लगाय।३४। कोनबसिराकौंनिबहिए। नीतिनेहपुर

नांहि। लगालगी लोयन करै। नाहक मन बिंधि जां
हि॥३६॥ लाल तुम्हारे रूप की। कहौ रीति यह कौंन। जा
सौं लागै पलक हग। लागत पलक पलौंन॥३८॥
रत उतहौ तन राति दिन। नषत नदीठे नौ षि। सषी
सलौंनी बसत है। आंषि नहीं मे आंषि॥३९॥ पियलौंना
जिय लालची। सषी सिषावत मीन। देषत ही ये षि
या लगी। केसै रहत सयांन॥३०॥ सतर नौंह रूषी च
षनि। करत कविन मन नीवि। कहा करौं कै जात
हरि। हेरु हसो ही दीवि॥३१॥ लाज लगांम न मां नहीं।
नैंना मो बस नांहि। ए मुह जोर तुरंगलौं। ऐंचत हू
चलि जांहि॥४०॥ नैंना नेकु न मांनहीं। कितै कह्यो स
मझाय। तन मन हारै हूं हसे। तिन सौं कहा बसाय।
॥४१॥ नैंन गा अटके नेह सौं। गरै रूप मे जाय। चहलै प
रि निकसी नहीं। मानौ दूबरी गाय॥४२॥ झारे गें गौं गा
ह्ग हि। नैंन बटोही मारि। चिलक चौंधि मे रूप ठग
हांसी पासी झारि॥४३॥ डिग जोगी जगदीस के। कांम
देव को सिद्ध। वसै पेम के नगर मे। लेत रूप की नि
द्ध॥४४॥ तिय तुव मनु अनुराग दवि। डिग हियहोत

बलाय। फिरि फिरि परसत्त सकुचतुर। क्यौं इगगह
तसुनाव।४५। रूपन कासौ नागरी। हियेतुरंग बिका
य। तेरे लोयन लाहरी। उपरही ले जाय।४६। मान
सरोवर पेम जल। रूपसु लहरै लेत। नैंन पियासे द
रस को। घूंघट घाट न देत।४७। वै चितवन मो चित्त
परै। तब तै चितवन आंन। लोयन मै लोयन गडे। लो
यन लोयन प्रांन।४८। एकै दिन देखे सषी। रुत्त बज
वसबीन। मेरे नैंन मो हिले। न एजा इ आधीन।४९।
देखे आं षिन मां झमे। मोल तरा ते मोल। ता दिन तै गो
पाल है। बिन दांम न लइ मोल।५०। रूप सरूप जु ध
रि रहे। पलक लगत नहि चैन। अह मदनी दहि नां
परैं। नैंन निरूधै नैंन।५१। रस न्निजर एदो उदुरु नि
ते ढिकि रहे टरै न। छिबि सौ छिरकत पेम रंग। न
रि पिचकारी नैंन।५२। जात सयान अयांन रु। वै ठग
का हि ठगै न। कौं लल चाय न लाल के। लषि ललचौं
है नैंन।५३। दरस न हीकी रूपहै। हौं न न कबहूं नेह
कैसे नैंन अघात है। जाके जी न न पेटां।५४। इन दुषि
यन अं षियान कौ। सुष सिरज्यौ ही नां हि। देषब नैंन

देषतै। अनदेषेअकुलाहि।५५। औरकछूसुझैनहींदि
स्टदुहाइमैंन। वाहीकेसंगकेगये। नेंननलागेनेंन।
।५६। अलीगलीसागरचलत। फिरचितइमगनेंन
मानरूपरिदहगजलम्पो। जोपरिउबैकुसैन।५७
दृ मानसरोवरपेमजल। रूपसुलहरलेत। नेंनपयासे
० दरसके। घूंघटओटनदेत।५८। नेंनकिलकलापे
षपल। थिरकितरुनिउरताल। निरषिपरेषबिमी
नलषि। अजरुनकंटजमाल।५९। बाहिलषेलोचन
लग। कौनजुवतिकीजोति। जाकेतनकीछांहढिग
जोन्हछांहसीहोति।६०। अनियारेनारेअरुन। कजरा
रेकुलवाम। वाचषचाहनवाहकी। मोचषसदासका
म।६१। प्रीतिप्रगटवाप्रीयकी। अैंननैंनमैंहोति। जैसे
पटपानसकौ। दुरतनदीपकजोति।६२। लाषलोगमें
जोनिए। जाकेहिरदेहेत। नेहनाहसोकोदुरे। नैंनदा
उकहिदेत।।६३। अरुनबरनमोरेबजे। तीजपमभजीव
देषेलोयनलालके। रंगीजातहेदीव।६४। अमीहला
हलमेनरे। इषलधवलमरत। कोउबिरहीमरिग
ए। जीएघूमतमत।।६५।। इतिनैंनलगनिनावसंप्र १७

र्ग॥२०॥ अथनैंननमिलनसताव लिख्यते॥ दोहा॥ जो
नत्तीरगुरजनन्तरे। सकेनकहिकैबैंन। दंपत्तिदृद्दाक
दाछिसर। चाचरिषेलतनैंन॥१॥ कहतनटतूरीक
तषिजत। मिलतषिलतलजिलीत। नरसौनमेकर
तहे। नैंननहीसोंबात॥२॥ नैंनरसीलेरसिकअति।
नैंना। नैंनमिलंत। अनजानेसोंप्रीतिगुन। पहलीनैंन
करंत॥३॥ नैंननैंनकीजोनही। नैंननैंनकोहेत। नैं
ननैंनकेमिलतही। नैंननैंनकहिदेत॥४॥ तपतिबु
फीतनकामकी। नयोसकलसुषचैंन। प्रीतिबढीक
बिमलकहि। मिलेनैंनसोंनैंन॥५॥ दोरिमिलेढिग
ढिगनिसों। सुकेनफीनेचीर। हरैंफोजहरोलकी। प
रतगोलपरन्वीर॥६॥ नैंनादोउडतहे। करतपुत्तरि
यनबात। कटकेबेरहजारलों। मनपहिलेमिलि
जात॥७॥ नैंननिलजेनारहे। नंत्रिपजसहिकराहि।
प्रीतमआवतदेषिके। मिलनअगाउजाहि॥८॥ अं
षेसोंआंषेमिली। मनजुगयोतासाथ। जैसेपथक
हिपंथमे। वगबेचेवगुहाथ॥९॥ मोनैंनामेरनही। बे
चतहेपरसथ। ज्योपंथीकोपंथमे। वगबेचतवगहं

या ।१०। गढरूषवारे पंचजन । बदनसरीरसुवैंन । इह
गढकबह्नंजंजतो । नेदनदेतेनैंन ।११। मानगुमान
सबेतज्यो । करेकौंन बिधिटेक । नेंननिसोनैन) मिले
पीयजीयन्नएजुएक ।१२। नेंनमिल्पासुमनमिल्पा । म
नेमेमिल्पामित्त । जिसगढका नेडुमिल्पा । सोगढकलि
यानिचंत्त ।१३। नेंनमिलैतेमनमिल्प) होइसाटदर
हाल । इहत्तोसोदासहजका । जोरन्नचलततजमाल
।१४। इतिनैंनमिलनन्नावसंपूर्णं ।।१।। अथनैंनवं
नन्नावलिष्यते ।।दोहा।। कीयान्नरोसोनैंनको । नाग
रमेरेजांन । नातरकोजुगजीतते । कामफूलकेबां
न ।।१।। तुमजिनजानूहुनैंनपे । सुरमुनिटारतमां
न । गांसीहेगजबेलकी । षरीषरीषुरसांन ।।२।। सिध
मुनीजनमोनजे । करतकष्टकोकोट । तिन्हकोत
पटरतहे । लगतनैंनकीचोट ।।३।। तियकतकमने
तीपटी । बिनजीहन्नोहकमांन । चलचितबकहि
चूकतनही । बंकबिलोकनिबांन ।।४।। नेंनबांन
चलबोकरे । नेकनथाकतिमारि । तजितजिमुर
षजननको । चतुरनमारतटारि ।।५।। चतुरनके

उरछुनतहे। नैंनबांनकीचोट। मूरषउरलागेनही। मूरषताकीवोट॥ ६॥ नोहधुनषकेजलपिणच। दिष्टि सरसंधान। मितनमारतग्रवचत्त। बकोबिमेकी बांन॥ ७॥ नैंननमेतमदनसर। छुटत्त बिनांप्रमांनि ऊतनषकेसेचेरचा। लगतकरेजाग्रांनि॥ ८॥ प्रीत मकोटीचापज्जुव। मीनकीयोध्वजसाहि। ग्रधोदृष्टि मनमेहन्यो। सरलगातचषताहि॥ ९॥ नकमगगुन ऊकिचद्यो। पलचिरुटीसरसेंन। मोमनछेदत्तछी छिउझि। निलजामयोमुषग्रेंन॥ १०॥ जिगनिलगत्त बेधत्तहियहि। बिकलकरतग्रंगग्रांन। एतेरेसबत्ते बिषम। इछनतीछनबांन॥ ११॥ लागतऊहिलक टाक्षिसर। कौंनहोयबेहाल। कटतजुहिएहुसा लके। तउरहत्तनटसाल॥ १२॥ ग्रलियनलोयनस यनके। षरेबिषमसंचार। लगेलगाएएकसे। दुऊ दिसिकरेसुमार॥ १३॥ इतिनैंनबांनन्नावसंपूर्णः॥ १॥ इतिनैंनगजन्नावलिष्यते॥ दोहा॥ वलत्तोरत्त अंऊलसऊच। पलग्राकुसबसहेंन। उरसिग्रगड जातहे। गजमत्तवारेनेंन॥ १॥ ग्रत्तिउमफेमानेंन

ही। मोहै अंकुस लाज। नासा आफ उलंघि है। नैन मत
त गजराज॥२॥ पीलवान मन वाग पल। कजरारे ष
जंजीर। तउ लोप गज नैन ग। परत धरत न हि धीर॥३॥
अरु न सिंदूर न रेष रे। सकुच बाग बस है न। जिन ज
नै तित परत है। गज षुंनी नैन॥४॥ नारी नैन ग नैन ग
ज। जनु निर आंकुस नग। बेरी हेरी लाज की। मत नल
गत मग॥५॥ फारत तत पज फोज फिरि। नैन नारि के न
ग। मारत को हिद्याल कहि। मन सन पर मत्र थाग॥६॥
अति मतवारे मदन मद। हदन रहत चित चोज। दा
रा केडि गहुरि दहे। फारत जत सत फोज॥७॥ घूंघट
कोट रहे न थिर। तिरनंज तज सजोर। नागरि नैन नि
नाग नद। उमफि बलत चहुं ओर॥८॥ दंत करा छि
अंनंत सित। स्पांम स्पाम तजां नि। नैन नाग सतसी
लवन। षिजिनंजत बल षां नि॥९॥ वाल षंना लैसै
बधे। बारन नैन विसाल। दौरि न मारत देषिए। मा
रि करत बेहाल॥१०॥ बाजत छरित दयाल छिति
तोंजत मुनि मन बाज। मत मतवारे मदन के। बाज
त डिग गजराज॥११॥ घोरी कजर रेष करि। जोरि

१९

ग

जरेजंजीर। गोरी द्रिग गुजराज गुन। गंजन संजम नी
र॥२॥ षंजन षिति षट करम षिजि। बट नैजन पन ओं
न। गोरी जोरी नैन गज। गंजन ग्यान गुमान॥३॥ जोगे
सुर उर पुर हरे। जोगी न लेचैन। कहत न ऐंदकरिंदद्वै
नागरि तेरे नैन॥४॥ दरसत मे अरसत रहे नै। परसत
सरसत चैन। अद्भुत दुरि दयालरा। नारी तेरे नैन॥५
तप जप संजम सील सुत। जुगति मुकति की जाति। इ
ने बन करन दयाल दिन। द्रिग गयंद उतपात॥६॥ फ
टके लाज जंजीर कुकि। पटके मुनि मन मारि। द्रिग
मद मत्त गयंद द्वै। हटकि रहत न हिहारि॥७॥ मन
बंधन नांहि न रहत। नैना की ये करार। घर कुंजर ज्यों
मद वहे। चले तेसा करतोरि॥८॥ इति नैना जनावर
सवर्णं॥३॥ अथ मन गज नाव लिषते। दोहा॥ मद
न महावत सिर चढ्यो। पेम वाग ले हाथ। मन मतंग
मानै नही। नैन तराय ल साथ॥१॥ मन गयंद नहि
गम करत। मदन मत्त गंभीर। दुहरी तिहरी चोहरी
परी प्रेम जंजीर॥२॥ आली सकुच संनेह की। बढी
दुहु दिसि दुंद। को जाने कि हि कर चढे। मन नमै मत्त

गयंद॥३॥ मानसरोवरसुषकमल। सरससकोमलगात
बिनचहलैमनगजगह्यौ। निकस्यौनैकनजात॥४॥ इ
तिमनगजन्हावसंपूर्ण॥४॥ अथमनसिकारन्ना
वलिष्यते॥ दोहा॥ चितावावरिचितमग। प्रेमपैपोंनब
सधाय। करमकरोलीसीकरी। बधौंअचांनकआइ।
॥१॥ मनमगतनबनरहतहै। चरतप्रेमकेषेत। केश
वकोंमनछिकै। बांधिबधिकद्रिगदेत॥२॥ नेहप
रामैंदानतन। मनसारंगबनअंग। नैननफोरेफंदग
हि। त्यौराषततियसंग॥३॥ प्रेमअषेटककरनलगि
रागपराकरिदीन। अलकावलवागुरिरची। मनम
गगहिधरिलीन॥४॥ तिलकतेरफामेरिलट। जलजो
बनविधिषेलि। बेसरिमनसीमैंनकी। रही मीनमन
मेलि॥५॥ किदोसरोवरमीनमन। सजनसुरतिरति
मेरि। संमनकटकजुबिरहकौ। लेतकटोरिकदो
रि॥६॥ श्रमजलबुंदचुगोनयो। अलकावरिफंद
वारि। चितपंषीचुगचोफछ्यौ। सकैबकोनिरवा
रि॥७॥ नीचीएनीचीनिपट। दीठिकुहीलौंदौ

रि। कैनची नीचै दयो। मन कलंगा कपि कोटि॥ ॥ नैन बैन मुष नासिका। अधर सुधर कुच नीर। तहां पर्यो मन ब्रहमदा। जैसे सस्सा बहीर॥ ॥ बुटावलि घुटी मनो। मैन दीप उद्योत। हसित तियघंघर तम करत कोटि जीव बध होत॥१०॥ नैना बैरी लास तुव। पलकां मीचि तचार। मन पंषी मां डपरत। प्यारी करत सिकार॥११॥ सलिता हार पहार कुच। षेलत काम सिकार। हौं बरजो जग मगन कों। कां जिन जाउ गिवार॥१२॥ नुवक मां नअंजन चिला। नैन बान अति सार। चतुरनि के मन मगनि कों। मारत नारि निहार॥ १३॥ सारी मारी नीलकी। वोट अचूक चुकै न। मत मगकों कै बर हनत। बकै अहेरी नैन॥१४॥ प्रीत तुम्हारी पंजरा। नैन तुम्हारे खेल। मन जु हमारे सियकों पकरि लीयो तुम गैल॥१५॥ इति मन सिकार रसावस पूर्ण॥१५॥ अथ प्रेम लगनि भावलि [illegible] ॥ स्वेद सलिल रोमांच कुस। गहि दुलहनि को नाथ। हीयो दीयो संग हाथ के। हाथ पर [illegible] हाथ

॥३॥ कंकनछोरततखबिलगत। बरदुलहनिपीय
हेत। मनकुप्रेमकीगांठिद्वै। करछोरतमनदेत॥२॥
सुघरसौतिबसपीयसुनत। दुलहनिदुगुनहुला
स। सषीसषीत्तनदीठकै। सगरबसलजसहांस॥
३॥ मनकुमोहदिषरांवनी। दुलही करअनुराग।
सासुसदनमनललनकु। सौतिनदीयोसुहाग॥
॥४॥ नहिंपरागनहिमधुरमधु। नहिविकासत्ति
हिकाल। अलीकलीहींसोलग्यो। आगेकौनहवा
ल॥ ५॥ कोटिअपछरावारिए। योसुकियासुष
देय। ढीलीअंषियननेहकौ। गाढेगहिमनलेय॥
॥६॥ छलांछबीलेलालकौ। नवलनेहलहिना
रि। चाहतचुंबतलायउर। पहरतिधरत्तिउतारि
॥७॥ प्यारीतोरसरूपसों। मोमनरह्योलुभाय। जे
सेंहंसामांनसर। तजिकहुंअनतनजाय॥८॥
आंनदरनित्तोदिसिढरी। हितचितअनततनजा
य। ज्योंपोसुलितताजितताततदिसि। सायरमांझस
माय॥९॥ दिषोचतुरबिचारकै। इहैलगनकी

रीति। जाको जासों मन न मिल्यो। सो न हितू अन्त जी
ति ॥१०॥ सं मन जासों मन न मिल्यो। कहा रंक कहा रा
व। हेम कपूर न रंचहि। मिले सुहागी ताव ॥११॥ रू
प न देषन गुन कछु। सब्द देषै श्रव गाहि। सं मन जा
सों मन न मिलै। सो कछु औरै आहि ॥१२॥ रूप क रूप
गुक हत है। तन कूं देषि प्रवान। सुरषम न की ल
गनि को। जानै कहा अजान ॥१३॥ जहां आट कछ
श्पेम की। तहां न कछू बिचार। को जानै का हित्वा
द गलि। चुगत चकोर अंगार ॥१४॥ लीओ सा अमृत
येयो। जो छाम्यो सो पुष्य। ज्यो चकोर या वक चुगे। त
जे मूल फल लष्य ॥१५॥ ऊंत वकोर राप मको। उचा
अति हि उतंग। सीस दियो बिन पायत तर। कर न
पहुचे अंग ॥१६॥ सीस कारि पासंग कीयो। जी नस
रूनरि लीन। जो चाहै सो जाय लो। पेम अघाट हमकी
न ॥१७॥ सीस पलटे पेम कै। सं मन हाट बिकाय। राजा
परजा जिहि रुचे। सीर दे सो ले जाय ॥१८॥ सिर स
टे जो पाइए। प्रेम बिकाव न हाट। मूल बिलंबन की

जियै। तबही दीजे काटि ॥१९॥ जो तो हि साधु जु पेमकी
सीस काटि करि गोय। जब यह पोहचे हाल लों। तब
कछु होय सहोय ॥२०॥ सरस सु मिल चित तुरंग की ॥
करि श्र मित्त ज्ञगाहि। गोय निबहै जी तिहे। षेलि पे
मचौगांन ॥२१॥ वेद पुरांन सब पढे। रहदै षोसबको
२। एको श्रक्षर पेमका। पढे स पंडित होइ ॥२२॥ चिनग
एक जो उपजे। प्रेम श्रगनि जिहि देह। ग्यान ध्यान सुष
संजम हि। जारि करे सब षेह ॥२३॥ तन मन श्रेटकौ ला
ज पट। होति हते संकुचात। पेम चिनग तामे परी। बा
त बात सरसात ॥२४॥ श्रहमद राध पेम के। बुझि बुझि
ने सिलगांहि। जे सिलगे तब लि बुझे। बुझे त सिलगे
नांहि ॥२५॥ उच करीर निसंक कै। श्रहमद श्रायाषोय
कै जल मानिकक्कर चढे। कै जल मानिक होइ ॥२६॥
समद तिरं ते चढंत गिर। झंपक तासलियंत। पेमस
रा जिहि श्रचयो। कियकियर न करंत ॥२७॥ समद ति
स्या गिरते गिरयो। सीस हि कर व त लेउ। इक पीतम
के कारने। कोटि बार जिउ देउ ॥२८॥ धरम षरो श्रपर

संदरस । पंचत्राग नितपदांन । कासीकरवत्तकोटि
जगि । नहिकोउपेमसमांन ।२९। राजगरबजोबनस
मद । अरुअनेकसुषचित्त । एसबनोछावरिकरो । तो
परिपेमपवित्त ।३०। राजकाजबरुबेदबिधि । जपत
पसंजमनेम । यहसबबातबिबादके । गहेसयांनेप्रेम
।३१। सुषसयांनसंयमसकल । संभनसबैअकथ । चित
चढ्योमितसों । जीवचढ्योपरहथ ।३२। जोकोउजरे १
जंजीरतन । तोतोरोसतसात । प्रेमतंतअटक्योनव
ल । मटक्योनैकनजात ।३३। प्रेमतरंगनितीरही । च
लिचहैलैपस्योपाय । उतलोकरपऊंचेनही । मोकि
नैंकिनिकस्योजाय ।३४। नेननदीअंचलतिलक । बि
रहीजनमनजांहि । नेहनिहारितरि परे । तेफि
रिनिकसेनांहि ।३५। उजियारीप्यारीवनी । ससितै १
सुंदरजोति । जादिनतेयारीनई । प्यारीनैंकनहो
ति ।३६। सोरठा ॥ मेमनदीयोतोहि । जादिनतेदर
सनत्तयो । सुधिनरहीकछुमोहि । पेमलाजतुमराषि
यो ।३७। दोहा ॥ मेमनअपनोजांनिकै । पठयोहो
पियपासि । देषतहीउनवसनयो । हमतेगयोउदा

स॰।३८।मनतौमेरोतुमलयो।मनबिनतनकिहिंका
ज।कैमनुदेऊमयाकरौ।कैतनलेपौतजिलाज।३९।
फेटाचलेछुडायकैं।निबलजानिकैंमोहि।मनकी
गैलछुडायहौं।तोबलिबदिहौंतोहि।४०।मेरोमनतै
रोभयो।छिनकतजतनहितोहि।तासोलगहर
बसकोहि।क॰हाकरैलैमोहि।४१।चितवनितो
रैनायकी।गोरैमुषमुसकानि।लागनिलटकिअ
लीगरै।नितघटकतिचितआनि।४२।कछुलज्या
कछुप्रेमजुनि।कछुसिरसओसकाचिक।नि।चित
वनिचितचुरयो।टरतनएकनिमक।४३।अटकन
ईअतिचटकसो।नटकीतिलोटराय।नागरनट
नटकीलगनि।हटकीपैनरहाय।४४।रहीदहेडी
ढिगधरी।भरीमथनियाबारि।फेरतउरउलटीर
ई।नईबिलोवनहारि।४५।नहिनचाहचितवनि
लगनि।नहिबोलतमुसिक्याइ।ज्योंज्योरुषीरुष
करै।त्योत्यौचितचिकनाइ।४६।हसतिनहीबो
लतिनही।रसनजनावतिसैन।रुषेहीपहिचां
निए।नेहचीकनेनैन।४७।रुषरुषेचषचीक

ने। उरउरऊमैसुछेद कैअंगनीकेदेषिए। लाजल
पेरेनेह।४७। लाजनिलोकनिलषी। प्यारीप्रीतिनि
दांन। लगनिअगनितनतलमैं। कौंकरिदुरतक
ल्पान।४९। नेहदुरायोनादुरै। रह्यौपेमसोपागि
पलकनिहीमेप्रगटिहै। घासघसारीआगि।५०। प्री
तिदुराइनादुरै। उतिममनकीलागि। जोजुगनरि
जलमेरहै। मिटेनचकमकआगि।५१। कमलना
लसजनहियो। अंगअंगरह्योसमाय। घरुरकरिकि
रिये। तातउनजाय।५२। रमिमूरतिमनमेरही।
प्रीतमकीयहनाय। जेसेआंकअंककारस्पों। न्यारो
कह्योनजाइ।५३। कोंकेंरूगेकेंपाकुकों। क्योंकैह
अदास। प्रेमपराउआंनके। परेरहैप्रियपास।५४।
रतबेचतमनमोहनी। उतबेचतचितचार। बिन
टूटेमनहेमज्यों। बाहतहुऊनओर।५५। मनमोह
नमेंनमोहना। मेंनमोहनमेंनमोहि। मनमोहन
सोसोहनो। औरजगतमैनांहि।५६। संमनगा वि
जुपेमकी। परीजुकेऊफेर। बऊतसयानेपचिगए

नासुरझेउरझेर।५७।चलेसषी जहांजाइए।तहां
बसेब्रजराज।गोरसबेचंण पेमरस।एकपंथदोइ
काज।५८।सेउजहांनमनमिलै।नहीजातपैला
ज।नावंताकेनगरमें।बिनाकाजहीकाज।।५९।।
जैचितरातेमितसों।सोबरजैनरहाय।दीपक
अंगपतंगजैंपा।दाझतकुलपटाइ।।६०।।नबलब
धूंघूंघटकिए।दिपतनराइनअंग।मोमनमन
पानसको।फिरिरह्योपतंग।।६१।।सोरठा।।नि
देसुवलकेकाय।अनन्नेट्योबलकततफिरै।चितबे
ध्योजिहिवाय।कहोंतकहिआवेनही।।६२।।दोहा
लागोहोयछुडायीए।कलिकोइहेस्वभाव।मनकौ
कहांछुडाइए।जाकेहाथनपाव।।६३।।रतारतीनो
घटे।कोटिकरैजोकोइ।नेहनीरज्योंसजनां।रो
केगहराहोइ।६४।करतजातजेतीकटिन।बढिर
ससलितासोत।आलबालउरषेमतरु।त्योंहिति
तोदिढहोत।६५।कौहीकेबिरचैनही।जोरस्तार
सरत्त।नितहीनीरपषारिए।पंकजपंतसुरत।६

६६। बेलडीबनराइयां। नेहीनांचूकंत। ज्यांहीकं
वबिलगिया। त्यांहीसोसकंत। ६७। घलबदयव
लकरिथकैयो। कटेनकुवतेकुवार। आलवाल
उरफ़ालइ। घरीपेमतरुमार। ६८। मगरउगरद
दुरकुमव। जलजीवनिजलग्रेह। तुरसीएकहि
मीनके। हेसाचिलोसंनेह। ६९। मीनकाटिजल
धोइए। घाएअधिकपियास। बलिहारीवाचित
की। मुयेमीतकीआस। ७०। अहोमितमोचित्तकी
तेनहिपाइपीर। मछरीजीवनमर्नकी। जेपांनहि
जांनतनीर। ७१। तनकतरंगनितमकिके। लैम
रेगहितीर। तउसुमीननीरगति। नीरनेकुन
पीर। ७२। प्रीतमजहांनिजमनलगे। तहांरहीए
केलीन। यहसरसीरसवतनइ। कहाकेरैलै
मीन। ७३। नलोबुरोसोइमलो। जोइजाहिसुहा
इ। चकचदतरबिजेवको। ससिनसरदसहिजा
इ। ७४। बलिहारीउनपछनकी। जिनकोजंग
लबास। जलपीवेकांकरचुगे। नेकनछाफ्त

पास।७५।सरवरसकोदेषिकै।पीछीमरुभजाय।क
मलकुलीनज्योचातुरे।सकिरहेलपटाय।७६।स
जनप्रीतिसराहिए।ज्योघुरियनदलनीर।जुगजों
नैपरसेनही।जाबिनजरतसरीर।७७।मासोतेजुन
लीकरी।कपटचावकरिदाव।जबलगजीउस
रीरमे।तबलगबहेबजाय।७८।चतुरनादसोंम
गबध्यो।मांसबेचिधनलेकु।मोछालापरगाडयो।इ
हमोमांगोदेकु।७९।भगसुरसंचलिसरसहे।कालो
करउनमत।धननहीतोइधनबे।रीफनऋहेल
गमत।८०।जालणिमरेजुहोयसो।यामेचतुरनब
द।नांहदेतमजातनतजे।सीमीउपजेनाद।८१।उ
जीहाऋरस्पांमतन।बंकचलनछिबबांनि।प्रेम
बचनसुनिसबसुष।सीससमप्योत्र्यांनि।८२।बिर
हदुषदिजोदुषकहे।त्रिभुवनऔरनसुष।धनि
धनिजीवनताहिनर।जाहिपेमकोदुष।८३।जा
वंताकेमिलनको।बाकबकतहेलोग।मोहन
पलकबियोगपर।वारोकोटिसंजोग।८४।उ

चीबेवकरी जिय। बचंनराव नअंनुसार। यहैं
रमनचंगामे। सरसपेमकैन्नार॥८५॥ नैनश्रवनमि
लिमंत्रकिय। नवलरोसरससंधि। लोमत मांन
निश्रापने। पीयःसमष्यौबंधि॥८६॥ वगमग चलीमं
नके। फेरि बिसरसरसाथ। नैननेदपंथिककनौ। बि
मलविकानीहाथ॥८७॥ जिहिलागतबिवषमकुंव
असम्रायुधबकुहथ। तिहिलागतबिवइककुंव।
पांचवांनमनमथ॥८८॥ नवलसुजंससजनसुनघरी
बसेजुहियरामांहि। तो बिधिअंकललाटज्यो। अ
टरनटारेजांहि॥८९॥ संमन तन नयोप्रांनबस। प्रांन
नयोबसचित। चित्तनयोवसप्रेमके। प्रेमनयोबं
समित्र:॥९०॥ जादिनपियानदेषिए। चेटिएनांनरि
हेत॥ सोदिनलेषेश्रानके। बिधिकाहलिषिलेत
॥९१॥ जोनहिदेषोबदनछबि। होबेकुवनजाउ
इंद्रपुरीकिहिकामकी। तनहीउहनांउ॥९२॥ लै
बेकेंचकहाकरो। कलपद्रछिकीछांह। ग्रीषम
ढाकसुहांवनो। जोपीलंमगलबांह॥९३॥ सोरठा

तलसुपेतीकार।चुनैइकेलेसकैलतन।पाटस
मांनपसार।जोप्रीतमसंगसोइए॥९४॥दोहा॥रै
निदिवसहोसैरहै।मांननविकवहराय।जेतेग्रोगु
नढुढिए।गुनोहाथपरिजाइ॥९५॥महिकागरअरु
स्विधुमसि।लेषनिसुरतसुफार।तउनपूरैहोहिअ
लि।पियगुनवरनविचार।९६।नैटतवनतननां
वतौं।मनतरसतअतिप्यार।धरतिलगायरउर।
नैषनवसनदृग्पार॥९७।उमीगुनीलषिलालकी
अंगनाअंगनमांहि।बोरीलौदोरीफिरै।छुवतछ
बीलीछांह।९८।उनकोहितउनहीबनै।कोउक
रोअनेक।फिरतकागगोलननयो।डुहूदेहज्योए
क।९९।बांदनज्योपियछलुकियो।जोबलिलो
कहोदैन।पगपैडहैउमांगिकै।लागोसरबस
लैन॥१००॥पंचअगनिसाधनसुगम।सुगमसह
नषगधार।इकविधिप्रीतिनिबाहिनी।मंहाक
विनव्योहार॥१०१॥मोमनकोइननदिननमें।क्यौ
निबहैगोनेह।जाकोनावजगतमे।तास्योंव

न्योसनेह॥१॥नेहनिबाहेंही बनै।बनैंनसोचै

आंच।बूनदेमनदैंसीसदे।पेमनदीजेदान॥३॥

दयालदोउकूलकुल।कुटंबतरंगनलोय।लाज

सलिलआगीमिले।क्योंहरिमिलबोहोय॥४॥द

यालरसकीनावकरि।घेवटसषीसहाय।लाज

सलितयोउतरिकै।मिलिमनमोहनजाइ॥५॥

श्रासस्वाससिनबोकरे।ससुरनउसासनदेत।क्यों

करिकेलालहिमिलों।ननदकनसुवा[illegible]॥६॥री

फिलाजकेबिचिदबी।कासोंकहोंसुनाय।मीवीत

नधमारिकी।उगतसांवरोगाय॥७॥सुरतिनताल

रुतानकी।रहोनसुरबहराय।एरीरागबिगरगो

बैरीबोलसुनाइ॥८॥जेमनसरससयानको।और

ग्यानगुनचित।तेडकेगयेरूपबस।कीएमहाम

निमित्त॥९॥सहसकोससायरसलित।तिरतज

तनवलदट।परेजुतरनितरंगमे।फिरिरलगे

नवट॥१०॥कासमविरवाबांधियो।समदतिरन

केकाज।जायपरेतातबरमै।बुडैकोटिजिहाज

॥११॥सरफाकटेजुपेममग।करततनेरतिनधल

लत

तेअजकुछपजायरा। रतिरातेहैफूल॥१२॥ जेसूरा
रिणमेंतिरै। टूकटूककेजा[illegible]। एनेहीकैथ्यौतरै। कट
तकछाछिनमांहि॥१३॥ जनमुजलधिपांनिपबिम
ल। हैजगअाघअपार। रहैगुनीकेगरपस्यो॥ नजे
नमुकताहार॥१४॥ गहेननेकोगुनगरब। हसोस
कलसंसार। कुचउचपदलालचरहे। गरेपरे
हूहार॥१५॥ देषनंदकिसोरमे। चितनरह्योतिहि
वोर। ग्रिहतेनिकसीघरलों। नइअोरकीअोर।
॥१६॥ चलतघेरघरघरतउ। घरीनघरठहराय। जा
नीउहिघरकोचले। नलिउहीघरजाइ॥१७॥ देह
लग्योग्रिहपति। तउननेहनिरबाहि। नीची
अंषिनहीइतै। गइकनषरचाय॥१८॥ नैनकुनी
तरसोबसे। मनकीतरसोसोइ। सोवतानीसोबसे
जागंताहीजोइ॥१९॥ जागतसोवतनीसुपनब
स। ज्यांघटकीतरिसास। जोजनजाकोनावतो
साजनताकेपासि॥२०॥ बिधुकेकेतउकुमदहै।
इहजानतसबकोइ। बिधुसमानताकुमुदके
कोनदुसरोहोइ॥२१॥ पियकेतियसमकछुनही

तियकेपियआधार। औरसुषनकीअंतहै। इहसु
षअंतनपार॥२२॥ सुनतनिहारततरूपगुन। केसव
एकप्रमांन। कबहूंश्रोनअलोयना। कबहूं कां
नप्रमांन॥२३॥ पियतियकेजियएकहै। इहजानो
परिमांन। गराअंतिड्रूहहिए। नारीहीमेमांन॥२४
पियनिहालअंतरूनहीं। जोवपरेकछुआय। यहै
ओटचसमाचषनि। निरषतमनअधिकाय॥२५॥
प्यारीडीयकेप्रांनहै। पीयप्यारीकेप्रांन। देषत
द्वैमनएकहै। ज्यौंसुनिबेकोकांन॥२६॥ एकजोति
दोयलोयनां। एकबातद्वैकांन। एकडीतिद्वैसज
ना। द्वैघटएकेप्रांन॥२७॥ जुवकामीविवनेनपल
लटुहाथातिलबाट। सरफापेमबिकातहै। ने
हनगरकेहाट॥२८॥ नैनूंकीपलनैंनबिब। रस
जोन्हीसजितहि। मित्तम्रतिअरूजगमुरति। पा
सगालिनआहि॥२९॥ पेमतराजूतोलिके। जांनत
कियोबिबेक। तुलारामकोसौंकेहो। द्वैमनको
नयोएक॥३०॥ तिसुरीकाटोजुवईडी। ड्रिगदोउ
पलाबनाय। तोलतप्रीतिदुहुनकी। घटिबधि

करीनजाई ॥४२॥ इतिप्रेमलग्नानिभावसंपूर्णं ॥ दो
अथसंजोगभावलिष्यते ॥ दोहा ॥ चलंतिंकहूं चित
वृतिकहू । योआवतिपियपास । देषिपियाकीसफ
जब । सोषोसेजअवास ॥ १ ॥ जिनबोलोजिनहीहसो
जिनरूठो जिनजाऊ । असेहीबैठरहो । असेहीमस
काऊ ॥ २ ॥ जदपिपिचवानेचीकनी । बैठोमुरकिऊसें
न । तउनछाडतुहूंनके । रसीरसीलेनैंन ॥ ३ ॥ मष
प्रतिबिंबतिदीपदुति । समुझिसिषासीजांनि । मो
चित्तमेचकजांनिपिय । सषीलषीमुसकानि ॥ ४ ॥
तियमुषपियपुतरीनके । लाग्योसोंनटेन । पूरन
ससिधोकबन्यो । मांझअमावसरेन ॥ ५ ॥ ज्योंज्यों
पातकलपटसी । तियहियसोंलपटाति । त्योंत्यों
सरसगुलाबसो । छतियाअतिसियराति ॥ ६ ॥ छिन
कचलतछुकतछिनक । भुजप्रीतमगरडारि
चढीअटादेषतघटा । बीजछटासीनारि ॥ ७ ॥ नि
पटलजीलीनचलतिय । वहिकबारुनीसोय । ज्यों
ज्योंअतिमीठीलगे । त्योंसोदीग्रोदेय ॥ ८ ॥ हसिहसि
हरषतिंनवलतिय । मदकेमदउमदाति । बल २८
छाडतरहनकेरसीरसीलेनैन

गडपत्यावायनवीके जै नीचलनावइरियशैम ॥ ११ ८ ५ ५ ने

किबलकिबोलतिबचन। ललकिलपटिलपटा
ति।।९।।रहधनमोमनजावतिस। सबविसुष मयमें
नि। इकयासोअंतरधरी। अरीमहादुषजानि।।१०।।
सुनिससिबाहनथकिरहे। तजऊबीनकिनआप।
चाहतहेआजुहिलयो। सबचँवनिकोपाप।।११।।ला
लनतुमजियगुनगरब। गरबतजतअरबीन। सुन
तबीनपरबीनकी। कोनसुमतिकैकीन।।१२।।चौप
रिषेलतअतिचतुर। चुंबनबाजीलाय। हारेपिय
प्यारीतहां। मांगिमागिमुसिक्याय।।१३।।दिगबैठे
दोउतऊ। दोउकहेपरेन। रूपअमितजातनलषे।
होततहीकेनैंन।।१४।।जोइअंगकोइलषे। सोइरू
पअपार। निरषनामयहोतहे। बिछुरतसबसंसा
र।।१५।। मोहियमेंताछिगनिको। घोचहिगयोउदो
त। ज्योंसुदानकुरुषेतको। सहसगुनोहीहोत।।
१६।।जितनिरषतअंतिआपरी। तितही चलततउ
ताल। रसचसकेबेवेबहल। नवलमहलरंगला
ल।।१७।।दोरूपहरअरबरचलत। नेहधरतनहि
धीर। बिसरगइदोउजननि। अपनीअपनीपीर।

॥१८॥ नाकमोरिसीवीकके। जितहिछवीलछेल॥
त्योंत्योंफरिनहैगहै। पियककरीलीगेल॥१९॥ मो
मनदुषियाजांनिकै। तरुनिमहामतिकीन। कु
चनबीउरलाइकै। बिरहकसकगहिलीन॥२०॥
दोऊमनमानकुमुकर। हितश्रोपतत्रियकंत। हो
तांभेतमोमहे। मैऊंइऊंकारंत॥२१॥ इतिसंजोगमा
नसंपूर्णं॥ ७॥ अथसंजोगगर्वलिष्यते॥ दोहा॥ रम
नकह्योहठिरमिनिको। रतिबिपरीतिबिलास। चि
तेकैरैलोचनसरस। सजलसरोससहास॥१॥ स
कुचिसरकिपियनिकटतै। मुलककछुकतंतोरि।
करअंचरकीश्रोटकरि। जनयानीमुकुमोरि॥२॥
लषिदोरतपियकरकटक। बासछिपांवनकाज।
बरुनीबनगाढेद्रिगनि। हरिगेहोकरिलाज॥३॥
करगहिनायकहसिकह्यो। कछूबचनरतिकाज
पलकनिकोघूंघटकीयो। पियाप्रेमकीलाज॥४॥
नोहनिश्चासतिमुहनटति। नैननिसोंलपटाति।
श्रैचिचकुभावतिकरपकरि। आगेआवतिजाति
॥५॥ जोनिश्रलिननबिनकरगहत। दिषादिषी

कीईठ। गहीसचित्तनांहीकरन्न। करिललिचैवाहि
दीवि।।६।।बिनतीरतिबिपरीतिकी। करपरसेपि
यपाय। हसिश्रनबोलेहीदीयो। उत्तरदीयोबत्त
य।।७।।दीपकउजेरेकूपतिहि। हरतबसनरति
काज। रहिलपटत्तिछबिकीछटनि। नेकुछुराव
नलाज।।८।।सुंदरिबांहउचायके। षुलिकंचुकि
त्तिरंग। मनकुकामभरगबधनकों। कादत्तबानन
षंग।।९।।करपीछैकंचुकीसकनि। कामिनीकस
छोरंत। मनकुकोमश्रजहकों। धनुषबानजोरंत।
।।१०।।श्रालिंगनचुंबनपरस। मरदननषरददांन।
श्रधरपांनसोंजांनियो। बहिरतसात्तसुजांन।।११।।
श्रंकनरतसकुचीप्रिया। चाहत्तचित्तैचकोर। द
रवाललवगराइके। लालमालत्तिहिवोर।।१२।।मा
लगुलाबकलीनकी। पहरैबोत्तनवाल। नरतश्रं
कचटकीनही। श्रटकनइनटसाल।।१३।।षर
हरतीकंपत्तिनटत्ति। मुषपियरीपरजात्ति। कर
फटकत्तित्तनगतिमुरात्ति। श्रोहरत्तिपगतिपरा
त्ति।।१४।।प्रथमसमागमकोतिया। जुरहनसनमु

षषेत। हारिमानहाहाकरत। अबलाएहीदेत॥१५॥
संकुचसुरतआरंननहीं। बिछुरीलाजलजाय। टरकि
हारहुरिहिगनई। हीगि।हीगिगजाइ॥१६॥ घनपाटी
अतिउनई। बीजदसनदरसंत। बिंबपरतिरतिका
मिनी। श्रमजलकनबरसंत॥१७॥ हीबोदेवोलति
हसति। प्रौढबिलासअप्रोह। त्योंत्यौचलतनपियन
यन। छकालछकीकीवोट॥१८॥ पस्योजोरबिपरीतिर
ति। सुरतरतारनधीर। करतकुलाहलकिंकनी। ग
१ ह्योमौनमंजीर॥१९॥ तियहियजोनगकनककुच
लटतअनंगअपार। ताकारनपियपीठपर। पाय
लकरतपुकार॥२०॥ नूपरपायननाजहीं। सातोसु
रनलजाय। त्योंरतिपतिकीकोमिनी। वाजैजुगल
० वजाय॥२१॥ सुंदरिकेरतिप्रीतितै। अधरजषंडनकी
न। सुधापांनकरिसेषपर। कंतछापमानोकीन॥२
२॥ षंकेअधरदरपनलषति। चाहिलई तियसीक
मुषकंदनमैजनजरति। रहीचुनीज्यौंपीक॥२३॥
अधरचापिचुंबनकीयो। छाकदीएछबिहोति। ज्यौं
गुललीनेपांनसौ। जिभ्यातिगतिअतिजोति॥२४॥

कंनकपत्रकपोलकर।रदछदसोहतबाल।मांनकु
छापसुहागकी।मनमथदइगुपाल।२५।करजलगेवि
बउरजपर।सोनाग्रनुरनाय।मांनकुकोंमकमांनक
रमुकवित्तगिरिजाय।२६।पतिसोंअतिरतिमांनिमन
सत्पकरेआनंद।अंचरमधिमुषयोंलसें।ज्योंबदलीमेंचंद।२७।लषिरअषियनअधषुलनि।अंगमोरअंगरा
य।अधिकउविलेटतिलटकि।आरसमोरिजंनाय।
।२८।नीविनीविडविबेचिकु।पियप्यारीपरनात।दोउ
नीदनरेषरे।लागिगरेगिरिजात।२९।रंगीसुरंगरंग
पियहियो।लगीजगीसबराति।पैंडपैंडपगठठकि
के।अंडनरीअंडाति।३०।पीयसमीपतेउठिचलि।
सुरतसमेंमिलिमेंन।पलकेउघरेंनांहिनें।रीझैंत्ती
जेनेंन।३१।डगपरस्तरतेडगमगे।सबैसगबगे
गात।सुषदेबेकोसुरतिकरि।असेंघरकोंजात।३
१।इतिसंजोगहावसंपूर्णं।।८।।अथअनभाव
लिष्यते।।दोहा।।सुरंगमहावरसोतिपग।निरष
रहीअनषाय।पियअंगुरीलालीलषी।षरीउठिल
गीलाय।।१।।इविहितकरिप्रीतमलयो।कीयोसु

सोंतिसिंगार। अपनैकरमो तिनगुह्यो। नयोहराह
रहार॥३॥सोरठा॥ तियकियकाजरनैंन। सौति
देषिकाजरगई। नइसैंनसोसैंन। सषीसैंनबरिच
रिपरी॥३॥दोहा॥ अंषिनतीतरआपनी। कोटेस
कूंपचास। सुनिसषियहदुषकौंसहै। सज्जनसोंति
हिपास॥४॥इतिअनषनावरूसंपूर्ण॥१८॥अथमो
नन्नावलिष्यते॥दोहा॥ पियसोरिसकरिकेतिया।
कौरेनककुसिंगार। सषीमनायसबैरही। उतरदेत
नन्नारि॥१॥ पतिसोंअरिअतिमांनकरि। बैठीनोंह
चढाय। जेतीकहिएहितकथा। तेतीयहसतराय
॥२॥ होतोपैआइसषी। उबिदाबिदुकेकूल। हाहु
हसिदेषोफरत्ति। कोंनन्नातिकेफूल॥३॥ चंदच
ल्पोघरआंपनै। जातिजोन्हकीजाति। काहेगरब
गवाइए। सरदसमैकीराति॥४॥ चालिसुधारिमेरे
कहे। मगमदबेदीभाल। लषेइहैलषिहैपिया।
वहैचंदइहिलाल॥५॥ मोपअथायनतेउठेगौ
रजछाइगेल। बलिअलिअनिसारिका। नली

सजोवैसेल॥६॥रहीशेकिक्योंङ्कस्चलि।अधिक
रातिपधारि।हरततापसवद्योंसको।उरलगिजार
बयारि॥७॥वेगहेउमदादाऊउत।जलननबुकेबडवा
गि।जाहीसोंलाग्यो हियौ।ताहीकेहियलागि॥८
मोहितेरासोरीकिहे।उऊकिफोकिडकवार।रूप
रिफावनहारए।वेनैनारिकवार॥९॥सोहेङ्कचा
ल्योंनते।कितीदिवाइसोंह।अैहेक्योंबेवीकिए।
अैडीबैडीनोह॥१०॥अमिअनवीरूविके।गहेजि
निकीजेति।मानसमेअैसीकहा।मानसमेछबिहे
ति॥११॥तोपरवारोउरबसी।सुनियततसुघरसुजान
तूप्रीतमकेउरबसी।हेउरबसीसमान॥१२॥रस
कीरिसकीरसिकको।तरीसबैसुहाय।तातेसी
रनीरसो।जैसेआगिबुझाइ॥१३॥तूतोरसमेरसि
ककों।रिसकुनिपटसुहाय।ज्योंसरबतनीबूद
ए।तेकोंबरनेजाइ।अधिकस्वादसरसाय॥१४॥
रसउत्तमधुरससीलए।तेक्योंबरनेजाइ।तेरी
चातकरेरिए।मिसरीलोंसरसाय॥१५॥काहेको

३२

नैकायसुनि।काहेकूंसतरातिबातनिमेंइतरात्ति
तु।इत्तेजात्तहेराति।१८।तोरसराच्योञ्योनबस।क
हेकूटिलमत्तिकूर।जीननिबोरीक्योलगे।वोरीचा
षिओगरा॥१९॥मोहीसोंसत्तरात्तहे।जोनदेहरद्द,
जोंम।हाथपकरिकैसोंपिहे।कोमीकैकरकोम
॥१७॥इतिद्रूतिकाबचननायकप्रत्ते॥दोहा॥रू
षीकेतिरछीनिजरि।कियेतनैंनीनेंह।करफ
टकतिलनगतिमुरति।करतिकरोरनसोंह॥१९॥
बत्तराएबोलत्तनही।चितवनिंनाहीओर।करि
नौहेंतिरछीत्तरकि।बेगतिहैमुहमोरि॥२०॥रूप
सलिलनहिथाहकछु।मोनघाटरहीजोय।तु
वदरसनदसत्तकबिनं।उत्तरनपावेकोय।२१।
मनमिलवत्तिमोसोंनही।मांनदिषावत्तिनारि
नेहचीकनेदेषिए।रूषेकछुउनिहारि।२२।जद
पिनांहिनांहीनही।बदनलगीजकजाय।ता
उनोंहहसिहसिनरी।हांसीहीवहराय।२३।के
सेहूनहिमांनत्ती।कीनेजतनकरोर।नागन

हीचहूंदिसउठे।सघनगगनघनघोर।२४।नैंनश्र
वनमनझुरिमिले।रहीअंगसंनारि।रूपनेहे
रीएकहे।सबैमनभावनहारि।२५।सबजांनेमो
नेसुने।फुवेऊजुरिसाय।ऐसोमांनसहाथते।क
हौंकहांलौजाय॥२६।चलोचलेहीछुटिहै।मतो
मतोजिनआंन।रह्योरावरीसोंहहो।चावकत्तो
हनिमांन।२७।अनरसझूरसपाइश्र।रसिकरसी
लापासि।जैसेसावकीकविन।गावेहोतमिवास।
२८।श्रोडेपरिहैषलते।बुरीनातिहैवाल।वासी
रिसनबसाइए।हांसीहोइनलाल।२९।सुनो
लालवाबालकी।तुमछिनजइजुरीति।अरूझ
रिझैहैजांनिके।डिगजलसीचतप्रीति॥३०।
होमतमुषकरिकांमना।तुमहिमिलनकोला
ल।ज्वालमुषीसीजरतलषि।लगनिअगनिकी
बाल।३१।जोबाकेतनकीदसा।देष्योचाहतआ
प।तोबलिनेकबिलोकिए।चलिऔचककचुप
चाप।३२।हरदीकोरंगजरदहे।चूनेकोरंगसेत
मिलेबिनाकोजांनिये।लालनमनकोहेत।३३।

रहीलटूसैघेरहे।लषिवहबालअनूप।कितौमिग
सदईदयो।इतैसलौनैरूप।३४।निकौउनजुटीक
री।हरषिजुहीतुमलाल।उरतैबासछुट्यौनही।
बासछुटैक्रूमाल।३५।छिनकछबीलेलालउ
ह।जोलगनहिबतराइ।उषमयूषपियूषकी।
जोलौनषनजाय।३६।जिहिरकुंजेनपगधरै।
सुनकुरिसिकसिरमोर।तादिनतैनिसदिनत्र
मर।भ्रमररहततिहिवौर।३७।क्योंहीसहबात
नलगो।थाकेनेदउपाय।हवडिटगटवेन्हई।ली
जैसुरगलगाय।३८।वाकोमनकादौकुतौ।हौ
हैत्याइतीन।बोलतहीतुमबिषन्नयो।निपट
पातरीजीन।३९।मननमनावतकोकरै।देत
रूठायरुचाय।कोतिगलागोसो।पिय।रिसफु
रिकवतिफाय॥४०॥इतिकाबाक्यसंपूर्ण॥अथ
सखीबचननायकप्रतै॥दोहा॥मानकियोजिहि
कंतसों।बचनकपटजियलाय।सुनरीतिहपीय।
आपनो।सोतिहिदीयोमनाय॥१॥अतिगतिकेजि
हिमाननी।कीक्रोमाननिवाह।तिहिआंसूजलछिइर.

रक्किके। सोत्तिहिंदीनोनांह॥२॥जाकेरहिरदेस्
मे। सहिएसबकछुचाहि। निसदिनताको चितबसै
कोनेहतरिसश्राहि॥३॥कोटिकुटिलिताछमिकै।
प्रभनेमप्रतिपाल। टेटीनोहेतेकरी। सखकेगयेला
ल॥४॥जंत्रमंत्रटोनाटमन। एजिनसीपरुकोय। म
नलेनायककोचलै। ज्योंश्रापुहिबसहोय॥५॥से
वाकरेजुकंतकी। कंततिसहीकाहोय। रूपरंगरा
चेनही। पीउप्रेमबसहोइ॥६॥जोबप्रीतित्तोगर्बका
गर्बत्तोकहांसनेह। श्रापाछीजनपरहसन। कोन
सयांनपएह॥७॥कुटंपकोपतजिरंगरली। करति
जुवतिजगजोय। पावसबातनग्रहयह। बूंटनरूरं
गहोय॥८॥दयोसुसीसचढायले। श्ररीकरेजिनटे
र। जापैसुषचाहतिलीये। नकेदुषहिनफेर॥९॥बे
रीबहकनबोलिए। रहीयेमनकीगोय। तासोंकछु
कहिएनही। जोपियप्यारीहोइ॥१०॥करोमांनश्रब
मांनसों। बढेनेहसोगेरू। उनतुमकोदुहालिषे। दु
होउतरदेहु॥११॥मैबरजीकैबारतूं। इतकित्तले
तकरोट। पंषुरीचुनेगुलानकी। परिहेगातषरोंट।

॥१३॥ तुमबिनआजनरेसबिन। मनकोमारतमारि। कहियोकोउदेतहै। मतवारेतरवारि॥१३॥ गाढेगाढे कुचनबिलि। कोपियहियठहराय। उकसौंहेहीतो हिएदइसबेउकसाइ॥१४॥ ताराइनचितेगेनइ। चं दनयेघुरसांन। बालातोपरगटनइ। कामसवारतबां न॥१५॥ उग्योससिपूरनकला। करतकोंनचितचेत। मनकुमदनछितिपालकों। छांहगीरछबिदेत॥१६॥ इ तिसखीबचननायकप्रते॥ ॥ अथसखीबचननायक प्रति॥ दोहा॥ बिरहतुम्हारोअतिबिकल। प्यारेप्यारी नारि। मरिरजावतफिरिउठत। चोपरिकीसीसारि॥१॥ जोप्रतुतुमआएनहीं। बेगिकुंजनमेसांझ। तोसारू बुजछिरकहै। वाकेअंसुवनमांझ॥२॥ नारिनबोढा नाइका। बारिबालुकान्याइ। सरसाएरसउपजे। कवि नएरसजाय॥३॥ योप्रबीनचितचाहिए। मुग्धाकोन रतार। स्पाहसमकोरिसतजे। जैसीमीरसिकार॥४॥ योदलिमलियतनिरदइ। दइकुसमसोंगात। करधरि देखोधरधरा। उरकोअजूंनजात॥५॥ जेचाहतचटकन घटे। मैलोहोहिनमित। रजराजसनछुवाइए। नेहची

कनैनित्त ॥२२॥ मोरमुकटबरपीतपट । उरबैजंती
माल । लालबालआएनिरषि । लोचनलीनबिसाल
॥२३॥ सषीबचननायकप्रतेसंपूर्ण ॥ इतिमाननाव
संपूर्ण: ॥२० ॥ अथरसतकेनावलिष्यते ॥ दोहा ॥ क
हांह्नतेमोसोंकहो । कतबिनकाजलजाय । गोयेदूर
तनसुरतसुष । कोएकरतउराव ॥१॥ कहाकोनके
सोकबे । अबेसुनतहोबात । काहेकोवलिकरतहो ।
सोहेरतसकात ॥२॥ बालकहालालीनई । लोयन
कोयनमांहि । लालतुम्हारेद्रिगनकी । परीद्रिगनिमें
उंहि ॥३॥ नषरेषासोहैनई । अलसोहैसबगात । मोहे
होतननैंनए । तुमसोहेकतषात ॥४॥ सहीरंगीलेरत
जगे । लगेपगेसउच्चेन । अलसोहैंसोहेकीए । कहोह
सोंहैनैंन ॥५॥ सांचीबातकिनकहो । करीमेंनमेंहमें
न । बससोहैकतकरतहो । रसवरसोहैनैंन ॥६॥ मो
हिकरतकतबावरी । केरदुरावदुरैन । कहेदेतरस
रीत्तिए । रंगनिचुरतसेनैंन ॥७॥ नरननरतसबजुग
कहत । छतविनकाजलजात । सोहैकीजेनैनजो । सां
चीसोहैबात ॥८॥ कपटसतरनोहैकरी । मुहअनबो

हैबैन।सहजहसोहैजानिके।सोहैकरतननैंन॥९॥
देषतनैंनकनावहै।चित्तवतनैंनहिंऔर।नैंनन
हीमेंपाइए।नैंननहीकोचोर॥१०॥पावकसोनैंननि
लग्यो।जावकदेष्योनाल।मुकरजोऊगेपलकेमें।
मुकरबिलोकोलाल॥११॥रतिजागेपागेअगट।अ
नुरागेरसलीन।थरकिरहेथहरातजिग।मनकु
चित्रकेमीन॥१२॥पलनपीकअंजनअधर।धरेम
हावरलाल।आजुमिलेसुभलीकरी।भलेबनेहो
लाल॥१३॥पलसोहैपगिपीकरंग।बलसोहैस
बबैंन।बलसोहैकतकेजियत।एअलसोहैनैंन
॥१४॥काजरकुंकुंमपीकनब।अरुननैंनअलस
त।अगटदेषियतगातमें।नेहनएहीबात॥१५॥
तुरतसुरतकैसेंदुरत।मुरतनैंनजुरिनीव।खो
डीगुनरावरे।कहैकनोडीडीव॥१६॥बातेंतुमहम
सोंकरत।नांवऔरकोलेत।रतवारनैंनामतो।
मतवारकहिंदेत॥१७॥लालनलहिपाएदुरो।
चोरीसोकरनैंन।सीसचंदहएकहत्तहो।अगटपु
कारनैंन॥१८॥कहोंआंनतेआंनकछु।नचरत

नितिअतिलेत। औरेघातुमचलतहो। औरेघाजिग
देत॥१९॥ह्यानचलैबलिरावरी।चतुराइकीचाल।
सनषहीएषिनरटपत।काहेकूंवेलाल॥२०॥कंतबि
नकाजलजातयत।चतुराइकीचाल।कहेदेतए
रावरे।सबगुनबिनगुनमाल॥२१॥सषियासोंसषि
कहतहे।रीउपद्योरहियेंन।औन्योंमोरिमतंगम
नु।मारिगिलोलनमैंन॥२२॥वैसीएजानीपरत।
रूपउजारेमांहि।मगनैंनीलपटीहिए।बेनीउ
पटीबांहि॥२३॥बिधुबदनीगासोंकहत।मैंसमझी
यहबात।नैननलिनपीयरा।न्याइनिरषिनैजा
त॥२४॥बिधुबदनीमोसोंकहत।कतउपजावत
दाह।मैंननलिनफूलेंजहां।बिबदनीकैजांह
॥२५॥वाहीनिसतेंनांमिट्यो।मनहुकलहकोमू
ल।नलेपधारेपाऊने।कैगुडहलकेफूल॥२६॥
रहेचकितचहुघांचितैं।चितमेलैमति।भूल
सुरउदैआएरही।द्रिगनिसांझसीफूल॥२७॥
औगुनअंगनितदेषियत।दइसांकेसबना
षि।नीचेनीचेकरमसब।ऊंचीऊंचीआंषि॥२८

पछिमगुनसबमेटिकै। उतरमोकोंदीन। पूरबप्रीति
बिसारितुम। दछिनछिनछिनलीन।२९। रससीषोपिय
इषत्ते। वहत्तोरसकीषांनि। जहांगा चित्तहांरसनही।
यहेरसकजियजांनि।३०। देष्योचाहतहोंतुम्हे। ज
हांजोरतबात। कैसेलागतहोंह्मंगो। ऐसेमुकुलल
चात।३१। चितवतबचननहरतहग। लालनद्रि
गवरजोर। सावधानकेबटपरा। हेजागतकेचोर
३२। साहजांनिहरितुमहिसो। बांध्योहोहमचित्त।
नैननिमेअहडादयो। चोरिलीयाचितवित्त।३३। क
हांजोहोकहतहो। सनमुषरूषेबेंन। दितरचोहेचि
तकहे। नेहनिचोहेनैंन।३४। लालतुम्हारीदेषिये।
सबकाह्मसोप्रीति। जाहांडारीयतहांबढे। भ्रमरबे
लिकीरीति।३५। जिनआंषिनपहलेमिले। कहाकी
एवेनैंन। पलपलप्रीतिबढायके। अबलागेदुषदेंन
३६। सजनह्मतातेनही। उनचितउनहीनाथ। आ
माचाल्यामगजेपो। चढेअपूगबाय।३७। कान्हरपा
बसकेसमे। गह्योकोकिलामोंन। अबअधिकारी
दादुरा। हमकोपूछेकोंन।३८। होतोहिरीझीप्रांन

हो। तुमनहिरीझतमोहि। तुमहुकाहूरीझीए। सो मतिरीझेमोहि ॥३९॥ बरषतबादलसबनपर। कवि नहिएनहिनेह। गिरसुतबेलिनउगवै। कहाअवरु नमेह ॥४०॥ इतिसखीनायकप्रतै ॥ अरुननैनलीएपी तपट। दयोनीलपटनांषि। पीरमुइकबतैकह्यो। इष नआईआंषि ॥४१॥ औरैगतिऔरैबचन। नयोबदनछ बिओर। दोसकतेपियचितचढी। कहेचढोहेत्योर ॥ ॥४२॥ तजदुरावतिहेसषी। मनमोहनकोहेत। चितवनि मेचितपाइए। आंषैसीषेदेत ॥४३॥ लाजगरबआरस उमग। भरेनैनमुसिकात। रातिरमीरतिदेतकहि। औ रेप्रभाप्रभाति ॥४४॥ नटनसीसमाबितभई। लुटीसुष नकीमोट। चुपरहिएचारीकरत। सारीपरीसलोट। ॥४५॥ मांनतमोकोक्योंनहीं। छईछबीलीछांह। प्रेमप्र गटभयोहेसषी। आनाआंषिनमांहि ॥४६॥ सरसनकहीं क्रसनयननमे। मंदवाचच्चितचाव। जोतोसोंफबीकह्यो सोदिनपियबिनुजाय ॥४७॥ जाहीजाहीअंगकौं। होदे षेचित्तलाय। एरीताहीअंगको। वहेदेषिमुसिकाय। ॥४८॥ सकुचसहतबातनलगी। आननफेरतनांहिनै

नाएचितचोरज्यों। निरषिरफिरिजोहि।४९। रूपोमझौ
छुटीलगो। लटेलटपटेबैन। तैरएचहचरकरे। नेह
चहचहेनैन।५०। कोरिजतनकीनेतऊ। नागरनेहदु
रैन। कहेदेतचितचीकने। नईरुषाईनेंन।५१। परकी
दिगकततरपियत। सोचितसुनगसुबेष। इहरदछेद
छबिदेतश्रति। सदरदछदकीरेष।।५२। एकेकतरू
षीपरति। सगबगरहीसनेह। मनमोहनछबिप्रगट
की। कहेकहानीदेह।५३। लषिलोनेलोयनिकें। स
षीकहतहेंश्राज। कोंनगरीबनिवाजिबो। कतफ्ल्लो
रतिराज।।५४। फिरिरदोरतदेषिए। निचलेनेंकर
हेन। एककजरारेकोंनपर। करतकजाकीनेंन।५५। सं
मनिनोंइकमांनकसि। तिलकनालधरिनाल। मानों
काहूमारिहे। मदनश्राजकेकाल।५६। उंचेचितेस
राहियत। गिरहकबूतरलेत। लेफलकततद्रगमुल
कतबदन। तनपुलिकितकिहिहेत।५७। करसमे
टिकुचतुजउलटि। पायेसीसपटटारि। काकोमन
बांधेनयह। जूराबंधनहारि।।५८।। श्रथनाइकानाइ
कउक्ति।।दोहा।। पहरिबिनगुनमालपर। मोतिनमा

लरसाल। अरुनअरुनआवत लषे। जानिलए तक
ल।५८। आएआपुन्नलीकरी। मेटनमानमरोर। इरि
करोवहदेषिहे। छलाछरुनियाछोर।६०। अंजनपी
कअस्वेदकन। नेषत्रिबेनीपाय। नरपतिहोमनग्र
ली। मतिसमुकितकेजाय।६१। केसरिरकुसमके। रहे
अंगलपटाय। लगेजांनितनबुली। कतबालतिअन
षाय।६२। जोतियतुमजियसांवती। राषीयेबेसाय।
मोहिककावतिडिगनिके। वहेककत्तिहेआय।।६३।।
निकसिरकोउनकहूं। दुरिदुरिवेवत्तिबाल। चोथिस्च
दसीहोनई। तुमघरिरनंदलाल।६४।। दिनकुमित
वतनतपनि। जांनिपस्योरसछेह। नेहकरतहोअव
निसों। जेठमासकोमेह।६५। घोरेहीगुनरीकते। वि
सराइवहमांनि। तुमककाकुमनोनये। आजकालि
केदांनि।६६। कतसंकुचतनिधरक फिरे। रतियोबे
रितुमैंन। कहाकरोजोजाइए। लगेलगोहैनैन।६७।
बालनिचितवनिहसनिमें। बदलिपरेअंगअंग। प्रग
टनएअबरावरे। कोनबिलावेसंग।६८। पलनिपी
ककाकितफिरत। फिरतफिरतबकुजोर। लषियो

कछुजानतनहीं।मोरनंदकिसोर॥४॥कहाबैठि
छारेरहे।अपनेघरकिनजाऊ।नेकचितैबेकोकछु
लग्योलालगुननाह॥५॥काहेमीतसुहावनै।कोहु
षदीयोमोहि।बुत्तोमाहीमेऊतौ।पीरनआइतोहि।
॥६॥लल किलाललोयननए।सुनैनाहकेबोल
यरसकेमिसकोंहुरे।हांसीनएकपोल॥७॥अनतब
सेनिसकीरिसन।उरवररही बिसेषि॥तउलाजआ
इऊकति।अरुलाजेहैदेषि॥८॥नएबटाउनेहतजि
बादिकरतबेकाज।अबबलिदेतउरांहनो।उरउप
जावतलाज॥९॥हितचित्तबादेयापरसपर।रसन
रिपरसेपाइ।हसिनाइकनबलैकहि।रहेगरेलपटा
य॥१०॥इतिरसतर्कभावसंप्रर्ण॥२॥अथबिछुर
नमबलिष्यते॥दोहा॥पियकोगवनजुतियसुन्यो
नइसकलगतिहीन।मनऊआतकोचंद्रमां।सरउ
देनयोदीन॥१॥पियप्यारीसोंहसिकह्यो।हमचलि
हेप्रभाति।नेनलिएनरिसिथलगति।नइसुनत
हीबात॥२॥सुषदेहुषकितदेतहो।कहतगवनकी
बात।लगतनैननीचटपटी।नेककऊजोजांत॥

३॥ अजहुं न आये सहज रंग। बिरह दुबरे गात। अब
ही कहा चलाइए। ललन चलन की बात॥४॥ जेठ
दुपहरी अति तपै। घर कित छाह तजाहु। छांहो नां क
ति छाहको। नजैहु रे तन मांहि॥५॥ दादुर मोर पपीह
रा। परवाह घन पौंन। औसे सांवन के समै। कबहुं न की
नें गौंन॥६॥ घन आवन छावन घटा। पिक गांवन अ
ति पौंन। हरन सांवन के समैं। मन नां चन त जिगौंन।
॥७॥ रहि है चंचल प्रान यह। कहि कौंन इअगोट। ल
लन चलन की चित धरी। कलप न पन की ओट॥८॥
आज सबी सुष सां त मिलि। काल्हि तर सिहैं जीय। को
जानै किहि गति मिले। होत बिदेसी पीय॥९॥ काल्हि
जुपी तम चलहिंगे। यहै कहत सब कोय। बिधना औ
सी रास्य करि। कबहू प्रात न होय॥१०॥ श्रवन सुनत
हिय गहनयो। गवन करत है आज। नैंन कलस धै न
रि लिये। पिय हि बिंदावन काज॥११॥ अरबराय पि
य गवन सुनि। अरु न बरु न चद्र नीच। मांन ठु नै
न उदासघ्है। बसन लगे है कीच॥१२॥ दरन आसुवा
लाजते। रहै नैंन नरि नीर। जैसे कातीवारसो। उफ

ज्यों गिरै न बीर ॥१४॥ [ink blot]लचलन सुनि पल न मैं । अं
सुवा वा फल के ओइ । ज्यों न लषै को इसषी । फूठे ह्न
सुजंन्नाय ॥१५॥ पां निपल कक्कु सब रुनिका । जल
अंस रूजमें न । पिय बिछुरत ही नीद को । लेय तसं
कलपनै न ॥१६॥ प्रिय चलते तिय रुदन किय । अंज
न टस्यो लषाय । ज्यों लाला के फूल पर । नव रबै बि
लटकाय ॥१७॥ गवंन समै अंचरा ह्यो । छोम न कह्यो
सुजांन । पेम पियारे प्रथम कहि । अंतर तजो कि प्रां
न ॥१८॥ ऐसे चलन न देऊंगी । मांनो प्रेम प्रगांन । अं
चरत बही छा फिहौ । बदिहौं अवधि निदांन ॥१९॥ प्या
री अवधि छिन मांगिए । अवधि बीते दुष होय । यह बि
छुरन जानै कियो । मिलन करै गोसाय ॥२०॥ कामा
ना मानो मिनी । कहि बोलो प्रांनेस । प्यारी कहत सि
स्यात नहि । पावस चलत बिदेस ॥२१॥ मो मन मंन
सा यह उठी । निमुष न छाम्मो पाय । बिछुरन अंक
जु विधि लिषे । ताकौं कहा बसाय ॥२२॥ सजन चलहु
तो सिद्धि करि । रहौ तहिए समाय । जीन कहै सत ष
मकरी । यो क्यों कहौ कि जाव ॥२३॥ जा दिस को तुम

चलतहो। सिद्धिकोरिजफलहोंहि। हमतेंन्यारे जिन
करो। अपनेमनकोमोह॥२४॥ पीयचलततियहस
तिहै। बिनवतिजोरैहाथ। प्रांननिकोआधारहै। चल
ततुम्हारेसाथ॥२५॥ पियबिछुरतजोतियजीय। तिय
बिछुरतजोपीय। जांनतहोंयहहेकहा। पलटिपर
तहैजीय॥२६॥ इतिबिछुरनस्तावसंपूर्णं॥२२॥ अ
थनायकाबिरहनावलिष्यते॥ दोहा॥ चाहनरीअ
तिरसभरी। बिरहभरीसबबात। कोरिसंदेसेदुहुन
के। चलेपोरिलेजात॥१॥ जादिनतेंपियगवनकिय
पोरिपधारेपाय। पिछवारेतेंबिरहरा। धारेबैगेआय
॥२॥ हरिबिछुरतजियजांनिके। हियापहारधरकि
जेवसरोवरधरिनज्यो। गयोतरकितरकि॥३॥ पि
यनचतअंजनरह्यो। पियबिजोगजबकीन। मोंन
ऊकरतमैंनकों। बिरहसुतधरिलीन॥४॥ असुव
टरतकजरगिरत। तियपरपरतलकीर। कांमरा
जकरचतबिरह। षेंचनचहेसरीर॥५॥ बालमबि
छुरतसुनिसषी। सुषिबुषिरहीनमृलि। मगनैनींमु
षचंदयो। गईचकोरीभूलि॥६॥ करकैमीजतकुस

मलौ।गई बिरहकु मिलाय।सदासमी पनिसषिनहूं।
नीविपिछानीजाय॥७॥अवलोकतमाजकिरही।अ
सुवटरतअसराल।मनुमुकताहलतेगिरत्रिस।पोषत
मानमराल॥८॥पियबियोगतेबिरहनी।नैंननिआ
संधार।मनकुचढावतिसंनुकों।पूजतिमुकताहार
॥९॥सजनबिछुरनबिरहदुष।सहीजातनहिपीर
मोमनयोतलफतरहे।ज्यौंमृगलागेतीर॥१०॥प्री
तमचलेजुहेसषी।फिरिचितवौनहिऔरि।बिनजा
राकीआगिज्यों।गयेसिलगतीछोरि॥११॥बाजेबहु
तकिबाजहे।मोमनकछुनसुहाय।वहमोहनकीबां
सुरी।नैंकनचित्ततेजाय॥१२॥वहलीलावहकुंजब
न।वहजमुनातटचोर।एकपियारेकान्हबिण।लजे
औरकीओर॥१३॥वहदिनवहछिनवहघरी।वहरंग
वहसंगपीय।वहचाहतवहहिमिलन।कबहुंन
बिछुरतजीय॥१४॥रीफिरबिसरतिफिरे।प्रफुलि
तकेमनमांहि।तेरबनअबस्यामबिन।देषेनावत
नांहि॥१५॥हरिबिछुरतकुंजनमही।लगीबिरहकी
लाय।द्रुमजलिबलिकेलानई।द्रुमकचोरहरि

याय।।१६।। सुनेकुंजहरि बिनसषी। गोपीमगनीकार
बषिकजहीसरमारिहे। षेलतबदनसिंगार।।१७।।
हमबनितासुरझीलता।। तुमकहोध्यानरूनेमु।।
कोउलहैजलजोगते। जेदाषीहरिपेमु।।१८।। ज
हीबेलिअरजातिपर। नमरकरतहेगुरु। अबसुधि
आवतहेसषी। बृंदाबनकेकुंज।।१९।। गइग्रीषमब
रिषासुरति। सरदासिसिरहेमंत। मकरधुजभुज
नीरलै। आपतकंतबसंत।।२०।। जोबनवंतबसंत
रिति। प्रांनपियारेदूर। रलीनपूजेजीयकी। मरुबि
सूरिबिसूरि।।२१।। सुषग्रीषमपावसनयन। हियनी
तरिजरुनोय। पियबिछुरेतनतीनरित। कबकुन
मिटतजमाल।।२२।। मारीमरूनपेमकी। हुंढततफिरो
तबीब। जिहतनबेदनबिरहकी। तक्योजीवेहबी
ब।।२३।। बूझनगइतबीबकों। मेंदुषकोहियारोय। वे
दुषदाषेयोंकहे। यहदुषदूरिनहोइ।।२४।। होजानो
होहीजरी। प्रेमपियारेलागि। घरघरयहेजुरावती।
तनमनयहेजुआगि।।२५।। तंनमंत्रवोषदकछूगद
लागतनहितहि। तातनबेदनबिरहकी। मूइक
राहिकराहि।।२६।। सोरठा।। मेंलषिन्यारीग्यान। करि

राष्यो निरधार यह । वह इरोग निदान । वहै बैद
वोषद वहै ॥२६॥ दोहा ॥ कोइसषी गुद्यायकी । मिह
रिहमारी लेय । निसदिन परी पुकार री । दरद हि
दारु देय ॥२७॥ बेगि बुलाव रूपी वक्र । पकरि टटो
रे बांह । मूरष लोकन जानही । करक करेजा मां
हि ॥२८॥ जाऊ बेद घर आपुने । मेरी पीर न लेऊ । हो
इ षदाधी बिरह की । तका दारु देऊ ॥२९॥ बिरह अ
गनि के कारनै । कितेक कीये उपाय । बालम आइ
बुझाइहै । केयह तें नजरि जाय ॥३१॥ अनहि मि
ले डीतम चले । औरन कछु उपाय । बिछुरे की ब
दन सबी । मिटै मिलै ही जाय ॥३२॥ बार बार कह्यो बा
वरी । तन कपीर न हितो हि । जरी जात हौं जो न्हमै ।
ले परछांही मोहि ॥३३॥ होही बोरी बिरह बसि । के जे
रो सब गांव । कहा जान एक हतहे । ससि हि सीतक
र नांव ॥३४॥ अरधरैनि ससि उगयो । जो कीयो तम
नंग । उलटी नाग निसेषत नि । मसी वियोग नि अंग ॥
३५॥ बालम चले बिदेस को । निसा निहारि ति षां
ति । कौ कटिहै सिव द्यास यह । सरस सरद की रा
ति ॥३६॥ जो इह अैसो इसमै । जहा सुबद दुषदेत । चे

तचांदकीचांदिनी। मारत किराअचेत। ३७। सुरत
अंतपीतमचले। करजुलग्योहियनारि। जोलैमरी
जोक्रमे। गइचांदनीमारि। ३८। जातसरीबिछुरतप
री। जलसकरीकीरीति छिनछिनहोतषरीषरी। अ
रीजुरीयहप्रीति। ३९। तनसरवरमेंनमंछली। परी
बिरहकेजाल। तलफिरजियराददहे। क्योंकरिमि
लौंजंमाल। ४०। जानसुगमराषनकठिन। प्रांन बि
रहबसिएह। लालवसनसंगआसबिन। ज्योंघन
सारकदेह। ४१। मोमनकदलीपुत्रज्यों। अरुतोबि
नसंदेह। लालरहे हिरदैसदा। तातेतजीनदेह।
४२। जबतेपीतमबीछुरे। तनमनलगेतीर। सांबी
झरिझरिनैंपरी। गांसीरहीसरीर। ४३। संमनबां
नजुबिरहको। नेदिरहेसबदेह। मुवेजुपीछेका
हिहै। बांनिरकैषेह। ४४। सषीकटारीबिरहकी।
टूटिरहीहियमांहि। सजनचूकनबिबिछुरे। ते
पइयतकछूनांहि। ४५। जितीकलिमेकठिनता।
तितीकरोइकगेर। आंषिनऔझलनावतो। या
तेकठिननओर। ४६। अंदेसोनहिनजसी। संदे
सोकहियाद। मिटिहैहरिआयेसषी। केहरिपा

सिगयांह।४७।पियदरसन चिनदेह तहे।लोचन
लालसुरंग।सबतन दावानलदहे।षप्परहोअंग
अंग।।४८।यातनका दिवलाकरूं।बात्तीकरूंजजीव
लोहीसी चूंतेलज्यों।सुषदेषनकौंपीव।।४९।पीयबि
नदीयानवारिहैं।मोअ प्रियारेसुष्य।करिउजिय
रोहेसषी।वाकोदेषोंमुष।।५०।जोइू ऐसीजानती।
प्रीतिदुहेली होइ।देसदुहाइफेरती।प्रीतिकरौजि
नकोइ।५१।जबसुधिआवत्तमित्तकी।बिरहउवत्त
तनजागि।ज्योंचूनेकीकांकरी।जबछिरकेतब
आगि।५२।तुवसनेहतनचूननो।जस्योबिरहष
तिबार।नारिसिरावत्तिनैनजल।उठतअधिकत
नझार।।५३।चोवाचंदनकुंमकुमां।कहालगावे
अंग।सुधिबुधिसजनीसबगइ।पियप्यारेकेसंग
।।५४।चंदनचंपकचंदरस।चंदचुसोतनजाय।वा
रकआलीअंगस्यों।आगपोटेषिलगाय।५५।कोरि
यतनकोउकरौ।तनकीतपत्तिनजाय।जौलोंनी
जेचीरसम।रहेपीयलपटाय।५६।ओधारसीसी
सषिन।बिरहबरनिजलजात।बिचहीसकिग
लाबगो।छीटेछुइनगात।५७।याकेउरऔरेकछू

लगीबिरहकीलाय।अजलैनीरगुलाबकै।पीयकी
बाततबुझाई।५७।पलनिप्रगटबरुनीनबढ़ै।नहि
कपोलठहरात।अंसुवापरिछतियांछिनकु।छन
छनायछबिजात।५८।सेयोसरसउसीरग्रह।सीत
लतातकिधाम।याबिरहनिअंगन्याचसो।वहत
पतयोंस्रमांम।।६०।।नातियकेतनतापकी।कहेंक
हालगबात।ताकीपियसबीयोलिषत।करकाग
रपरजात।।६१।।जरतीबरतीहोंफिरौं।जलहरदे
रीजाउ।मोदेषतजलहरजरै।जरतीकहासमाउ।
।६२।।सीतकालजलमधितें।निकसतबाफसुना
य।मांनहुकोइबिरहनी।अबहीगरअन्हाइ।६३।
पियबिदेससन्देसनचन।उससिस।सतियलेत।
मूरतिआवतध्यांनचढि।उठिउठिआदररदेत।।६४।।
इतआवतबलिजातउत।चलीछसातकहाथ।
चढीहिंडोरेसेरहै।लगीउसासनिसाथ।६५।क
ह्योचहतिकुनिकहतनहि।रहतफ्ररतपियना
य।मोहनमूरतिजाइतें।कहतनिकसिजिय
जाय।६६।होजानोंपियमिलनतें।बिरहअधि
कसुषहोय।मिलतेमिलिएकसो।बिछुरेस

रवगसोइ।९७। तौलौसजनदूरिहै। जौलौ नैनऊ दिव
बिछुरैतैयहगुननयो। हिरदामांहिपयव।९८। कीयो
करेजाकोथरी। पियमूरतिकीफोरि। सासमईसीवतर
हे। मनबैरागीमोर।९९। जोगनिकेसबयुगफिरी। क
मरिबांधिमगछाल। बिछुरेसजनमांमिलै। कारन
कौनजमाल।१००। केतेमठमंडपत्रमी। मोहंनमिटै
नजाम। हमोतनकैमिसिफिरी। सीसपटकततोम
।१०१। कौनसुनेकासौंकहौ। जितउपजतसियबात
मेरेमरअंतरसखी। करवतआवतजात।१०२। मेजा
न्योंयहफारिहै। पियहिचलतअकुलाइ। अबहि
यराअहरनिभयो। सहेबिरहघनघाय।१०३। कठि
नकरेजेकंठके। तबकिनगयोतरकि। पियबिछु
रतफटोनही। रह्योफरकिफरकि।१०४। जागतसो
वतसपनबसि। रसरिसचैनकुचैन। सुरतस्यामघ
नकीसुरति। बिछुरेऊबिसरैंन।१०५। प्रीतमबि
छुरतरैनिदिन। सूरतिरहतिहजूरि। भगतिसनं
केनीरज्यों। अंबियनआगेदुरि।१०६। सरबतसीसी
रीलगी। पीयतजिन्हेंदचलागि। तिकौहमहिहरि

सुकिहै।बरतबिरहकीआगि।७९।जबतैतनतजि
मनगयो।फिरयोनरहीफिराय।अबऔसोहैकोस
षी।तनमनपैलेजाय।७९।बिरहसकतिलकेस
की।कीएरहीनरपूरि।कोलाबैह नवैतज्यो।स
जनसजीवनमूरि।७९।बिरहाजुरतनेमेबसे।र
कतमांसनितषाय।मित्रबेदमोकबमिलै।दरस
पंथदेआय।८०।केअनुमनगतित्तनदहै।केतन
पंषलगाय।कैपैमैकेसबयुहमिकरि।मितमिल
नकेचाय।८१।साहासूरतिमितकी।चढीरहैनित
चित्त।कहाकरोंतनननो।मिलै।मनमिलिआवत
नित।८२।चाहतिहोज्योउमिमिलों।मनमोहन
कोंआय।कहाकरोंतनपरनही।परबिनउमयो
नजाय।८३।हाहापंषनउलहे।चितसंगनदऊ
मित्र।चित्तहीनेंनालगहीं।नेनानएनचित।८४।
मोहनमूरतिमितकी।जोहनकेबसिलीन।सोंह
निकेहिरदेचढी।मनकी।किरचेकीन।८५।सो
रठा।लीनोपेमबिसाह।जियरादीनामोलकै।ला
गनयोकारहेनाहि।हाहाहोबुकसबी।८६।दोहा।

सीचतअंसुवनिहरितऊव।बिरहबागहियमां
ऊ।फिकरफूलसहमततहां।होतरहैदिनसांऊ
॥८७॥दिनरकरदहैदेहकों।फूलतचंपासांऊ।बि
नप्यारेनारेगनै।तारेसारनमांऊ।८८।लालन
बसतनदागिगो।बिरहआगिबैराग।तिलनरि
योरकहूंनही।देतदागपरदाग।८९।साहकठि
नअतिबिरहऊर।परसीजिनहसरीर।निहचे
सूख्याहिमसरस।सहिनसकीपियपीर।९०।सांप
नसीचाटीलहरि।केघाइनगमूरि।मषतैबैननउ
चेरै।नैनरहेजलपूर।९१।जिहिहोनसीनवंगके।
सोबालमकिहसंग।आपुनकारकेरहे।मोबिष
लगोअनंग।९२।नयोसिंगारअंगारसम।तिलति
लदाकतदेह।नसिंगोकारेनागज्यों।नोजकरंती
नेह।९३।चूरीफारोपिलंगसो।चोलीलाउआगि
जिनकारनमेपहरिया।नासुतीगललागि।९४।
बिरदहीतनकैरही।बहीप्रेमकीप्रीति।नोलय
टेबांनीचहे।सोनेकेसीरीत्ति।९५।नेहदसामेहीक
री।वारीबिरहबुझैन।सदनजरेघरकेदिया।दो

सकाहिदेहोजेन।९८।बिरहअथाहसमुद्रजलकै
वटनाहिनएक।बिरहमिल्योजोजीवती।आदि
नहोंतीटेक।९७।नीरन्नरनसरहोंगइ।तरत्तर
गअरदास।कैबिरहीकेबावरे।दीरघलेतउसा
स।९८।जिनहुअतिनपाइया।पियनगगहरे
पेठि।होबुरीबूडनमरी।रहीकिनारैबैसि।९९।
रेनायरसजिपेमको।धस्योकरमसंजोग।कोन
पदारथकरचहे।मिलनकिपीयबियोग।।१००।
दीहाओहीजाहिग।अवधिबिचारतआस।मा
रगजोवत्तदिनगिनत्त।नितप्रतिलेतउसास।
।।११।बेगिमिलहुकिनबलहा।अवधिरहीहै
सेष।गनतगनतहीघसिगई।अंगुरियाकीरे
ख।१२।रह्योअचिअंतनलहै।अवधिदुसासनबी
र।आलीबाढत्तबिरहज्यों।पंचालीकोचीर।१३।
अवधिबीतीजोबनबते।मिहरकरोमनमांहि।
जियकीजियमेरहतिहै।ज्योवकूपकीछांह।१४।
जियराजाहनिकसके।भेदीनोसुकलाय।ज
बमोहिमेरोपियमिले।तबत्तमिलिएआय।।१५।

जिनदेसहिसजननबसे। कागततहांउमिजाऊ। ले
धूधणरीपासरी। पियदेषेसुषाऊ॥६॥ मेंमनदी
नोग्रापनों। सषीकहतिहोतोहि। पलकपरेन
पीयविन। बिरहअथादहेमोहि॥७॥ निसानें
नएनेहकी। रहीहमारेहाथ। सुदरीदेमोमनल
यो। प्रीतमग्रपनेसाथ॥८॥ मंदिरसूनोंउजारि
सों। सेरूसपंघकेघात। सषीसजनकेबिछुरे। घ
रिरषवारेजात॥९॥ बारीबारीबिरहकी। बारी
जातिसुकाति। बिथरीरेतीजातिजो। दिषैरती
जाति॥१०॥ पहलेपेमनबुझिया। सषीसमीप
सुषसथ। ग्रबजानेजियबापरो। पस्योबिरहके
हथ॥११॥ पहलेपेमचषाइया। सुकेनिरासीग्रा
य। पीछेतनमनहथले। गयेचमकालाय॥१२॥
सोरठा॥ मेरोमनघरवात। सोमेंप्रीतमकोंदयो॥
ऊबीजीहूंझूबात। मनषोयोलालनगयो॥१३॥
दोहा॥ जोसंग्रहेंतोतनदहे। तजोंतोप्रेमहिल
ज। नहछछूंदरिसांपकी। नवलबिरहपियबा
ज॥१४॥ जबतेपियनेहोंतजी। मेंहूतजेछबोल

हसनंघानाघेलना। काजरतिलकतमोर॥१५॥जो अबकैमोहनमिलै। लैहोकंठलगाय। नवतनघ टजलयोरज्यो। सबअंगरह्योसमाय॥१६॥बात कहौतोपीयकी। सुनोतोपियकीबात। औरबा तसबबातहे। पीयकीबातसुबात॥१७॥सुरतिकर तमुरझातमन। वैसुखवैरतिरंग। बहुरिनफिरि आवैकबहु। गएसुसजनसंग॥१८॥बिरहतेज तनमेतपै। अंगसबैअकुलाय। घरसूनोजियपी यमें। मोत्तिहुंदिफिरिजाय॥१९॥करीबिरहअनीत उगैलनछांडतनीच। दीनेहूचसमाचषनि। चांदे लहेननीच॥२०॥कहोकहालगिबिरहकी। केअ येढिगओर। महारातिसीलगतिअति। जेवहुपहरी जोर॥२१॥सीरेजतनससिररितु। सहिबिरहनित नताप। बसिबेकोग्रीषमदिननि। परयोपरोसनि पाप॥२२॥सीतलताकीबातसुनि। कंपहोतसब गात। माहनिसाउरलायबो। चंदनतोहिसुहात॥ ॥२३॥बिरहनिकोजारतनिजल। करतवारविरं ग। तकहाजानेतनतपनि। रैनिरहअनंग॥२४

सोरठा॥ मै जियराषोहाथ। यहैबातसंमझाइकै। प
ठयोहैमनसाथ। कबहुंतौलौआयहै॥२५॥दोहा॥
सारोसुकसुरकोकिला। दादुरमोरदुहंत। ब्रिछकु
समफूलेफले। अजहूनआएकंत।२६॥पावसआगम
घनघुमरि। बिरहनिअतिमनत्रास। मानहुबेगककाै
मकी। झारतगिलमफरास।२७॥धुरवाहोहिनअलि
उठे। धूमधरनिचहुकोद। जारतआवतजगतकों।
पावसपरमपयोद।२८॥बिरहजरीलषिजिगननिक
ह्योजुउहिकेवार। अरीआवतजिभीतरी। बरसत
आजअंगार॥२९॥मोरसोरघनघोरअति। जोरबिर
हकीआंच। बिनदयालदुषदेतहै। अमरसरमरसर
पांच।३०॥चरनबरनघनतरुनतरु। हरतिसुरति
अतिचोर। मोरसोरपियबिनसषी। मारतमैनमरोर
॥३१॥मोरसोरनिससुंदरी। षरीझरीसुनिनाहि। क
हूबिरहनिपरमनौं। मैनपसोरतबांहि।३२॥कौं
नसुनैकासोंकहौ। सुरतिबिसारीनाह। चबाव
दीजीयलेतहै। एबदराबदराह।३३॥घटतघट
ततंनघटरही। रहीसुपियमननाहि। तनकजु

सासजुघरमैंरह्यो।घटाघटावतिताहि॥३४॥स्यांम
बिनाश्यांमाकैहे।स्यांमघटादुषदानि।स्यांमबिना
नीदनपरै।स्यांमसिलावोआंनि॥३५॥दुषसावन
घनउनयो।हयोहयनसुऊ।गरजोसिगरदेसपर
बरसैमाथैसुऊ॥३६॥सोरठा॥यआयेघनस्यांम।य
हकाहूसुंदरिकही।यासुनिहसीबांम।देषतदुषदु
नैंनयो॥३७॥दोहा॥जांनिएकलीबिरहनी।गरजि
कहतहैबैंन।चपलाचमकतिनादिनैं।करतस्यांम
घनसैंन॥३८॥तनतावनगावनपिकी।घनछावन
दिनरैंन।मनभावनआवननहीं।सावनफेरहेनैंन
॥३९॥घनपाटीदामिनदसन।कोकिलबैंनसुनाय।
पियबिनतनआवनभयो।नैंनरहेऊरझाय॥४०॥
घनगरजेदसहूंदिसा।आंनितुहरिनैंन।बगबग
पंषीपुहमिपर।सबनसचारेगेह॥४१॥रातिदरिसा
वर।घोरैघनधावंत।हरीभोमअैसेसमै।कैसपाउ
कंत॥४२॥नियनबलीधरतीनदी।सावनसबचेत
न।बेगिमिलऊबिनबलमा।बिरहबियाप्योतन
॥४३॥सोरठा॥करोंतोलाजेनेह।पथिकबिथा

केसैकहूं। बरसतकहियोमेह। औरसबैवैजांनिहै। ४४॥दोहा॥ अहोचंदसुषकंदतुम। जातआहिउनटदेस॥ द्वारावती नंदनंदसों। कहियोवलिसंदेह॥४५॥ नातोहुषअतिऔंनं। कहियोचंदगोमंदसों। घनअरुतियकेनैंन। होऊनबरषततेरंनिदिन॥४६॥दोहा॥ पीयपियकैरपपीहरा। दाधेउपरलौंन। पीयमोराहोंपीयकी। तूपीयकैरेसकोंन॥४७॥ जबहीपीयापियरटै। गहतकरेजासोय। कोटिकटारीयोलगो। पीरनऐसीहोइ॥४७॥ तनककहुलैअवनसुनि। उवीदेहदोलागि। मांनहुबेरनिबेगाइ। चचैअयग्रहिआगि॥४८॥ बुंदपरीबसुधालषी। वहिकिउ तीसोंवार। पावसजरिएक्यों नही। पांनीमांफअंगार॥५०॥सोरठा॥ करियकुउरूपउदार। सुंदरनंदकुमारसों। असकसकीनीकार। हास्नारतेरुसियो॥दोहा॥ सबैकहतियहऔसहै। एरीवोसनहोय। मोबिरहनिकोदेषिदुष। रैनिगरहोंरोय॥५२॥ वैबेगकवेसेजदुष। वैमुषचुंबनपीव। वैगरलागनिवेहसनि

नहिंबिसरतहैजीव।५३।बालारैनीबिरहकी।मन
मथदइचढाय।रंगरगतनैनंनाचुवै।चितरंगोपिय
आय।५४।लोह्नलाहनितनचढी।बिरहअगनिक
सिजीव।इनद्वैनैंननिमदचुवै।श्रवनसुनीजोपी
व।५५।नाचीज्यौंहियरातपै।मदज्यौंचुवैनैंन।कौंन
परवसपरिरहे।लागेउत्तरदैंन।५६।निसदिनतंन
तनफतरहै।रैसजननजियजांनि।हमतुमआफोबी
फबन।कोनमिलावैआंनि।।५७।पीतमतेरेदरस
बिन।मोमनधरैअधीर।कहाकहौंकरतारसौं।द
इजुऐसीपीर।५८।पीतमनवरवियोगकी।सुनि
लीजौयहबात।सुषतोपीरोकैगयौ।स्पोमनयो
सबगात।५९।सजनइकदिनवैऊत्ते।विचनस
मातोहार।बावबिरहकीवहिगई।अबबिचपरे
पहार।६०।तुमसोबिछुरनकीकथा।कहनेपाई
नांहि।बालमबातैपेमकी।बऊतरहीमनमांहि
६१।नैंनकलसत्रिगढीतुजा।सिवकुकजलह
रहिय।कोटिबूंदनितपरतहै।तुंमदरसनकों
पीव।६२।जबसमरौंतुवनामकौं।नगरसुनै

५८

अधिरैन। हियसमुद्रतेआनिमनु। मुकताबारत नैन॥६३॥ सजन तुमगुनबेलिकै। पसरीमोउरमां हिं। नेहनीरसोनितबढै। कबहूंसकैनांहिं॥६४॥ आंनरहै घटआयचो। ज्यों जबअंकूरतोय। अन आंवन तुमपवनअति। झरपिरहे पियसोय॥६५॥ वसनगोरतुमकोरची। बिधनामोजिगमांहिं। अई यानागअंकूरते। छुयोसकतनहिंछांह॥६६॥ आ वपियारेसजना। आंवनराही बार॥ नहितोनै नगवायहो। पंथनिहारिनिहारि॥६७॥ सजनतै रेदरसको। चूकपरतनहिंमोहिं। जागतसोव तस्वप्नमे। छिननहिंबिसरूंतोहिं॥६८॥ प्रीतम तेरोहितकहा। तुहीकपटकेनैस। रहिबेको मेरोहियो। बसिबेकोपरदेस॥६९॥ नेनानीद नजीवसुष। जबहिनदेषोंतुझ। नांचमिलेन मैंसुषी। याहीबेदनमुझ॥७०॥ सारिमरतजुगतें बिछुरि। कावहूकेतनपीर। प्रीतमकेप्यारे नयो। धरतप्रांनक्योंधीर॥७१॥ पियबिनतीय जीयतरही। सहीसदीयहबंस। बिरहअगनि

नि० दि० वि० ... (margin, partly illegible)

५८

परिजरिगई।यातेउम्योनहेस॥७२॥रिगफरकत्त
तहांदेतत्रिन।कहिंसमनकि हियोग।मांनकुसकु
नतिसोहद्दे।बुऊतबधूबियोग॥७३॥प्रीतमकोपा
तीलिषन।अबहीबैचीआय।करपरसत्तिकागर
जरति।अवलोकित्तगरिजाय॥७४॥संगनचलिजी
वतरही।कहिएकहाजनाय।बारबारपातीयवे
बातालेषेबनाय॥७५॥पातीसाहिपवाइए।जोप्री
तमपरदेस।निसदिनहिरदैमेबसे।ताकोकहा
संदेस॥७६॥पातीलिषतजुबिरहकी।वालकेगई
लाल।लिषेआपकोआपुही।प्यारीजोगिरसा
ल॥७७॥प्रीतमकोपतियालिषी।लिषतलिषीन
रताव।तामेंऔरकछुनही।केहाहाकेआव॥७८॥
प्रीतमपातीतोलिषी।ताकछुअंतरहोय।यहम
तुमजियएकहे।देषनकोंतनदोय॥७९॥लेष
नकीछतियाफटी।कागलधोलीछत्त।अछिरक
रकेगए।लिषतबिरहकीबात॥८०॥कागलन
हीकेमसिनही।केमननहीजुहेत।कैपेमैपथि
कनचलत।पियकिनपातीदेत॥८१॥कागदपर

लिषतनननैनै।कहतसंदेसलजात।कहतस
बत्तेरहिया।मेरेहियकीबात।।८२।।करकंपत
लेषनिगहत्त।अंगअंगअकुलाय।सुधिआये
छातीजरे।पातीलिषीनजाय।।८३।।नरफुरसी।
ऊपरगरी।कजरजरछिरकाय।पियपाती।बि
नहीलषी।बाची।बिरहबलाय।।८४।।रंगरातीरा
तीहिए।प्रीतमलिषीबनाय।पातीकातीबिर
हकी।छातीरहीलगाय।।८५।।पियबिनतियत
लफतिरुत्ती।बिरहअगनिकीआंच।छिनक
मांहिसारीनई।छातीपातीबांचि।।८६।।करलैचू
मिचढायसिर।उरलगायभुजभेटि।लेपातिपि
यकीलिषत।बांचतिधरतिसमेटि।।८७।।बिर
हबिप्रसोंबोरहों।बेगेसोंहदिवाय।सजनध
एबिननांउंगे।रहीउगायउगाय।।८८।।बुकति
अतिआतुरनई।कांमकारकूंनतो।हिअज
रुबाकीबिरहकी।कितीकनरनीमोहि।।८
९।।बाकीबिरहबियोगकी।जोपूछतिहैमो
हि।जबलगपियपरदेसमें।तबलगनरनी

तो हि ॥ ६० ॥ इति नायका बिरह भावसंपूर्णं ॥ २२
॥ नैंन बिरह भाव लिष्यते ॥ दोहा ॥ आठपहर
साठघरी । जे सोवै ते ओर । नैंन न मे मोहन बसै । नही
नीदकी गोर ॥ १ ॥ नींद देषि जल पूरइगि । ज्यलथि
पुठी जाति । या ते आवत नाहिनें । श्रवन ते जु प्रभात
॥ २ ॥ चितै चमक उदास मन । नीद गइ तन छीन । भ
॥ ३ ॥ ज
दन सदन नावै नही । पन नैंन नि यह कीन ॥ ३ ॥ ज
गन समुझै मन रहै । श्रवन जीन्न रस बैंन । बिछुरत
दिन दुषदहत है । नीकै जानत नैंन ॥ ४ ॥ श्रवन
सुषी रसना सुषी । सुनत उचरत बैंन । प्रीतम के
देषै बिना । दुषी हात है नैंन ॥ ५ ॥ श्रवन सुनत है
सुजस सुनि । रसना रहत जपि सुष्य । अरु बराय
फुटहि नयन । देषन को पिय सुष्य ॥ ६ ॥ पलक न
मन धन ध्यान धरि । बरुनी जटा बनाय । नैंन दि
गंबर ह्वै रहे । रूप बिभूति लगाय ॥ ७ ॥ पलक न
सन दरस न आसन । नही निसा सुष चैन । मन
मोहन प्यारे बिना । भए दिगंबर नैंन ॥ ८ ॥ नैं
न हमारे रहत घरि । घरी न धीर घराय । बिन

पियारेआपनो। नरिआवेंटरिजाय॥८१॥ हरि
विनजलजबतेपरे। तबतेछिनबिसरेंन। नरत
करतबुकुततरत। रहतघरीलोनेंन॥९०॥ अहम
दपच्योनपेमरस। नैंननिलगीहलक। ज्योमत्त
वारोमदपिये। छरदिकरतअरबूक॥९१॥ ज्योज्यो
नैंनउलीचिए। करिपलनकीनीर। त्योंत्यों तूटी
नावज्यों। नरिनरिआवतनीर॥९२॥ नाचंताके
बीखेरे। स्कोसकलसरीर। वारोंएनैंनासषी। न
रिनरिस्पावतनीर॥९३॥ बांनपानमनावेंनहीं। कह
जनआवेंबेंन। मनआवनमोहनविनां। नएऊ
रुकरीनेंन॥९४॥ लोचनषंजनदरसकों। उऊतेम
[illegible]केसाथ। जेनहिनीजतअंसुवजल। पलकपं
षकेनाथ॥९५॥ सोरठा॥ सोबिजुरीमनमेह। औ
नियहेबिरहाधस्यो। आवेंजामअछेह। दिगजो
वंतबरसतरहत॥९६॥ दोहा॥ कागहिआंनेपक
रिके। नैंनादेऊलषाय। मसनैंरनसोकिनकहें
पेमबिसाहनजाय॥९७॥ आहितोहिकबदेषिहे
जाहिरह्योमनलाय। यननैंननिकोनेमहे। उ

नबिनरह्यौनजाय॥१७॥तनमनतलफतरहत
हे।कहेजातनहिबेंन।बिनदेषेमहबूबकों।नए
जहमतीनेंन॥१८॥नेंनउदासीचितरहे।बिनदेषे
नहिचेंन।प्रीतमप्यारेजबमिलें।तबसुषपावेंनें
न॥१९॥सरबसरीरससराइया।नेंनाहरनिसिराहि।
एदुषदाधेजनमके।तिन्सोंतिसकहांहि॥२०॥मन
हीमनदुषसहतहे।कहतबनतनहिबेंन।राति
दिनारोवतरहे।तसकरतियज्योंनेंन॥२१॥इतिनें
नबिरहनावसंपूर्णं॥२२॥अथनायकबिरहनाव
लिष्यते॥दोहा॥कहुंमुरलीकहुंचंद्रिका।कहुंस
षिबुधिकहूंलाज।आजसषीब्रजराजकों।जीति
गयोरतिराज॥१॥तपतितेजतपतातजति।अ
तुलतुलाइमाह।ससिरसीतकोंकहूंनघटे।बिन
लपटेत्रियनाह॥२॥अनलअप्रबदेषिए।काम
निकेउरआहि।दूरदरसतमनदहे।निकटनए
सुषताहि॥३॥रहनसकीतिहुंलोकमे।ससिर
सीतकेत्रास।नाजिगरमगहदवेनई।त्रियकुचअ
चलमेंवास॥४॥केगिरकेतरफेसहर।केसरितामें

तान। कोउकोसकरारबिन। कौंनमिलावैबाल ॥२०॥ एककलाहरसिरधरत। तनबिषजंरनजरात। चंदमुषीचितमैबसत। तातेमननजरात॥ ॥२१॥ सेजउजरीकुसमछबि। औरउजरीरात। एकउजरीनारिबिन। सबैउजरेजात॥२२॥ रहिनसकौंकसिकरिरहौं। सबकरलीनोंमार। नेदहुसारकियोहियो। तनदुतिमैंदैसार॥२३॥ चंदमुषीचितचोरियो। दिनकरदुषदेमोहि। जबनिसतारादेषिए। तबनिसताराहोहि॥२४॥ फिरिघरकौंनूतनपथिक। चल्योचकितचितलागि। फूल्योदेषिपलासबन। समुहीसमुझिदवागि॥१०

॥इतिनायकबिरहनावसंपूर्णं॥२५॥ अथसाधारणिबिरहनावलिष्यते॥ दोहा॥ बिरहआगनिनैंनादही। कहिनगांवहीगांव। वहैबचौतोजरिमरो। जरैबचौवहिजांउ॥१॥ मननमेराषोमननजरे। कहोतमुषजरिजाय। अहमदबातनुबिरहकी। कहिनपरीदहूनाय॥२॥ बिरहआगनिबिपरीतिगति। कहैनजानैकोय।

दुरिजरादेहीजरै। नीरैसीरीहोय॥३॥ जो नित १
देषेचाहिये। तेनैंननतेदूर। असनेहीअननांव
तै। रहेनिकटपरपूरि॥४॥ अननांवतनियरा १
बसे। नांवताघरदेस। इनदेषेउनदरसबिन। दै
दुषबहुतगनेस॥५॥ चाहतेपाउनहीं। पाउते
नसुहाय॥ मोमनअनलीपंषज्यौं। नहीबिलंबन
गाय॥६॥ जहांइकलोमनजातहै। तहांहीलोत
नजाय॥ तोयापापीबिरहके। बसिकैमरेबलाय
॥१॥ सोरठा॥ सजनपीरककपूरि। नैंननकीबेदन
हरै। तनककरकटीकूर। सूरउगावेआं बिमै॥७॥
दोहा॥ बिरहआगनिजासोंजरी॥ ताहीसोंबूझंत।
ज्यौंध्वजदेवलपवनबसि। उरझैअरुसुरझंत॥१॥
प्रीतिकरीसुषलहनकौं। सोसुषगयोहिराय। जे
सेछिदरछिसुंदरी। पकरिसापपछिताय॥२॥ प्रीति
कीरीतिअनीतिहै। यहदेषोसबकोय। सुषदीपक
कैसेंबरे। बिरहनागजहांहोय॥३॥ बिरहाउत
सोस्यगते। कीयोपुहमिघरगोन। अनजानैप्र
छतफिरे। संमनकाघरकोंन॥४॥ छीकतरोव

तरतजुग। आवंनयो अकथ। संमनअसगुनकैल
चे। परेबिरहकेहथ॥३॥ यहतनतोलंकानयो। म
ननयोरांवनराय। बिरहरूपहनमतनयो। देतल
गायलगाय॥४॥ तनमनजोबनजारिकै। नसमक
रीसबदेह। संमनऐसाबिरहरा। अजहुंढंढोरत
बेह॥५॥ रकतमांससबनषिगयो। नैंकनकीनी
कांनि। अबबिरहाकूकरनयो। लागोहाङचबांनि
॥६॥ कोजानेपरबेदना। कासौंकहौंसुनाय। जाकी
संपतिगिरिगई। ताकोपूछौंजाय॥७॥ मनराजा
उरमहलमैं। मजलसबाततबिचित्र। देराष्यो छि
द्वारमुष॥ कोषोलैबिनमित्र॥८॥ सोरठा॥ ताला
जड़ियातांह। कूंचीतापासैरही। उघड़िसीआय पा
ह। कैजड़ियारहसीजेववा॥९॥ दोहा॥ पेमबि
थाकोसुनिसकै। सुनैतोकहिएकाहि। कूंजांनैहौं
जांनिहो। हौंहीजांनतआहि॥१०॥ औरजातषोये
कछु। ढुंढैलीजेपाइ। बिरहीमांनसअटपरो। ढुंढै
षोयोजाय॥११॥ बिरहाबौरायोचहै। गीतकबित्त
परसंग। कहिसंमनकौंउबेरे। बूङतगहेतरंग॥

२२। भैभंता तिन नाचरै। सा लै चित सनेह। वारज वाधै
बिरह कै झरि रह्या सिर षेह। २३। वाय न षन दुष निज
वनी। सुष सुष नांही मेल। आवै पहर अवटिए। ज्यौं
रकराही तेल। २४। जिना कछू न जांनिया। तिन्हा सु
ष बिहाय। हाय निगोडी सुरत की। लागी कोण बल
य। २५। आयो एक वियोगिया। करि जोगी को भेष।
कहत अलेषा मुषसों। नासै अंग अलेष। २६। बिर
हा भयो बिछावना। ओढत विपति बियोग। दुष सि
रानै पाइत्ते। क्यों न बन्यो संजोग। २७। चित उहां पिंज
रइहां। तन लगि रहै दुकूल। तेकौं जीवै बापुरे। बे
लि बिऊं नै फूल। २८। कहा करै मन बापुरो। दमो
पेम के भार। लंघ्यो परै न कै सहू। निस के पहर पह
र। २९। जुगए पल देषे विना। युग एमेरे जांनि। कारी
निसि नारी बली। दोउ बिधि कलप समांन। ३०। तल
फि सेज संकलप किय। तलफति राति बिहाति।
पलक न पल सों पल लगो। अलप कलप सम जांति ३
ऊसम धूरि धूसरि निसा। इंद उदै रस पौंन। जिहां
कोयल ऊह ऊह करै। बिरही जीवै कौंन। ३१। को

यलगुरजनमोरधुनि। दछिनपवनबहंत। सीतल
चंदतबोलरस। एबिरहीनसहंत।३४। पंजरपरत
अबअंगसब। चौवाचंदनलागि। बिधिगतिजब
बिपरीतितब। पांनीहोमैआगि।३५। औरअगनि
चेटतसुगम। मनरितबरसततोय। बिरहअग
निबिपरीतिगति। घनतेदुनीहोय।३६। संमनतं
बीपेमकी। रहीकरेजैलागि। लोहूदुदैनालहै। न
रिनरिआवतआगि।३७। लागेलंकाजरिबुझी।
मोतनअजहुआगि। चिनगीपरीजुपेमकी। उबे
सिलगिसिलगि।३८। प्रजरैआगि। बियोगकी। बदे
बिलोयननीर। आगैजामसियौरहै। उसोउसास
सरीर।३९। चितचकमकथतियांपथर। कामआ
निकफगात। नैननीरबरषतनही। तोतनजरि
वरिजात।४०। बाजीदाबिधिव्योंमरचि। एनछित्र
हीकीन। बिरहदगधआकासको। तातेफोरादीन
।४१। व्योमकराइकोबिरा। नछित्रफलघनपात
बिरहीजनकैचषनिमैं। चितवतिगमिरजात।
।४२। इकपरबसअरलाजअति। अलीनजन
सौंनेह। बिषमबिरहबिषधरडसै। तजैबने

अबदेह ॥४३॥ सोरठा ॥ हाड़गुझर गमांस । सोतो बिर
हाले गयो । हां भद्दर ह्यो झुसास । नाहीको सां सो पसो
॥४४॥ दोहा ॥ तनमन षायो बिरह ने । हाड़ गूहं रू अरु
मांस । रजनी अबको छुटिए । परी पेम की फांस ॥४५
बिरह बिथा अति कठिन तन । सुरमुनि सकैन नाषि
मंदिर मध्धे कूप बन । सो बोलत मन साषि ॥४६॥ प्रेम
प्रगट तन तै नयो । तन हिंदै तफिरि पीर । ज्यों लौ न्यो
नीत हि लगो । गति यह नइ गंनीर ॥४७॥ बिरह नवंग
मत नझ्यो । मंत्र न लागे कोय । पेम बियोगी नां जिवै
जिवै तो बहरा होइ ॥४८॥ गंनन बिरहा नीर निधि । मैं
नप्रगरति हिसंग । सुष जिहाज कैसे चले । जामै सुर
ततुरंग ॥४९॥ दाधी देह सनेह तै । पेमुष कही न जाय ।
वाली का रिस आगि ज्यों । नप्रगटै न बुझाय ॥५०॥
सोरठा ॥ बिरह सु काइ देह । नेह की ये अति मूहरू है
जैसे बरसे मेह । जरै जवासा जोगिया ॥५१॥ दोहा ॥
तउ अंच अब बिरह की । रह्यो पेम रस नीज । नैनन मैं
भाजलन है । दियो पसीजि पसीजि ॥५२॥ होत रहे
दिन दिन हस्यो । बिरवारी रहि नेह । यह अचिरज
जल नैनन कै । सींचै सकल देह ॥५३॥ आलस पेम बि

योगते। उठतअष्टपदीकार। मनलागोजियराज
रे। लाजहोतछरिछार। ५४। ताहीदिनतेषछिय।
ऊ। कहेपतोहोसांच। आगिहिलागेआगिसी। मेरेत
नकीआंच। ५५। सबरंगतांतिरबाबतन। बिरहब
जावतनित। औरनकोउसुनिसके। केसांइकेचित।
५६। पावककुंतेबिरहउर। दाहकदुसहबिसेषि। व
देदेहवाकेपरस। वाहिडिगनिनहिदेषि। ५७। वाबिन
याकोंचैननहि। याबिनवाहिअचैन। नांवहमिलेन
यहमिले। बेदनअषिकउसेन। ५८। बिकसतनवल
बलीकुसम। निकसतपरिमलपाय। परसपजारति
बिरहहिय। बरसरहेकीवाय। ५९। बिरहअगनित
नसूकिके। गएनैंनजलसूकि। अहमदआकोबुझि
हे। दयाहाथकरिफूकि। ६०। मनरंजककछातेतुप
क। बिरहपलीतालाल। आयअवाजनिकसतेही
जोजातीफूटिजमाल। ६१। बिरहबांनजितनेलग
हि। उषटमलनताहि। सकिसूकिमरिमरिजपे। उ
ठतकराहिकराहि। ६२। तिसजुलागीतिसकूं। ति
सबिनतिसनबुझाय। आंनमिलावोतिसकूं। ति

सदेषेतिसजाय॥६३॥समनसजनबीछुरे।हिग
बयवेसोग।नोऊरोवेरैनिदिन।कैसंग्रपेलोग॥६४
फूलेनहीपलासए।चतुरयहैयेजांनि।पातनबिछु
रेबिरहते।गातनग्रंकुरीग्रांनि॥६५॥दीनैहोइसो
पाइये।कहतेबेदपुरांन।मनदेपाइबेदनो।वाह
हमारेदांन॥६६॥ग्रटकरहतनैकनकह्रू।मनपी
परकोपात।योबनग्राधीकोधका।कह्रूकहूले
जात॥६७॥सोरठा॥मनहीमाबाफूल।समझायोस
मझेनही।मागेजाकोफूल।तामारीपातहिनही।
॥६८॥दोहा॥छिनबिछुरेते मिलनको।जीवेको
टिउपाय।जोमिलिएमतिबिछुरिए।दुहूंधकथकी
नजाय।६९।कमलकमोदनिमीनजल।तज्योस
रोवरपास।बिछुरतमितेसामलिय।फाटिकीयोहि
यत्तास॥७०॥निपटनिकटसंगमग्रगम।मुकरमां
हिज्योंछांह।नैंननग्रागेहीरहे।मिलैनचरिनरि
बाह॥७१॥सोरठा॥निसदिनराषोतोहि।मुकर
मांहिज्योंदेषिये।पेजियत्रिपतिनहोइ।ग्रंगग्रं
गपरस्योंचहे॥७२॥दोहा॥वासरचितनबीसरों

निसत्तरिदेषौंतोहि। जोनिजकरिन्तोलउ। तोसुपि
नंतरहोहि।७३। तेरोहसिबोबोलिबो। न्त्लतिनां
हीगोय। जहांजहांदेषोंनैनन्नरि। तहांतहांदेषौं
तोहि।७४। न्त्वमूरतिमोमनबसति। तोयहरह
त्तिसरीर। नहितोथोथोपिंजरो। रतीनबांधैधीर।
।७५। जीवतुम्हारासारका। रेतनलागेचुद्द। पांहन
लोह्नकेचले। जेरसनाउद्दुष।७६। आंषडियाफाव
रनरी। नौहैबांधीपाल। जीनडियाछालेपरे। तुफे
संचालिसंचालि।७७। अंषियासीतलहोतही। जाहि
निहारिनिहारि। ताहीसुमिरततनतपै। अचिरज
बिछुरेयारि।७८। सजनबिसारेहीचलै। सुमिर
तकरैबिहाल। देषोचतुरबिचारिकै। सांचीकहै
जंमाल।७९। तुमजिनजानैपेमगति। दुरिबसंतेवा
स। नैंनाहीअंतरपर्यो। प्रांनतुम्हारेपासि॥८०।
मनतोछौसोतुमलयो। सुषत्तजिगइयोगांव। अ
बतोहमपैंकछुनही। छुटितिहारोनांव॥८१॥
इतिसाषारणिबिरहन्नावसंपूर्णं॥२६॥ अथस्व
पनन्नावलिष्यते। दोहा॥ देषतजागतचैसोए

संकरलगीकपाट।कितमैआवतजातनजि।कोजा
नेकिहिबाट॥१॥फाटनपावतिपीवकों।स्वपिनैदे
षतसोइ।हियरोराचरमंहज्यों।बसैनउजरहोय॥
॥२॥सजनदीनाहैसषी।दरसनमरबससोइ।मोभ
ननैनकुपातज्यों।त्रिपतिनमागैतोय॥३॥जिगम्
दैपावैटरस।परसनकोउलसांति।करनपसारति
अंककों।तुजाहादिपरजाति॥४॥स्वपनंतरसजन
मिलै।होंजलगीगलधाइ।फरपतिपलानछाफिहो
मतिस्वपनोफैजाय॥५॥पलकलगेप्रीतमभमिलै।बि
ननरएकछहराय।स्वपनेकुअपनेनही।तिनसंकह
बसाय॥६॥स्वपनामैसजनमिलै।सुषपायोतिनसथ
जोजागोतोहैसषी।हैहेरहिगइहथ॥७॥स्वपनाहो
तोबारिहो।कियेसकरजाछेक।जबसोउतबपीउसे
ग।जबजागेतबऐक॥८॥स्वपनेपायाराजधन।की
नाभोगबिलास।जागतफ्रमफेगया।ताकीकैसी
आस॥९॥हैसिरहांनेगूदरी।सूतोएककंगाल।स्व
पनामैराजाभयो।जागेवहैहवाल॥१०॥जाटोपिय
नैननिबसे।मैजानोकैमैन।मैंनलगेजलनीरसों।

जगेनैनकेनैन॥१०॥इतिस्वपनन्नावसंपूर्ण॥२७॥
अथमिलनन्नावलिष्यते॥दोहा॥पातीपठइपीय
परम।आवनअवधिबिचारि।हीएसंषिबंधीमनौ
रह्यौसुबिरहबिचारि॥१॥उरफूलीफूलीबदन।
फूलीरितिबसंत।द्रुमफूलेफूलीलता।आवनन्नाए
जुकंत॥२॥गरजउठेघनकररिकै।बरकिउठेअ
तिमोर।फुरकिउठेदृगबांहहै।आवतनंदकिसो
र॥३॥वामबाहुफुरकततमिलै।जोहरिजीवनमू
रि।तौतोहीसौंभेटिहौं।राषिदाहिनीदूरि॥४॥वो
रठोरबनिताबनित।गरजघरीबनसाज।आज
सषीमैंयोसुन्यो।आवतहैब्रजराज॥५॥आवत
आवतसुनत।पलकलगतनहिचाइ।लोयन
ललनापांवडे।राषेललनबनाय॥६॥ग्रहग्रह
तेगोपीसबै।दौरीकिमैमंत।उरफूलीफूलीफि
रै।उसुनिआएहरिकंत॥७॥नैननविनतीय
हकरी।जोमेरीसुनिलेहु।प्रीतमआवतदेषिकै
पलककपाटनदेहु॥८॥लटकरलटकतउठ
त।उठतमुकरकीछांह।चटकनसौनटमि

लिगयो। अटकलटकबनमांह ॥१०॥ बिछुरेजी
एसंकोचयह। बोलतबनततननैंन। दोउदौरिल
गेहिए। कियेलजोंहैनैंन॥ ११॥ डिगमीचतमग
लोचनी। उलटिनसौंतुजनाथ। जानिगइतिय
नाथके। हाथपरतहीहाथ ॥१२॥ गरीअंधारीसांक
री। लटकेरोनयेओंनि। परेपिछानेपरसपर। दोउ
परसपिछांनि ॥१३॥ जिनकौस्वपनेदेषती। सोप्रत
क्षमिलियाआय। धनमैलीपीउजलां। करतील
गेनपाय ॥१३॥ मलिनदेहवेहीबसन। मलिनबिरहके
रूप। पियआएऔरेउगी। आननओरअनूप ॥१४॥
बहुतदिवसतेपियमिले। रहीजुकंठिलगाय। नीदन
आनैबीहती। मतिस्वपनोंकैजाय ॥१५॥ सोरठा ॥ ना
वताजबदिष्ष। मालीमनिआनंदनयो। मानकुसास
तुनष्ष। आइवेहअनारकी ॥१६॥ दोहा ॥ आएपीय
परदेसते। मिट्टीजरनजियजोर। बोलैकोंननिसंक
अब। घनदादुरपिकमोर ॥१७॥ दादुरचादुरमोरपिक
अवरगरहघनगाज। एहुजनसजनलए। जबआए
ब्रजराज ॥१८॥ पियहिमिलनसमरुदनकरि। अनर
ततियसुनबैंन। बिरहअगनिबुफतनइ। धूमलग्यो

20

हैनैंन॥१९॥सोरठा॥किमजुयहैद्रगनारि।ममत्रा
यौनायोनहीं।निरषतनैंननपषारि।मलिनरूतेतु
वदरसबिन॥२०॥दोहा॥तैंसिषदीनीमैंसुनी।मन
नरह्योमोहथ।हसिनेटीहोंचकिरही।बसिकीनी
मनमथ॥२१॥प्रीतमनेटेहेसषी।वहसुषकह्योन
जाइ।जोदुषपायोहोतवे।सोसबमेट्योआय॥२२॥
बलयापीकउगारसुष।नजतनइपीयपास म
रूयोबिरहसुहेपस्यो।लोरूप्पंजरमांस॥२३॥सेउसं
पतिपियमिलन।बिपतितोजदिनबियोग।संपति
बिपतिजुहमकही।श्रोरकहैकछुलोग॥२४॥इति
मिलनलतावसंपूर्ण॥२५॥अथमनप्रकृतिनाव लि
ष्यते॥दोहा॥गरजसरीमनकीप्रकृति।मैंरीगर
जमनऔर।उदेराजमनकीप्रकृति।रहत्तनएकैठौ
र॥१॥जांनअजाननहोतहे।मरषहोयअजांन।जो
बरसासौसीचिए।पलवैनहीपषांण॥२॥मैलो
होयनबिमलमन।कोटिकरैजोकोइ।छारपरसा
ज्योंआरसी।अधिकउजरीहोइ॥३॥संगतिसुमति
नपावही।परेकमतिजियधंध।राष्योमेलिकपूरमैं
हींगनहोइसुगंध॥४॥कारीकरयकपूरकीमेग

५७

मानरफुलेलर

मट किरचा बंधि। सरब घात करि सी चिए। लसण न
छाडत नांधि॥५॥ कहा नयो इक साथ ही। चतुर सुना
यन जांहि। फूल पात साथ हि रहै। पात बसा त्तें नांहि
॥६॥ नली बुरी जेसी परी। मन चा न न की जाय। अम
तपी विच कोर नित। बहो रि अंगार न षाय॥७॥ को
रि यतन को उ करो। परै सहज ही बीच। नल जल
बल उंचौ चढै। अंति नीच कौ नीच॥८॥ हीयो जहां
ते उचट्यो। बहुरि तहां न रहि जाय। धरो होय जो हेम
की। हारिल धरे न पाय॥९॥ मन नग मोल अमोल है।
तोर न जो सो जाय। मनी या नाही कीच को। कीजै अं
चल गाय॥१०॥ कंचन कुंभ लमुद्रिका। टूटा जुरत स
वेर। मनि मुकता अर सजना। फूटे मिलत न फेर॥११॥
उह उत्तरै फिरि मठै। उत्तरै चढै कबान। मन उत्तरै फि
रि नां चढै। ज्यों कुच उतरै जांन॥१२॥ दासी महा न त
चोर रस। जुवा सों चित लाय। एती न्यो रग ला गमन।
तन संक बहुन जाय॥१३॥ इति मन प्रकृति भाव सं
पूर्णं॥२८॥ अथ बबेक भाव लिष्यते॥ दोहा॥ नौरा
आवत दुरि तै। लिए कमल की बास। दादुर मीन न
जांन ही। रहै कंवल के पास॥१॥ इति बबेक भाव सं

॥ऐं॥३०॥अथसजनकावलिष्यते॥दोहा॥ बैरी रविसोंहितकरत। रहैअचतजिकोन। सादिदियेबोलै नही। आपनिवाजसजांनि॥१॥ जलनचिबोवेकाम्हूं कोहोकोनसीप्रीति। प्रांनगयाछंडैनही। सजनअप नीरीति॥२॥ मित्रहोतकलिमैंबहुत। अपनेंसबउनमां नि। संमनओगुननालहै। सोइसैंनसुजांन॥३॥ मित्र बराबरिसुषनही। तीनलोकमेंकोय। जैसोचाहैचौंप सों। जैवेसोचितहोइ॥४॥ सोसजननाहीउगनि। धुरि लगलेनिबहंत। गोगंफाबलमित्रही। बेगाहीबिहडंत ॥५॥ सजनछेनतोपयद्वै। जोत्रिणनीरेकोय। देवत दुजनसरपसम। षीरदियेबिषहोय॥६॥ दयालसज नछेटके। केसपासकेत्ताय। सुनैोअसजनषीचिके। दसनबीचहीजाय॥७॥ सुंदरतनचित्तअतिचतुर। राजत्तोमिसबपाय। मित्रनाहंजानैंनही। संमनसोनसु हाय॥८॥ प्रगटकरतकोतकतही। अपनेमनकोंने ह। तासोंदसगुनकहतहै। होतचतुरजोएह॥९॥ सं करनिसदिषकेजगे। करनहितजितबिहंग। एहीक्यों नाहीतजे। जेजातेइकरंग॥१०॥ बैरीहूकोंगुनकरे। बमेकरतरुतास। चूरेचीरेचंदनहि। चहनकरोत

हिबास ॥११॥ इखहेमउतमअगर। सहैआपतनत्रासबा
नीचहेचवगुनी। कसेकसेसिवदास ॥१२॥ चटकनछोरुत
प्रातह्न। सजननेहगंम्नीर। फीकोपरैनबरफटै। लग्यो
चोलरंगचीर ॥१३॥ सजनजनकंचनकलस। तोरिनिह
रियहाल। दुजनहितकुंम्नारघट। बिनसनजुरैगोपा
ल ॥१४॥ उतमयहैजुपारिषा। मनहिनआनैगंस। काग्रा
छोल्योछेदियो। मधुरेबाजेबंस ॥१५॥ सजनकौकछिउट
कहि। जदपिदीजेत्रास। उषदकोटिजरायये। तउन
मिटतमिगास ॥१६॥ नलोनतजतनलपनौ। जोदुषदी
जैत्रास। ज्योज्योधरियतअगनिपर। स्यांसोअगबिसुदा
स ॥१७॥ अबपरीयोपरिहरै। सजनसहजसुम्नाय। जेतछि
इसूइकरै। तेगुनघुरचतजाय ॥१८॥ मित्रहिदैगुनचा
हिए। होइकोटिदसदोस। प्रीतितोपांहनरेषसम। बी
जचमकारोस ॥१९॥ सजनएहोचाहिए। जेहातरवरजा
ल। नलनछिनपांनीपीवत। नाहिनकरतजमाल ॥२०॥
देवतसजनसीपसम। बस्तकछुनहिलेय। स्वांतिबूंदकौ
पांनकरि। सोनसमुद्रहिदेय ॥२१॥ सजनअैसाचाहिए। जे
हाअकादुध। अवगुनउपरिगुनकरै। सोसंमनकुलसुध
॥२२॥ अवगुनहोतनमितते। मितहिचितधरंत। केतकि

रसबसमधुपज्यों। कंटककुंद्धनगिणंत ॥२३॥ सजनरा
हाचाहिए। जेहापाणीरंग। सारीषासैं सारिषा। बरु
मिन्नासबरंग ॥२४॥ हाम्हसंगतैनासगा। सगपसनेहीहि
य। मादेंछैमहियलबले। यहैपटंतरजोय ॥२५॥ इ
तिसजनन्नावसंपूर्णं ॥२९॥ अथदुरजनन्नावलि
ष्यते ॥ दोहा ॥ गुनकीनेजानेनही। अवगुनसबेगहं
त। ... की कीर्तियह। कहतसयानेसंत ॥१॥
दुजनअौरबंबूलद्रुम। कंटककुटिलकुलोक। आ
पननिरफलऔनफल। रोकनजायअसोक ॥२॥
सतकेमनकीदुष्टता। देषतउपजतलाज। चोमउ
चेरतआपनों। आनबधावतकाज ॥४॥ बुरोबुराइ
नातजै। जौहवि लागेलोक। यनकौजोकलगाइके
दुधनपीवतअसोक ॥५॥ दुरजनबुरोभुवंगतै। जि
नअसोगपतियाय। कांनसौं लागतऔरकै। आनको
उमरिजाय ॥६॥ अहमदतजोअगारज्यों। बोछेका
संगसाथ। सीरोकरकरोकरे। तातोजारेहाथ ॥७॥
हां मिटहिरदेदुष्टके। नलीनमानेकोय। जैसेकोय
लाहूधते। धोएउजलनहोइ ॥८॥ बुरोसिष्यअरुसूव
टा। यहैपरीछ्यालोय। आपनसबेपगाइए। अंतनं

अपनाहोइ॥४॥आपसवारथलषकरै।जोंतिजोंतिकेप्यार।स्वारथसीझैवहनही।सोकहियेगौचार॥१०॥संमनअरहटस्वभावयह।ज्योंसुमित्रसोइछ।जबषालीतबसासुही।तबसूनरतवपिट॥११॥मरकचरकदिनचारिलों।दुर्जनमनकोंहेत।पूर्योचंदकसुसंगरंग।निकसतआवेसेत॥१२॥दुर्जनकोंकबिउदकहि।जदपिदीजेहेत।जेसैरंगकसुंभकौ।छिनकचटकपुनिसेत॥१३॥संमनदुर्जनकीमिलनें।केसककीरसाल।मिलतेहीमुषस्यामकिय।कहाजलेपुनिलाल॥१४॥दुरजनकोंदुरजनदहत।येसोबिरदबान।अधरनकोंअगिबांनकै।पांनकरावतपान॥१५॥

इतिदुरजनस्वावसंपूर्णं॥२॥अथकपटस्वावलिष्यते

दोहा॥सेउषीराकीमिलन।कहीबातकैचीन।कहाजयोउपरमिलै।जीतरफाकेतीन॥१॥छूंअंगुरीपहुंचागिलत।दिनतेअतहिदिषाय।बलिबांधनकोंजोतलषि।कोवलितुमहिपत्याय॥२॥बपरोबांयसहीनलो।तनमनएकहिरंग।मनमेलोतनउजलो।कपटीबुगलाअंग॥३॥पेपांनीउपरमिले।अंतरमिलैनहीर।कोमरालनीरहितजे।कोंगहिपीवेषीर॥४॥

कपटीकारीकोकिला।कपटकागयहिजाय।अेम
परायामारिकै।अपनाधरैबनाय॥५॥धवलरंगधीर
जधरैय।धीरजचालदयाल।ममममगपगयुगकहे।
बुगभगरूपरसाल॥६॥लोगनिकौफीकौलगै।क
पटकसनेलरंग।तनमनतेधनधामतें।नांतिनांति
मेंनंग॥७॥इतिकपटनावसंपूर्णं॥२३॥अथसचन्न
वलिष्यते॥दोहा॥भलीबुरीएकैगनै।कीनेकोटि
उपाय।प्रीतिरीतिजानैनही।चलेआपनैदाय॥१॥
आंखिनआसिकतानही।नहीश्रवणरससुधि।ना
[illegible]मनकैसेंमिलै।कहोसयानौंबुधि॥२॥प्रेमभेद
जानैनही।बिरहभारनहिलेत।तिनतैबनमगहीभ
ले।सुरपलटैसिरदेत॥३॥पहलेसमझैनही।फिर तो
पीछैपछिताय।बाहेपेडबंबूलके।आंबकहांसूंषाय
॥४॥जानीनहीनजीकतें।अंबकारहिफूलि।सैंबलउ
परघेसुवा।कीयोसुवानैभूलि॥५॥भलीबुरीसमुझैनही
गोअपनैंकीबात।कान्हरनाहीएकरस।सुनैपांचकीसा
त॥६॥इतिसवनावसंपूर्णं॥२४॥अथसिछानावलि
ष्यते॥दोहा॥समुझिहियेकीबातको।कतभ्रमलय

कोय। ताकौ कौन हि बूझिए। जो हिय अंदर होय॥११॥ सां
इसम रिम ढील करि। जां सम रै तां लाह। किणही ऊ ऊ के का
हिसी। ऊऊ ज्यो बगम ऊ जाह॥१२॥ जिनाक मो को नही। गुण ते
कम्म विसारि। मति सर मंदा थी पवे। रवाणे दरबार॥१३॥ ज
मला जासो प्रीति करि। जो जुग आछे पास। नां वह मरे न वि
छुरै। नां तू होय निरास॥१४॥ सोरठा॥ जासों कीजे नेह। तवै
का चैसूत जेपो। अहमद बरूजे गेह। से वाही संसो नही।
१५॥ दोहा॥ बरू घर जनम मे कहा नयो। बक्को नागम गनाहि
जैसे फूल उजारि के। बिथा लागि फरि जाहि॥१६॥ देह धर
को गुन यहै। देह देह कछु देह। वह रू देह न पाइहै। अ
बके देह सु देह॥१७॥ जो जल बाढै ना व मैं। घर मे बाहे दाम
दैहै हाथ उलीचिए। यहै सयानो काम॥१८॥ जाचक रति
पति द्रुम ह्रू। रीझदेत सब पात। ताते नव पल्लव नए। दयो
कहू न हि जात॥१९॥ आपुन ते समझै नही। कही न मा
ने चित। तिन सों संगति मति करो। कहत सयाने मित॥२०॥
जहां बिबेक न जानिये। तहां करो जिनि वास। से तसे तस
बसारिबो। कर रकपूर कपास॥२१॥ औरो बरू दयो ल
कहि। च हिरा एक सहाय। चव्य चित्त चत चिरमी हिमे।
कर कपूर उ भिजा हि॥२२॥ दया लसत संगति न ली। मि

टैनकुलकैत्ताय। निपटनीबचंदनत्तयो। करवा
हटनहिजाय॥१४॥सोरठा॥ गिरतेगिरियेक्षाय। जा
यसमुद्रमेबुडिए। मरियेमाझूरखाय। मूरिखमितन
कीजिए॥१५॥दोहा॥ सजनऐसाकीजिए। जैसा
निसिअरचंद। चंदबिना निसिअंधली। निसिबि
नचंदामंद॥१६॥संम्मनयैसीप्रीतिकरि। जेसीक
रीमयंक। जगतकलंकीकहिरह्यो। तउचनतजै
कलंक॥१७॥संमनराचिमबिरचिए। बिरचिमदी
जेगारि। हवरूहवरूछमिए। ज्योंजलखेडेपालि
॥१८॥कहिबोसुनिबोसमझिबो। मनकोमनहीमा
हि। कबहूबाहरिनांकटै। ज्योंकूवेकीछांह॥१९॥
वमज्योंअंगउजलरहे। कगज्योंअंतरस्पाम। त
नमनकीयहगतिजहां। ताकोतजिएनाम॥२०॥
मुहमीठेअरमलिनकी। धरैरहेजियगांस। ति
नसोअंतरप्रीतिअति। कोंकीजेसिवदास॥२१॥
मिलतैसजनज्योंमिले। बिछुरेकीएजुघरी।
ऐसेतोबिनजासमें। सोकहिएवैबेरी॥२२॥मो
हरसदैमनबातलै। उपजावतविसास।सो

कवहूमैदेखता। कही सांची सिवदास ।२३। सेऊ में
कन बिसरिए। दुरजन दुसह सुभाव। आंटै पर प्रान
हिहरत। कांटे लौ लग पाय ।२४। अधिक न बनि री
फै सकल। चतुर चित बकुजांन। मोजी जैसी है कु
री। नैयके सो पैप्रान ।२५। सब सों हित अहित करि।
ग्रांम सपं घज्यों नानि। मदु सो मदु कवि नहि कवि नि।
नंदयहै मति सार ।२६। अलि ग्रंथ भुजमें गनि रहे। का
वहि काटन हार ।२७। मन जस गुन रत्तन है। चुप
करि है हट ताल। पारिष आगे षोलिए। कुंची बच
न रसाल ।२८। अधर पाट मुष कोथरी। बचन रतन
ति हि मांहि। ताते चतुर न उचरे। मन पर सुष पारि
जाहि ।२९। सोरठा। बचनन माही मोल। ज्यों को
उ जाने बोलिके। हिए तराज तोलि। जब मुष बा
हिर का दिए ।३०। दोहा। रासेन रस ना गये। लिषे
बर बोलिय तरवारि। सुनत मधुर पत्ति नामये
हित। बोल बचन बिचारि ।३१। अछिर एक बे
बेक नहि। कहत न लावो बेर। हासी हि सेहप्पा
रबिन। रस नाही सम सेर ।३२। बसे बुरा ऽजा।

सतन।ताहीकोसनमांन।भलोभलोकरिछांनिए।
औरैयहजपदांन॥३२॥हितचितकबहुनांधरै।करैएक
पटबिसतार॥सोअपनैनहिजांनिए।कांन्हरकहैबि
चार॥३३॥ताहीसोंअपनोकहै।अपनायततामांहि।जा
मैंअपनायतनही।सोतोअपनौंनांहि॥३४॥चाहैताको
चाहिए।चाहेनाहीसोय।ताकोंकैसेचाहिए।कहत
सयांनेलोय॥३५॥कांन्हरसुषसंगीसबै।दुषसंगीइकलो
होय।अंगसोइजांनिए।दुषसुषसांमलहोय॥३६॥कीजे
कबहुकमलसे।यारीकरिकेयार।जगजीवनताअरि
तरुनि।परहततासोप्यार॥३७॥संम्मनकबहुकीजिए
मइजैसेसैंन।नागबिधावतबिधिपर।निसिजागत
तनचैंन॥३८॥सजनऐसाकीजिए।ज्यौंदुधनैनीर।आव
टिपुनिआपुनजरै।बरिबादेतनहिषीर॥३९॥हितराषै
हितरहतहै।हितबिनुनहितजाय।समुझिकैसमु
झिए।कांन्हरकहैबनाय॥४०॥पांनीपांनीकहतहै।पां
नीमेहीजीव।पांनिपचाहेआपनौं।पांनीमांगिमपीव
॥४१॥नीचकाजहेमांगना।छुटीचलीयहरीति।जिस
कानांवजुमांगना।तिसकीक्यापरतीति॥४२॥माग

नमरनसमांनहे।कहेमनोहरबैंन।दनियरद्दीरघलघु
नयौ।गयोदछिनदिसलैंन॥४३॥मानमहातमपेमरस॥
गरुवातनअरुनेह।एसबहीअहलागया।जबहिक
ह्यौकछुदेह॥४४॥पंडितसुकबीसूरिवो।दातानुगता
रीति।एतेगुनजामयअधिक।तासोंकरिएप्रीति॥४५॥
चोरअन्याइलालची।मलिनबातनारिपूर।कुलहीनात
नबलहा।ताकोकरिएदूरि॥४६॥बनिकमित्रकीजैनही
होसनहीबिषखांन।सांपषेलनिंदासुपर।कबहूनक
रैसुजांन॥४७॥बनियाबेस्पाकाककुनि।औरसुवाकीजा
ति।एनहोहिंअपनेकबहू।संग्मनसाचीबात॥४८॥हंस।
समुद्रमछाडिए।जैजलषारोहोय।फाबरिमबरिस्नट
कतो।नलोनकहिसीकोय॥४९॥तोलौहंसपषांनचुग।
समैकाटियहगोहि।जोलोकेहरिकाबचा।नैंकसयानै
होहि॥५०॥जाहिबरूपनचाहिए।तजैनउत्तमसाथ।पात
ढाककोपानसंग।पहोंचतराजाहाथ॥५१॥हेतमहित्त
करिसोमिलै।तासोंमिलिएधाय।नैहचढाएजोमिलै
तासोंमिलैबलाय॥५२॥मिलताकवलनबिकसे।चल
ताउठैनधाय।आदरबिनाबिबेकयह।अपतअप
तपेंजाय॥५३॥सीगनिज्योगेसाफिरे।फिरिषेतेबिलि

वार। जोहफिरैफिरितासकै। जायसोबमेगंवार॥ ५५॥
मानबिहुनामांनइ। जेरूपइराचंत। कुतवादीपपतंग
ज्यों। सोपंषादाकंत॥ ५६॥ जिहिउतंगचढिफिरिपतन। सो
उतंगनहिकूप। तिहिसुषनीतरिग्रबसे। सोसुषहैदुष
रूप॥ ५७॥ जिनकौहरिकोडरनही। नहीलोककीलाज
तासोबोलिबिगरिए। मुहिनदीबछराज॥ ५८॥ सतको
चनाचबाइये। छांडिअसतकीदाष। ज्यौंपांचनमैपतिर
ही। मानौंपाइलाष॥ ५९॥ यहजमाकमांचीकहै। मांनलेत
सबकोय। बुरोपरायोचिंतवै। पहलैंआपनौंहोय॥ ६०॥
जबहीएकतबद्वकहा। जबद्वैतबकंहाएक। यहैसया
नैसमुझिके। रहतआपनीटेक॥ ६१॥ सोरठा॥ मनमैंरा
षैगोपि। अपनेकीनेकीबुरी। चलैजुऐसनिलोप। सोन
रमूरषजांनिए॥ ६२॥ दोहा॥ लैननदैननपेमरस। वा
कीजियकीहांनि। छातीजरिकैलानइ। वोछेकीपहचां
नि॥ ६३॥ प्रीतभप्रीतिपियारकी। जोकरिजानैकोय। दोस
तजिसकोकीजिए। जोदिलहीसांचाहोय॥ ६४॥ सोरठा॥
द्वैनहोंहिबुरहांन। इकसुषचाहैपेमरस। एहलोमारग
आंन। एकतहांसचपाइए॥ ६५॥ दोहा॥ जासौंप्रीतिन
कीजिए। ताकोहियोकठोर। पहिलैतंनमनहाथैलै। फि

रिचितवनहिंग्रौर।६६।संम्मनप्रीतिनकीजिए।काहूसोंम
नलाय।अबमिलनबहुबीछरन।सोचतहीजियजाय।६७
लोज्जीनैननिकेकहे।मनजिनपठवोकोय।यहजबवासों
मिल्लिरहे।बहोरिनअपनोहोय।६८।नैनामिलहितोमिल
नदे।हियरातनमिलेह।नैनारोयेछुटिही।तबंधायमरे
ह।६९।दीरघसासनलेदुष।सुषसायरहिनन्हल।दई
दइकहांकरतहे।दईदइसुकबूल।१७०।प्रीतिकरेसेब
वरे।तंनमंनअवारहिदेह।कौनसयानपमलकहि।चि
तटेचितालेह।१७१।संम्मनप्रीतिनकीजिए।कहींसोंचि
तलाय।उरऊतकाचेसूतज्यों।सुरझावतजियजाय।१७२
कहिसंमनतेकोबदी।करिमनसोचबिचारि।मदनक
हेसोमतिकरो।जोदिनटरेसुटारि।१७३।सेउकलीकनेरकी
रंगरातीदिनच्यारि।कैसेंकरइनीबसी।अंतपराइनारि।
१७४।कीचकमाणसअगनियह।अदबनलीएचूरि।स
लिताबनिताऔरकी।फारबारतेहुरि।१७५।देवलेसर
पकिराइयर।अचलचित्तीमारि।काकुरखाचाचक
नै।चारोसंगनिवारि।१७६।डुषीसुषीदिनकाटिए।अ
रथामेंइसोय।जाकीछांहमबैसिए।पेऊपातरोहोइ

॥७७॥पहरेअपनेजागिए।नैकुनरहिएसोय।अन
जानेपललागते।काकोंपहराहोइ॥७८॥समसोंसमता
कीजिए।अनसमसोंबेकाम।गुंजाकनकबराबरी।क
रीतौमुखनयोस्याम॥७९॥छुटिहैगुंगेहीचरा।रेसुकस
मुझिउपाय।जोचाहेछुटिमहिमिलो।बोलिनवचन
बनाय॥८०॥लह्नयोयानगरके।सुनतकाककेबो
ल।रेसुकजबतौकोंतकत।तबहीतकतगिलोल।
॥८१॥चुपरहिएचाहतरह्यो।सुनिकोकिलइहगांव।
काकहिएजहांकीकरच।रीफिरह्योसबगांव॥८२
अरेहंसयानगरमे।जइयोआपसम्हारि।कागनसों
जिहिरीफिकै।कोयलडइबिगारि॥८३॥कोकिलदी
रघदेहलषि।कीरतिकरेबलाय।किनफलपायो
आवपै।छिनसिरदीनौपाय॥८४॥आपनतेफलदेरह
सि।कीरतिकरेबलाय।आसपूजिहेपथिककी।आं
ननपतमुहमाय॥८५॥द्रुमजीतबहेजगतमे।रेद्रुम
संपतिपाय।जोरावरसोलेयफल।रहतदुषीललं
चाय॥८६॥फलदलसंपतिपायद्रुम।करतनहीप
रकाज।बिनउपगारविथाबिनौ।आवतनहीन

लाऊ ।८८। विरबद्रोहोरोचलत । आवत तो दिनिहारि । आंबकोकिलाकोबरजि । पथिकहिमारतमारि ।८९। सो नकरोजिनजोरसों । नीकीनंतिनिहारि । कालिहिफूलिहै केतकी । पाम्लगरबनिवारि ।।९०। फिरिचलिरेनवरास दन । नौरीमनअकुलाय । वाचंदनकेरूषसों । रहेनाग लपटाय ।।९१। पवनगवनइतमतिकरे । हितकरिकहत जिताय । ह्यातेरोपैंझोलषत । बिरहनागमोंहवाय ।।९२

इतिसिष्यानावसंपूर्ण ।।२५।। अथज्ञाननावलिष्यते । दोहा ।। बोलनिचालनिहसनिमें । अरसुनिबेमेंबात । चितवनिमेंगतिरहनिमें । योनरपरषोजात ।।१।। नलो रुरोकोजांनिए । मुषसोंबोलतबेंन । हिरदाकीसबकपट ता । कहेदेतहैनेंन ।।२।। चालपाघतेजांनिये । असुचित एमुषनेंन । सेसासंसयनारहे । जबबोलेकछुबेंन ।।३।। जोरिनिजरिजोछबियें । मोंहपरसबेलषाय । एकबात मेंजानिये । जाकेजेसेभाय ।।४।। जेसेउपजेजीयमें । करि लेषनलिषिलेत । त्योंपरमारथपेमको । नाथनेंनकहिदेत ।।५।। ज्योंजलसीचेपेडतें । पातनिप्रगटेआय । जग नजीयकोनेहरा । नेंननमांझलषाय ।।६।। एकदीप

तैयेहकी।प्रगटसबैनिभिहोइ।मनकोनेहकहांछिपे
जहांजिगदीपगदोय॥७॥इतिग्यांननावसंपूर्णं॥३६॥
अथप्रस्तावनावलिष्यते॥दोहा॥जाकाजैंप्रनन
वनिपत।तिइकाजसहाय।गंगामेगयरबबहे।मछी
सनमुषजाय॥१॥पातीदेवनसिरचढे।कहेजुनचके
घाय।संकरअसमरसमरकटि।कोंनसुरगतिजाय
॥२॥नेहीसिंघरसाघुरिस।इनकोयहेसुनाव।ज्यों२
घायलहोतहे।त्योंत्योंआयेपाय॥३॥कहिसंकरका
यरकेकुलहि।कोंकरिउपजेसूर।थरकथरकक
दलीकरे।नागोजायकपूर॥४॥नवलचल्योजलनी
चहूं।अनरुचिसेइनताहि।जाणनतेसंकरकहे।पां
नीपावतआहि॥५॥मूढलोकटूंढेकहे।हाहपरेज
मजाय।ताहरजाहरनीचसो।नीरपरेठहराय॥६॥
राजतलाइबीकबन।कायरहाथिबडग।महलीबो
बनरूपंणधन॥कारियकिएहीमलग॥७॥विप्र
बेदजोनापढे।बेस्पाचाहेप्रीति।बनियाबनिजकरे
नही।एतीनोबीपरीति॥८॥सेठगुनियमगुनबिना
वेस्पाजोबनहीन।राजाधरत्तीबाहिरो।एतीनोकि

सकीन ॥९॥ दीयाच्नगतीयाकौं नकुच । ससिरजाम
विनवांम । एच्यारोकबिमलकहि, बमेन्तणकिहिकांम
॥१०॥ ससिकलंकषारोसमद । कवलहिकंटकनाल । जो
नदुषीम्रिषसुषी । दह्कुबुऊजमाल ॥११॥ कोकाजि
सकेबमेनसों । लषेबमोयोन्मल । दीनेटदछ्गुलाबको
इनमारनिचेफूल ॥१२॥ कुमकुमफलतकुसमरस । स
बबलीमेमंत । नहीकरीरकौपंतवन । क्योंकहिदोसब
संत ॥१३॥ पाराग्रनपाएन्नले । दाताग्रादरग्रंत । पातनदे
तकरीरको । फूलततउनसंत ॥१४॥ सेउसमयोपुरबको
होयनहीसदाचार । त्रिनम्रबेपथरतिरे । अपनीअपनी
बार ॥१५॥ सेउसमयाबाहिरो । सगोसगाकेजाय । हसि
ऊसरातनप्रछद्दी । मांगणतेजुमराय ॥१६॥ हितग्रहि
तसबहोतहे । रजनादुरिदिनपाय । बध्योबधिकम्गाबां
नसों । रुधिरौदेतबताय ॥१७॥ सुषदुषहिरदेमेंबसे । मो
लननल्पावैकोय । जाजाकीवारीवहै । सोइपरगटहोर
॥१८॥ सेउसबतनपीरहे । बिनापीरकोउनांहि । जो
परपीरनजांनही । सोचेपीरकहांहि ॥१९॥ दरदबंध
केदरदकी । जानैनहीगंवार । सेउसोरजांनिए । जा

केॽपांनबिचार॥२०॥मोहनअंतरकीवृथा।नेंननिढ्ढनसमाय।जोजानैतासोंकहा।कहिएबातबनाय।२१

एॆदिलदिलकीबातको।कहिबोसबैअकथ।तिनसोंमोहबनायके।जेजानतसमरथ॥२२॥कहामूढसोमित्रइ॥कहानिगुनसोंनेह।कहासूमसोंगुनकिए।कहागुनकोमेह।२३।कोइकीजेसजनना।नीउनन्नाजेतांह।अंजाकंठपयोहरा।दूधनपांणीज्यांह।२४॥सजनसोंसबकछुबसैदुरजनसोंनबसाय।मांनमहातमरोसरस।जोकीजेसुषदाय।२५॥सजनजीयओगुनगहे।दुजनजोगुनजाय।नाथगुमटकीजैदज्यों।कितइकलौवहराइ।२६॥उतिमसंगतिमलकहि।रहतप्रीतिवहराइ।नीचनेहअरुघरसबद।घटतघटतघटिजाय।२७।सजनप्रीतिमजीठरंग।साधबचनप्रतिपाल।पांहनरेषकरमगति।क्योंहूनमिटतजमाल।२८।तेइसजनमलकहि।जेसमसरसबगैर।इषदंकअरुदुर्जननर।गांठिगांविरसअैर॥२९॥सजनदुर्जनकीमिलनि।होराषोसमजाय।आदिअंतकोचूसनों।इषदैतबताय।३०।इकसजनदुर्जनबिषे।अंतरयहैलहंत।हसिकहैदुर्जनसुनहि।

फा.

सजनकलहकरंत।३१।सजनदीयातमहसौ।जांनिजे
मउगिलंत।इमसजनदुजनहियो।दीयासुयहैकहंत॥
३२॥बिनामित्राइमित्रपैं।चित्रजचाहैओर।जितेबुरेसंसा
रमैं।तिनहिएकसिरमोर।३३।रूषीबतियनिजोतिनहि
घटअधियारैगेह।जिहिसनेहसोइजरै।कहादीपगक
हादेह।३४।पवनबेगजांनतजुबन।मनजुजीततप्री
ति।सोछुटैकतकरचटै।संकरमांनप्रतीति।।३५।कहां
कोयलकहांअंबबन।कहादादुरकहामेह।जनमांत
रबिहुटैनहीं।गरवातणौसनेह।।३६।नलानवेनबीस
रै।निगुननआवैचित।अधसीषीबिद्यादहै।कैपरदेसी
मित।।३७।बडौबडाइनांतजे।लघुअतिइतराय।तरु
नतपैतपनांतपै।बारूबारैपाय।३८।बडोबिरचिन
जांनही।कोटिकरैजोकोइ।लघुतुरसीलकीदिए सा
यरगरमनहोय।३९।बडौसोइपरकाजको।बडांबडैमै
फेर।दीपगसौकहिएबडौ।घरमैकरतअंधेर।४०।बडे
नहूजेगुननबिन।बिरदबडाईपाय।कनकधतूरेसौं
कहत।गहनौंघड्यौनजाय।।४१।सेउतदुलतुसहिबिन
जौजमाचैकोय।नापरिवारबडपनौं।करिदेषौजोहोइ

॥४२॥ तजैसुनावनसापुरिस। पैखेअवसथाकोइ। औंधी
किएअगनिकी। झालासौंधीहोइ॥४३॥ तजतप्रकृतिन
हिमहतनर। संपति बिपतिसमांन। उदैअस्तअनुराग
मुष। नांनमांनजियजांन॥४४॥ नांवरिअन नांवरिनरे
करोकोरिबकबाहु। अपनीअपनी नांतिकों। छुटैन
सहजसबहु॥४५॥ हूरकलावतहीनवपु। औरकुचाल
तुरंग। नातकुमीतकुनारनृपा। रंगमेकरैकुरंग॥४६॥ ब
छोबछैसोंखिलकरै। जनमकनैडोहोइ। अऊऊनुरसीसि
रचहे। बलिकैघरैसोय॥४७॥ पंचामेदुषसुषसहै। सोना
रीनारौ। पंचनितैजोबाहिरै। नाकोमुहकारो॥४८॥ ब्या
ससदामांगतफिरै। हरिपनुकीनहिआरि। परघरगइ
नसोत्रिय। पातिसाहकीनारि॥४९॥ घरघरडोलतदी
नकै। जनजनजाचतजाय। दीयोलोनचसमांचषनि
लघुपनबैठोलषाय॥५०॥ आपसवारथनामलगि। क
हैअदतनिदंत। नरकानरका तरसोहर। आइगुनम
गनत॥५१॥ नंदसुआदरपाइकै। करिलेआपबषांन। जो
लगकागसराधपंष। तौलगतोसनमांन॥५२॥ गोधनतह
रष्यौहिए। घरीकलेहुपुजाय। समुकैगीसिरपरपरत।

एपसुवनकेपाय।५३।नीचहिएकुलसैफिरत।गहेगोद
कोपोत।जेतोमाथेमारिजे।तेतोअचोहोत।५४।कछुएक
सुधरेनही।सरेनएकोसत।बहुपापसोहोतहे।बहुबाप
कोपूत।५५।गुणसेणाउगुणबल।करैनसकियोकोय।।
योहीआएमणहरु।मांसबधारणलोय।५६।नलौनलौ
सबकहिउठे।बहुबंसकीकांनि।बुरोनकोउकहिसके।
धूवोअगरकोजांनि।५७।वारोयहेबहुपणो।सरलैपेऋषि
जूर।पंछीछांहनबेठिही।फललागेतेदुर।५८।तुरसीत्रि
नजलकुलके।तदपिनिकटनिकाज।केराषेकेसंग
चले।बांहगहेकीलाज।५९।नंदबांहनरनीचकी।जो
लीजेसोचार।नेडएछऊनादोमुंही।कोगहिउतरयोपार।
।६०।उतिमबचनगयंदरद।निकसिफिरतनहिसोय।
नंदबोलनरनीचके।कमठसीसमहोय।।६१।बाडीबिं
णसेफूलबिंण।चाडीबिंणसेगांव।देसकुबुध्याउजडे।
जाइकुपुत्रोनांव।६२।आदरबिणबोलगकिसी।सिधि
बिनिसेवाजाय।कचैकुंभबिलोवणो।जेकोमांषणषा
य।६३।निंध्रनियाजोअतिबिपति।छैदूषनलिनदेऊ।इ
कसेवाअपानकी।इकअणरितिकोमेह।६४।बिनाउ

सीलेचाकरी। बिनाबुधिकीदेह। बिनासिधिकोजोगना।
फिरैलपटैषेह॥६५॥उजडषेडाफिरिबसै। निधनियाधन
होय। गयानजोबनबाऊडै। मूवानजीवैकोइ॥६६॥सदा
नफूलैतोरइ। सदानसांवणहोइ। सदानजोबनथिररह
है। सदानकोहीहोय॥६७॥फूलपांनअरजोबनहि। जिन
कोरूपतिआय। पांनसूकैजोबनबिसै। फूलजायकु
मिलाय॥६८॥पून्यौचंदकसूंनरंग। नदीतीररुमफाल।
रतनीतसंलीपनौ। कैसोंदिहहोयजमाल॥६९॥सबकोउदे
षैसुनैं। लालसूमकेदाम। जैसेंसोनौंनहरीरकौ। चपैनआ
वैकांम॥७०॥दांतकेसनषअधमनर। निजथानकसोचे
त। एसबसाचीबातहै। कहतसयानेसंत॥७१॥सेवासुषर
तिकांमसुष। कंटकागनैंनकेलि। निकटरहैतिनहीचढै
राजाबनिताबेलि॥७२॥जासंगतिसौंफललहै। स्वातिस
लिलकीसीच। कहूकपूरमुकत्ताकहूं। कहूगरलकहूं
कीच॥७३॥संगतिसंगसोनालहै। कहतसयानैबैंन। सो
इकाजरवीकरी। सोइकाजरनैंन॥७४॥हितचितदेसब
कौसुनौ। साचकहतहैसेष। संगतितैसाहोहिफल। या
मैमीननमेष॥७५॥सरसपंषसषोसलिल। दुषनआपतेदे

त।संगतिकुटिलकुमाणसो।श्रांणपरायोलेत॥७६॥संग
तिसाधअसाधकी।कहीदयालयहज्ञांनि।पाथरबुकतआं
नले।नावतिरावतिआंन॥७७॥गुणियागुणेननृपता।अ
वणत्रिपतिननाद।नैंननत्रिपतानिरषता।त्योंमरिषत्रिप
तिनवाद॥७८॥जीभकसोटीस्वादकी।श्रवणकसोटीचैंन।
वासकसोटीनासिका।निरषकसोटीनैंन॥७९॥रागसुनत
अरुसिरधुनत।संमनकोंनसुहाय।श्रवनअोरउरनाज
नहि।नरतहलायहलाय॥८०॥चात्रिकचकवाचतुरनर।
तीनोंरहतउदास।घरघूघमुरषपसू।सदासुषीअथीराज।
॥८१॥जांणेहरियारूषडा।पाणीहंदानेह।सकोकावनूज।
नही।किधौजबूवामेह॥८२॥बितथोरोअरुचितअधिक।चि
तमेंबितनसमाय॥संपतिबिनाजुसारिसा।जागतिनेंन
बिहाय॥८३॥सेउसंपतिकोबिरो।सीचतहीकुमिलाय।ज
लकाटेफलनीपजे।फलकाटेजडजाय॥८४॥बढतबढतसं
पतिसलिल।मनसरोजबढिजाय।घटतघटतसुनिफिरि
घटे।वरसमूलकुमिलाय॥८५॥साचकहैतेमारिए।कूवेज
गपतियाय।कलियुगकारीकुकरी।जेखैडैतोषाय॥८६॥
षोटेकोसंसारहै।देषोपरचोहाल।औधेमुषजलमेतिरे।स

६६

थेबूरुतलाल॥८८॥कोयलसुतज्यौंकागलौ।पारेअपनैं
जांन।जोजाकोताकौंतहां।मिलिहैजायनिदांन॥८७॥सी
चेसबैबनायकै।वौएकहिगोर।होंनहारबिरवांनके।
चमतकारहीओर॥८८॥कागगरथकाकोहरे।कोयल
काकोदेत।वांनीमधुरसुनायकै।जगअपनौंकरलेत।
॥९०॥सरअरुसबदचिनंगकहि।लगेबराबरधाय।सर
छुटैतनबेगिदै।सबदचोटनहिजाय॥९१॥अगनिवसौ
नवसौंकहै।बिथानव्यापैबोल।बचनबसौसिवदा
सकहि।तनभनउपरफोल॥९२॥सोरठा॥ जोमुषका
हैगारि।ताकैदीजेंगारमुष।सुषनहिंठंहोरीषार।होरी
षारसोआगरो॥९३॥दोहा॥मछअरुवरउतिममनिष।
रुनएकअमांन।जलजाताजीवैनहीं।पांनीजेलौंप्रां
न॥९४॥सेषसुमनअरुसापुरिस।जेतीववैनजाय।केस
बकेसिरपररहै।कैवनमांऊबिलाय॥९५॥जगतराय
नविनेहहित।जेफिरिनैंहीरिषहोइ।ज्योचिकनाइते
लकी।षरिऊरैहवधोय॥९६॥पकरीसांपछिछुंदरी।अं
निबन्पौयहसुत।छोर्‍हैबनैंनसंग्रहै।ज्योकुलमांऊक
पूत॥९७॥जैसैंछवइअंगुरी।काऊहोयसरीर।राषैते

अपजसअधिक। काटैतैअतिपीर॥९८॥दोहागाहागी
तगुन।एसबराषेसांचि।गाहकबिनकैसैषुलै।मोहनम
नकीगांठि॥९९॥कीमतिबिनजानैसबै।हीराकंकरआहि
मोहनपावैनेदतब।जबलैसचैजाहि॥१००॥करलैसूंघि
सराहिहुरि।दैनबेगहीमौन।गंधीअंधगुलाबकौ।गंवइ
गाहककौन॥११॥करिफूलेलकौआचमन।मीठौकहत
सराह।चुपरहियोगांधीचतुर।अतरदिषावततांहि॥१२॥
पातगएकोसोचनहि।दुषतरवरमनमांहि।आगपथिक
नपाइहै।समुझिपाछिलीछांहि॥१३॥सघनपतफलजग
तमैं।छांहकरतसुषकाज।फूल्योकबंहूनदेषियै।रेबट
कहिकिहिकाज॥१४॥हरीपीरसबचित्तकी।दैसंपतिसुष
साज।आसपुजानीनीबज्यों।सुरतरजिहिकिहिकाज॥
५॥जाचंदनसौंजगतउर।सीतलताअतिहोय।कलिकि
तताफलफूलकौं।नांबोलेतनकोय॥६॥रहनबपारा
वारको।उलंघिपारकौजाय।तियछबिछाइयांहनी।गहै
बीचहीआय॥७॥एककनकअरकांमिनी।एलांबीतरवा
रि।जातऊतेहरिजनकौं।लएबीचहीमारि॥८॥सर
वरकीछातीफटी।औरकछुदुषनांहि।पारिदेषिपंबीध

६०

सि। नीरविनाफिरिजांहि॥८॥ दुरीनदीनसिंधुसर। बर
षतनांहिनमेह। कौलौगजसीच्योकरै। उदरवारिसों
देह॥१०॥ तनकटूककौदेषिकै। स्वांनपायपरजाय॥
संकरधीरजकेधरै। हाथीक्वैमणषाय॥११॥ स्वानकरै
सोरजकोधरै। एककौरकेकाज। आदजुततरपततज
त। रामदासगजराज॥१२॥ नंदन्नृपकेनवनमें। फिरत
स्वांन [illegible]जार। कहागरवतनघटिगयो। जोगजवंधेबार।
[illegible]रसीजसांसेउससे। तियाजुनिहचलचित। इजति
राषेसोआदिमी। हितराषेसोमित॥१४॥ उलटीकरनीराम
की। जिनरपतीजोकोइ। आरंच्योयोहीरहे। औरऋचिंसो
होइ॥१५॥ बाजीदाबटाउबापरा। किनसोंकरैसनेह। राति
बसेदिनउठिचले। आंधीगिऐनमेह॥१६॥ पुरषहिसंपति
बिपत्तिकहि। बिनपनसंपत्तिकाय। संपतिगएजुपत्तिरहे।
गोपगोपालसुहाय॥१७॥ कहालंकपतिलेगयो। कहा
[illegible]णगयोषोय। अपजसजससंसारमें। श्रवनसुनेंसब
कोय॥१८॥ प्रांनगएतैपतिरहै। रहैप्रांनपतिजाय। धिग
जीयोवापुरषको। कहतमहंमदसाहि॥१९॥ सीहासांप
मुणिहरा। तीनांकिसोबिदेस। जोवोलगिएसोधणी। जो

बसिए सोदेस ॥२०॥ एका अंक समथरे। सबै दस गुना सुनत।
कोटि सुनि कि हि काज के। एका बरन तिऊन ॥२१॥ तुरसीन
वत अता। तासों मिलै सहाय। ताहि लेआवै ताहि पै। ता
हि तहां ले जाय ॥२२॥ जप तप संयम बिधि करि तूं। जो लौं म
न मथ राय के। करन हि चढ़त कबांन ॥२३॥ जब लग जुग
वौह जनन के। ग्यांन दीप उर नौंन ॥ तौ लग अघ लगात
नहि। तिय डिग अंचल पौंन ॥२४॥ तामस यान पता मगुन
जप तप संयम ताम। बंकति रखे लोयने। परनि परै जे बां
म ॥२५॥ ग्यान गए ते लेत हुहि। हुलन धीर ज धीर। त्रियक
टाछि का जी परति। बिगरत तुरत गंभीर ॥२६॥ गिरते उ
चे रसिक मन। बुझे जहां हजार। वहै सदा पसु नरनि कै।
पे मपयोधि पगार ॥२७॥ तंती नाद कबित्त रस। सरस राग
रति रंग। अनबूझे बूझे तिरे। जे बूझे सब अंग ॥२८॥ कंहे क
हां तिन रति की। रहै पेम रस झेलि। नन क बात केलग तहे
सी सहुन त बन बेलि ॥२९॥ की कांम (णि) की कबिरस। की
धाए कसरेण। लोयण तन मन लगत ॥ सी मन धूणे पो ते
ण ॥३०॥ गाहा गोता गोरिया। अंतर जे न लहंति। ते जे गल
पसु वांह जिम। तिण चरि पेट भरंति ॥३१॥ सुर नर मुनि य

रसरजछिन। कियसमर्थश्रसमर्थ। पानपयोधररूपकौं।
कहिनपसारेहथ।३२। कौनननलेल्यापेमरस। किसोहित
उपज्याचाव। संमन्नकेसारूषहे। जमहिमोल्यापाव।।३३।
किती कगोकुलकुलबधू। कहेनकिहिसिवदीन। कौनैत
जीनकुलगली। कैमुरलीसुरलीन।३४। अंनआपरितिति
यश्रनत। श्रनतबांनसंधान। तनधरितकेरवनकौं। उदि
मकरतश्रयांन।३५। सकसछत्रपतिबसिकीये। श्रपनेही
बलवाल। सबलासौश्रबलाकहे। मूरषलोगजंमाल।३६।
श्रबलाबलानबलकरै। एबलकरैतोहोय। सिरकाटैसलि
पनचहै। एककरैतोदोय।३७। जियतनजियकीजांनिए।
हवहीस्योंज्योलेह। कौंनरीतियहत्तीयकी। गराजियहिज्यो
देह।३८। सीलौवाजेबनदहै। जलपाथरबिहरंग। श्रबलाबि
रचीजोदइ। थेनयोकरंत।३९। जिनकौंकहिएकामनी।
काहुसोंनलजाय। जेसोसोश्रोफलकरै। श्रौंफलकही
नजाय।४०। बसत्तीकाहूनांकरी। पुरषहिबसत्तीहोय। ब
सत्तीतबहीजांनिए। बसतीकरैजकोइ।४१। एकश्रचंनो
देषिए। दइयासंसार। चंगीनारिहिनरनहीं। नरहिनश्र
गीनारि।४२। तियछेनायकनिपुन। कमलजुकबिसुजा

न। चात्रिगबंछेमेहकों। कमलजु बछेत्तोन।४३। चतुररू
परसनायका। जटमानसकेसाथ। लीषीवस्तज्योरहतुतदेहुज
टमांनसकेहाथ।४४। पंफितहरिबनितालसत। बस्योनही
नरसोय। संम्मनसोजनम्योडिया। जननीजोबनषोय।४५। धन
योबनअरूरूपको। पछितावेसुगंवार। वहतोजोबनबहिगयो।
बेरावेहीबार।४६। नरनारीरोटीरटति। चलतेगटेलेत। सबेबि
गारीपेमके। याहीइनरपेट।४७। ताहरसंसारीसबे। करेगंव
कीसांगि। वोगकिनहूनासुनी। सांवेहूकीगांगि।४८। नगरसबे
बनियानिगुर। सिषबोलेनलजांहि। गुरमोलेतोगुरहि। गुरखेचे
गुरबांहि।४९। सतीसनेहीसूरवां। अरुग्यांनीगजदंत। एत। निक
सिनबाहुरे। जोजुगजायअनंत।५०। सिषिसाक्षिकसुरपतिसबे
मायासोल्योलीन। मीनदीनजलसोंजिही। तनमनकोआधीन।
५१। अतिआदरअतिलोनते। अतिसंगतितेमित्र। साधनहके
होतहे। केसवचंचलचित।५२। अनमिलनीवोहतेमिले। मिल
नीमिलेनकोय। मिलियाअनमिलिनीमिले। नवलमहादुष
होय।५३। सीसासोकफुलेलके। सीसनवावेहोय। मनकोरू
षोमांनवी। तननचीकनेहोय।५४। काहूकेमनिक्योंबसे
काहूक्योंनसुहाय। बेसांदरफूक्याबले। दीपगफूकबुझ

घा ।५५। कहा उतिम मध्यम कहा । कहा जंगम कहा दूज । अ
पनी अपनी षाल मैं । है सबही महजज ।५६। पसू पंषी जल
चर अचर । नर त्रिय तरु ने वाल । अपनै जानै आपनै । सबही
जीव षुस्याल ।५७। अव छिन्न इदिन उबरा । सुक्रित बीज सु
फाल । जहां जहां कर का ता किया । तहां तहां परिगी गल ।
।५८। वारिधि वडवानल बहै । जा दोजि निपति याकु । सुत
हि कलं की देषि के । होत उदर कौं दाह ।५९। जोबन थों बीज
ग प्रगट । धायो सिगरो देस । बिन सावन बिन सिल सलिल
लेहि उजारे केस ।६०। से उ के सुजन गाहे । ते फिरि न एजु बग
जिहि दे षै कां मि निंद करै । ज्यों सर दे षै काग ।।६१।। संमन बु
हा पै सो किरा । सबैरी कुन कराय । कमल बदन मृग लोचनी
वीबा कहि कहि जाय ।६२। संमन कच अंखियार मैं । कीने ब
हुत उपाय । सेत चिहुर की चांदनी । चोरी करी न जाय ।
।।६३।। अन चोरी चोरी लगे । कारे कच अंधियार । सेत चि
हुर की चांदिनी । चोरी केरी न जाय । चोरे साहूकार ।६४
सोरठा ।। बलि जइ रा उहि न्नेस । ता हर जो निबहे सदा । सेत
न एजो केस ।। सल पै कहे कलपिए ।। ६५ ।। दोहा ।। स्पाह
सउन टषे मजे । गये छानि कै षेत । आइ न्हरायं जोर करि

चेरषलीनैसेत।६६।सेउरावतमुरिचले। बिरचेकारेषेत
एरिनपलटैदेषिएे।टालेदलकीसेत।६७। बिरधनिहार
तमगचलत्त। उकतिकहेतेसाहि। जोबनरतनजुगिरग
यो। पगपगढूंढततताहि।६८। मधुकररितसंगहिगए। हंस
रहेछबिछाय।। गछअपनीगतिलेगछे। तबतियढूंढत
जाय।६९।सषीसेतदोउउजरे। ढरकिरहेहिगढार। तब
मेरोपरिगयो। जोबनउतसोपार।७०। जोबनथातबरूप
था। गाहकथासबकौंवृ। अबबहुरतनगमायके रहीके
लेदरहोय।७१। केसननेसपलटिया। सबबंधिछोमीगेर
वहबिनजारोलदिगयो। आंनिउतसाओर।७२। तरुनाइ
कीसांझकौ। चोरदिषाइदीन। बिरधपनेकेचोरकौ। सांझ
नघालीकीन।७३। पंछीरूत्तेतेपछए। निपतेपतेतमाल
जोबनअपतनिपत्तकै। कितपतयोनजमाल।७४। जम
लजोबनफूलहे। फूलेअरुकुमिलाय। जांनबटाउपंथ
सिर। बैठेअरुउठिजाय।७५। तरुनीतनजोबनसिष। चढ
करहतकिहिहेत। मनमथउकजराइके। सोजसंचारैले
त।७६। जोबनमएजुकामिनी। करेसिंगारसुधार। सिंदुर
एतेपूजिए। सिंदूरहेकीतोर।७७। गएतरुनतातीयनर।

होतहालबेहाल। सबतनश्रैसोसूकिरहि। जैोषारकी के
षाल।७७जोबनसिकदारीतजी। चल्योनीसांणबजा
य। सिरपरसेतसिरायचै। दयेबुढापेश्राय॥७८॥चौंपच
टकिछबिछीनगति। डिगबिसालरसनेग॥कामिनिप
तिनगरीतजी। उजरिजातत्र्यालोग।८०।सीसकनेोत्ती
उजरी। कहिसम्मनकिहिनाय। मोतसंदेसादैनकूं। का
नबिलंबीश्राय।८१।जुब्बनकिऊनकिऊहे। धनत्तीकि
ऊनकिऊ। जादेजादेहैोहहे। हत्तेकिऊनकिऊ।८२।
कगाहिलोलीकरिगए। बगबयठमिलि। संत्तलिधलि
फरसीदते। बजणश्रजकिकल्हि।८३।दयालनान्हेजि
नगिनो। सिंघसूरमाश्रगि। गजगंजनवहश्ररिहनन। व
हवनबारैलागि।८४।दयालगुनीसबनावयह। सपगहत
गुनरोरि। श्रौगुनगाहकव्वालनी। गुनकेहारतदोर।८५।
श्रांबफलैतेनवतुहै। जरैपरैउबजाय। दिनदयालमान
ऊकरै। तिष्टैसतरसुनाय।८६।जरैश्रंबउच्चजातहै। मन
केपुरवमान। जरैफरैसतरैरहै। श्रराफहिषरोसयान॥
८७।संपतिधनीनचैनही। निष्टैसतरनहोइ। कविद
यालमानैकहै। बुरादेषिणसोय।८८।निष्टैानवेजुनेक

ह्रू। तासोकहत विष्यात। सिष्टा नवैन नैकजो। ताकहै गर्बनमात।८८। वाकेनवेसिंगारहै। वाहिनवैसिंगार। कबिदयालदोनुकहै। समुझैसमुझनहार।९०। धारद रतमनसुमहो। सोकामीसोदानि। तीनोंसंको छोंदहै। द तसुदतदोउवांनि।९१। कछदिढाअरकोमलमा चितचो षामुझमित। रिणसराजगबलहा। तेमेबिरलादिग।९२। दोनंसिरोमनिपुरस्वो। दातापाषंडकीन। एकेदुषदेवैबचमें सोउमरकेदीन।९३। सुषयाआगेदुषकहै। पीरनजानें सोय। दुषियाआगेदुषकहै। कहोकहाफलहोय।९४। अग्निअचलपरजत्तको। देषतहैसबकोइ। पांवनतर कीलायजैसें। हायनदेषेकोइ।९५। अघनीअपनीगरज कों। जगचितवतचहुवार। बिनगरजेबोलैनहीं। जग लहूकेमोर।९६। कालिहिबीतहैदसहरो। रेसुरिषध रिलाज। दुरतफिरतहैदुमनिमें। नीविकंवबिनिका ज।९७। जेतीसंपतिक्रिपनघर। तितीसमताजोर। ब ढतजातज्यौंज्यौंउरज। त्यौंत्यौंहोतकगोर।९८। जैसें छोटेनरनिसो। सरतबडेकोकाम। मढ्योदमामोजा तहे। कहिचूहाकेचांम।९९। बडेनकीसंगतिगहे। के

हैबमाइहोय।गलीनीरगंगामिले।सिखदेसबकोय।
।१००।नंदउचनीचीमिले।तुरतनीचफलहोय।जोपय
हाथकलालके।सुराकहतिसबकोय।।१।।दयालनिर
मलथलहे।लघुदीरघदरसाय।सुलपसलिलपरिसीप
में।मुकताहलहुइजाय।।२।।छीनछिपाकरहोततब।
निकटिमित्रकेजाय।।बढिप्रोहूरगयो।नयोकलंकी
न्याय।।३।।उपगारमकीगिनतिमें।पंचाननजसलेत।मा
रिमतंगजराजकौं।हंसनिकोंनषदेत।।४।।कहतबा
तहैंकबितसों।बातेकबितकहाय।जोकहिआवैबात
तौं।अछररचैबलाय।।५।।जोप्रभुगहिसराहिकै।क
छुदेतनहितहि।सिरतेओगुनहिलगतहे।कहत
असाग्योजाय।।६।।रहतदूरितिनतमरहत।अथिर
जकहतजनोम।तिमरकहतआएसरन।दीपगयह
मतिकौंन।।७।।चनांछांहनहोयथह।निरषोंसहजसु
नाय।दीपककरलघुदेहधरि।मनोपरयोतमपाय।८।
कछुकरोंकरतव्यता।नायसफलफलदेहि।निज
कंन्याअरुकामिनी।कंतलायघुगलेय।।१०।।यह
कोइजानेनहीं।कैहैकहांनवष्य।बडुरिकरोसो

अबकरौं। एककहाकेलष्य॥ ११॥ जाकोमनसंतोषमें। स
बयुगसंपतितास। अपनीजाकेपायमें। सबपशुकोमल
बास॥ २॥ साहिबतैसेवकबकै। जोनिजधरमसुजान। राम
बांधिउदधि॥ लांघिगयोहनुमांन॥ ३॥ जोमतिपाछैउप
जे। सोजेपदृढ़ीहोय। काजनबिएसेआपणैं। हरजनहसै
नकोइ॥ ४॥ तियपियसोपीयतीयसों। महिपतिसं तजि
मूर। जोहरिप्रतिगुरप्रतिसबै। कपटकरैयतकूर॥ ५॥
भलोबुरोनहिहोतहै। कीनैकोटिउपाय। जोहरछांकैके
तकी। हरिलीनीउरलाय॥ ६॥ इतिप्रस्तावनावसं
पूर्णं॥ २७॥ अथफूटकरनावलिष्यते॥ दोहा॥ जादौ
जांनैनमिथुन। तरवरजबरजोर। कांमिनिकोकोमलहियो
कैसोकुचहोयकठोर॥ १॥ मन तोकोमस्हकनयो। नैनाल
एदलाल। मरषषसमनबेचही। नतौफिरैजमाल॥ २॥ म
निअछिरसबतैनिरस। उपजतहोतेअहेत। सोअछिरक
बिजनकहै। तियमुषसोनादेत॥ ३॥ कालबूतदुतीबि
ना॥ जुरैनऔरउपाय। फिरितकैनटरैवनै। पाकैपेम
ददाय॥ ४॥ घूंघटकरिसुंदरिचली। जानतहोकिहिकाज
चितचुरायोसोननो। सनमुषआवतलाज॥ ५॥ चितचि

तेरोजोकरै।रचिपचिसूरतवाल।वहचितवनिवहमुरि
चलन।क्यौंकरिलषैजमाल॥६॥दीपकसोहैबांमकर।सां
झसांझबनितीज।लेजवली मनोधांममै।सदनमदनकेबीज॥७॥
संभ्रमदीयापवनबस।अंचलसरनपयग।कर
हीनोधूणेंकमल।कठिनपयोहररंग॥८॥मिलेबिनामन
थिरनही।फिरिदेषीसबठौर।सरसेकोसुषऔररहे।परसेको
सुषऔर॥९॥नेषलगेनोजननए।कौंनकौंनकेषाय।वह
रसऔरकैकछु।जाहिजीनललचाय॥१०॥मतिवारेकीबात्त
को।जगमेंलषेनकोय।मनमोहनसोइलषै।जोमतिवारोहो
य॥११॥स्वातिसलिलपीयपेममुष।घटहिसुनावधरंत।मुक
ताऔरकपूरबिष।नाजनगुनउपजंत॥१२॥मनपरतीति
नजीनरस।नहीतनमैहंग।नाजानौवापीवसौं।क्यौंक
रिरहसीरंग॥१३॥सहसहेली एकपीव।विहदिसपीय
पीयहोइ।नाजानंउसपीयके।कौंनसुहागनिहोइ॥१४॥
मुरलीजुरलीमांनइ।मुरलीमोहिदिषाय।कुरलीछांह
अलीहमें।वृंदाबनपोहचाय॥१५॥पघुलाहारहिरालसे।
मनकीबेदीनाल।राषतषेतषरषरो।षरोउजारोवाल॥
॥१६॥कहतसबैबेदीदए।आंकदसगुनोहोत।तियलल

टबेटीबनै। अंगअतिबढतउदोत॥१७॥ दोरीलाइसुमनकी
कहिगोरीमुसकाति। थोरीरससकुचसों। चोरीचोरीबात॥१८॥
कनकनवोढाकांमिनी। सहजझिलमलेलेत। पीतरओढ़
एकसी। माजेहीछबिदेत॥१९॥ दिषतकछुकौतिगइतै। देषो
नेंकनिहारि। कबहीइकगफटिरही। टटियाअंगुरिनफेरि
॥२०॥ कहिपठइजियभांवती। पीयआंवनकीबात। फूलीअं
गनमेफिरत। अंगनअंगनसमात॥२१॥ हिरदोआयोचाहि
ए। पेमपियाकोलाइ। फटेबासदसहोदिसा। फूलदुरैकऊसो
य॥२२॥ हिएकपटतनमेंअनंत। जावकसीसीमांहि। दीपलो
पकीनैबसन। इतेदुरेकरुनांहि॥२३॥ लरिकालेबेकेमिस
न। लंगरमोढिगआय। गयोअचानगअंगुरी। छातीछैलछु
वाय॥२४॥ जदपिरतीगुरतादइ। सिरचढियोअरधंग। तौउन
रसचसएककहे। हरएकीनेगंग॥२५॥ सोवतएरजननीरमें। अ
तिअधियारेधाम। चोरनिदइबनायके। हियप्यारीजिहिवां
म॥२६॥ कहिलहिकौनसकैदुरी। सोनजायमेजाय। तनकी
सहजसुबासना। देतीजौनबताय॥२७॥ प्रथमसमागमके
दिननि। ज्योंज्योंनिसिसियराय। प्रीतमहियसियरातसुष
प्यारीतनसियरात॥२८॥ समेसमेसुंदरसिबै। रूपकरूपन।

होय।मनकी रुचि जेती जितै।तितौ तिती रुचि होय॥२९॥
फिरि२ बूझति कहि कहा।कह्यौ सांवरे गात।कह्यौ करत
देषी कहा।अनी चली क्यौ बात॥३०॥अनियारे दीरघ द्रिग
नि।किती न तरुनि समांन।वह चितवनि औरै कछु।जिहि
बस होइ सुजांन॥३१॥मनौ तमासो करि रही।बिबस बरु
नी सेय।मुकति हसति हसै हसि रुकति।झुकि झुकि झुकि
हसि देव॥३२॥वा वस कै वा वस रहे।निरषत रूप अपार।मै
लषि औरै री फिरै।तौ बढिहै रिझवार॥३३॥मो पै या अली
सुमन की।क्यौहू कही न जाय।करली नै प्रफुलित रहै।अ
नपरसे कुम्हिलाय॥३४॥झुकि झुकि झहकौहै पलनि।फिरि२
जुरि जम्हाय।वादि पियागम नींद मिस।दी सब अली उठा
य॥३५॥द्रिग घरकौहै अधषुले।देह थकौहै नार।सुरत सु
वन सी देषियत।दुषित गरभ कै भार॥३६॥औसीन को उजां
नि ए।ज्यौ चुटकी त्यौ नारि।छबि सौ गति सी लै चलत।चा
तुरि कातन हारि॥३७॥इति कुटकर भाव संपूर्ण॥३८॥
अथ रिति बर्नन लाव लिष्यते॥ दोहा॥ पाय सघन आधि
धार महि।रह्यौ नेद नहि आंन।राति द्यौस जान्यौ परत।लषि
चकइ चकवान॥१॥घुमकि घटा बिजुल छटा।थल पुरित

जलधार। पिकचातकदादुरसबद। मोरसोरसंसार॥२॥ सां
वनसमकिपरैनही। निसिबासुरकोओर। कमोदनितेसख
री कुमदनासतेजोर॥३॥ प्रफुलितचंपकचहुदिसी। पाट
लपटलपराग। कमलअमलजलथलबिमल। अलिकिलो
लबनवाग॥४॥ सबतेसरदसुहावनी। गरबपंकदयाल।
उजलथलजलउजले। अतिकमलअतिमाल॥५॥ मोरअं
बकदंबमहि, नवपल्लवनवचैंन। लपटिलटकिलहलह
लता। अटकिरहतमनमैंन॥६॥ इतिरितिबर्ननावसंप्र
र्ण॥२८॥ अथबायबर्ननावलिष्यते॥ दोहा॥ तरुनिसं
गघेरावटी। झरतवृंदनमदनीर। मंदमंदआवतचल्यो। कुं
जरकुंजसमीर॥१॥ चुवतस्वेदमकरंदकन। तरुतरुतरु
चिरमाय। आवतदछिनदेसतें। थक्योबटोहीवाय॥२॥
लपटीपोहपपरागपट। सनीस्वेदमकरंद। आवतनारिन
वोढलौं। सुषदवायगतिमंद॥३॥ रुक्यौसांवरैकुंजमग॥
करतझारझकरात। मंदमंदमारुततुरग। षुंदतआवतजात॥४॥ इतिबायबर्ननावसंप्रर्ण॥४०॥ अथबसंतन
वलिष्यते॥ दोहा॥ सेवतसनिसाजेबसन। धरिअनंतत
जिलाज। लेवसंतघरतेचली। कुंजबंदावनकाज॥१॥

अरुननैंनअंबरअरुन। औरअरुनसबअंग। होहोकहि
फिरकतफिरत। जुरतरसीलीजंग॥३॥ केसरिरंगपतंग
मिलि। अंगसंगसनीगुलाल। षेलतहोरीलालसों। पगिया
बंधेबाल॥४॥ गावतनारिधमारिधुनि। सुनआनंददित
मैंन। उमगिउमगिआवतिरहसि। रोकीनैकरहैंन॥५॥
वंसीचंगमृदंगबजि। तजिलज्जासहदीन। मदनकदनम
नआनमहि। धरेधनगुननवीन॥६॥ षेलतफागउछाहसों।
गावतिगहकिधमारि। बलिकितललकिगुलालसों। कर
तरसीलीरारि॥६॥ उमगिअबीरकेसरिसरिस। परसनरत
अंकमाल। गोरीनववालनिसंग। होरीषेलतलाल॥७॥ छु
टतिमुखनिसंकही। लोकलाजकुलचाल। लगेदुहुनिइक
बारही। चलचितनैंनगुलाल॥८॥ दियोजुपियलषिचषनि
मैं। षेलतफागषियाल। बाढतहूंअतिपीरसुं। काढतबनत
गुलाल॥९॥ ज्यौंउझकतिझांपतिबदन। झुकतिबिहसि
सतराय। तज्यौगुलालझुठीझुठी। झझकावतिप्योजा
य॥१०॥ गिरयोकंपकछुरहयो। करपसीजलपराय। ले
योमूढीलालनरि। छुटतझवीपरिजाय॥११॥ पीछिदीए
हिएउमरि। करघूंघटपटमारि। नरिगुलालकीमूठिसों

गइमुकिसी मारि ॥१२॥ धवलन वलधरि चीरधन । बिहरति
बिहसि बसंत । लाल गुलाल पतंग रंग । जगत करत मदम
त ॥१३॥ इति बसंत न्नाव संपूर्णं ॥ ४२ ॥ अथ हास्यरसन्ना
व लिष्यते ॥ दोहा ॥ बिनती बादी अरम की । करी बेद सौं जा
य । रहि बेद हू सुष है महा । याको यहै उपाय ॥ १ ॥ वौहधन
लै एहु सानके । पारौ देतसरांहि । बेद बधू हसि नेद सौं । रही ना
हु मुष चाहि ॥ २ ॥ अति सुकमार गजो गगुर । नए नयो सुत सोग
फिरि कुलस्यो जियजो यसी । सम ऊँजार ऊजोग ॥ ३ ॥ प
रतिय दोष पुरान सुनि । हसि मुसकी सुषदानि । कस करि
राषी मिश्र हू । मोहू आइ मुसिकानि ॥ ४ ॥ पंडित किधौ वि
राकची । कहतु न नैकल जात । दीयाबत्ता वतअरेरक आ
प अंधेरे जात ॥ ५ ॥ इति हास्यरसन्नाव संपूर्णं ॥ ४३ ॥ अथ चा
तकन्नाव लिष्यते ॥ दोहा ॥ अंमफेरि किधौ चेटवा । तुव प
रनीर निहारि । नरिचं मुलचा तिग चतुर । मोरेवा हिरवा
रि ॥ १ ॥ तुरसी चातिग हौ विमै । मांनमां गिवो पेम । चक्कवर
लगिस्वांत हू । निऊर निवाहत नेम ॥ २ ॥ तुरसी जाति प
पीहरा । पीये नछीलर नीर । कै जाचै सुरपति कौ । कै दुष
सहै सरीर ॥ ३ ॥ नहि जाचै नहि सं यहै । त्रमिपस्यो नहि

लेय।तुरसीऐसेमांगनै।दारिदचिनकोदेख॥५॥मांन
राषिबोमांगिबो।पियसोंनितनवनेह।तुरसीतीन्यो
तोबने।जोचातकउतलेह॥६॥रटतरटतरसनारटी।
त्रिषासकिगयेअंग।तुरसीचातिकपेमको।नितनेोत
नरूचिरंग॥७॥बरषिबरषपांहनपयदु।पंषकरोटूक
टूक।तुरसीपरपनचाहिए।चतुरचातिककहिचूक।
॥८॥उपलबरषिगरजततरज।मारतिकुलसकठोर।
चितैनचातिकमेघतजि।कबहूदुसरीवोर॥९॥सोर
ठा॥अहनिसिध्यावततांहि।रीफिदेतघननीरकन।चा
तकचतुरसराहि।यापरऔरनिवाहनो॥१०॥दोहा॥
प्रीतिपपीहापयदकी।प्रगटनइपहचांनि।जाचिगज
गतकनावडो।कीयोकनोडोदांनि॥११॥कोनजनायो
जगतमें।जीवनदाइकदांनि।नयोकनोडोबातकहि
पयदपेमपहचांनि॥१२॥मेलतबिपुलबिहंगबन।पी
यतपोषनिवारि।जसउजलचातकनवल।तुहीत
वनदिसचारि॥१३॥सोरठा॥जोचैबारैमास।पीयपपी
हास्वांतिजल।जान्योतुरसीदास।जुगवसनेहीमेह
मन॥१४॥दोहा॥तुरसीकोमनचातकहि॥केवलपे

मपयास। पीये स्वांति जल जो न जुग। जाचत बारह मास।
॥५॥ तुरसी चातक मत्ते। स्वांति ह्वपि उ बर्षानि। प्रेम रषा बद
तै न ली। घटे घटे गी कें नि॥६॥ बास बेष बोलनि चितनि।
मांनस मंजु मराल। तुरसी चातक प्रेम की। कीरति बिसद बि
साल॥७॥ सोरठा॥ जीयत न नाइ नारि। चातक घन तजि
दूसर हि। सूरसरि हु के बारि। मरत न मांग्यौ अर्ध रजल॥८॥
दोहा॥ बध्यो बधिक पर्यो पुंनि जल। उलटि उठाइ चोंच।
तुरसी चातक चतुर सो। मरत न लगी न षोंच॥९॥ इति चा
तक ना वसंपूर्ण॥ अथ चकोर ना व लिष्यते॥ दो
हा॥ चित्त चकोर लाल चर हत। चंदै नही संचार। बिन दो
उ कैसे बनै। एक हाथ सो तार॥१॥ जा दिस तरु साषा बिषे।
देषत ग्रीव उचाय। रेषा चंद चकोर त सि। यो ही गइ बिहाय
२॥ प्रीतम चंद चकोर को। बिछुरो प्रान अधार। जा सो सी
तल अगनि के। सो फिरि नियो अंगार॥३॥ म्रसन प्रीति चको
र की। ससि निरषत निसि जात। बासुर को रु रे जीय मे। पल
कन ही पतियात॥४॥ पथ्थर थपांहन हरतें। देषि निकाइ
जास। उचित्त लगे वो चितको। तु चचकोर ससि तास॥५॥
गही टेक जो नां तजै। जी न चांच जरि जाय। मीको कहा

अंगातको। ताहिचकोरचुगाय॥ ६॥ चोंचनिचुगतअंगा
रगुन। जाकेबलकेजोर। सोइजोजारेहियो। कैसेजीएच
कोर॥ ७॥ पावकचुगतचकोरनित। नसमकरनकोअंग।
कैबनतिसिवसिरचढे। तोपांगवससिसंग॥ ८॥ इतिचके
रनावसंपूर्णं॥ ४४॥ अथभ्रमरअसंगनावलिष्यते। दो
हा॥ छबिरसालसोरनसवे। मधुरमाधुरीगंध। चोरवोरउ
रतरूपत। नोरनोरमधुअंध॥ १॥ कमलबूंदसीतहिरहे।
रहेनमालतिमूल। अबमूलकमकरंदपीय। जीयसमधु
करमूल॥ २॥ वेहदीहयोहीगए। गएकमलसरबास। नव
रफिरेदिनकाटतो। आकधतूरापास॥ ३॥ नलनीदहीजु
दाहदुष। सकीसरहसमेत। तउमधुकरजीवतरहे। क
नककुसमकेहेत॥ ४॥ पीयोजुरसरुचिमानिके। नव
मंजरितरुराज। कितमकवलपररेनवर। लुटतनआ
वतलाज॥ ५॥ जिनदिनदेषेवेकुसम। गइसुबितिबीह
र। अबअलिरहीगुलाबमे। अपतकटीलीडार॥ ६॥ स
घनगुलाबकलीनकों। रसलीनोचितचाय॥ मधुपक
टीलीडारसों। अबनाजतकहिजाय॥ ७॥ इहीआसअ
टक्योरहत। अलिगुलाबकेमूल। व्हैहैफेरिबसंतरि

ति। इनमारनिवैफूल॥ ८॥ नोरनैोरअंनोजकों। नजत
कोसतितिहिटेक। कवलाकोजनुकवसतें। उरानिकस्यो
नैंक॥ ९॥ कुंजकुंजप्रतिपुंजअलि। गुंजकरतहैप्रात। म
नुरबिफरतमतजिनज्यो। रोवतनिजसिसुजात॥ १०॥ मो
रउ॥ नोरानोरबिनास। मुखबिलाससुरघोरकिय। करत
वासलोंबास। लेतनासदुखनासकों॥ ११॥ दोहा॥ सरसकु
समरूरातअलि। मांफुकिलपटिलपटाय। दरसतिअ
तिसकुमारतन। परसतमननपत्याय॥ १२॥ सुमरनारकु
तेरही। लेतबकुतहीओर। तउनवरनावरिकरत। एक
मालतीमोर॥ १३॥ केतकिरसबसमधुपअलि। कंटकरोष
नचित। अवगुनतजिगुनमनधरत। प्रगटजगतमोमि
त॥ १४॥ करमरकरिकैमिले। करनकामकीकेलि। को
उबावतुबहिगयो। करुमधुपकरुबेलि॥ १५॥ बावबदे
नहिसारखी। सदानफूलेबेलि। मनमधुकरकोनाघट्यो
बकुस्योकरिहैकेलि॥ १६॥ कलिमालतीरहतहे। मधु
पकमलनीमांऊ। कोजानेकाहेलए। बसनदिनअरसो
ऊ॥ १७॥ रतिपतिप्राएमालती। अंगअंगसबैफरंत। मधु
रीपावकजांनिकै। केसमांऊपरंत॥ १८॥ नवराएदिनक

विनहै। समुझिसहैतनपीर। जबलगफूलैकेतकी। त
बलगबिलंबकरीर॥१९॥ जोमैंरासत्तलंघनो। फूलकरीर
नषाय। कै उनिबैबैकेतकी। कैलंघनिहीमरिजाय॥२०॥
गलीरमल्लीदली। छलीजुहीनहटात। अलीषिलीलषि
केकली। अलीबलीलौंजात॥२१॥ इतिभ्रमरअन्योक्तिवर्णनं
४५॥ अथपतंगअन्योक्तिलिष्यते॥ दोहा॥ परतपतंगनि
संकमन। पेमपरनिकीलागि। आगेदीपककीषुसी। सीरै
ऊकिआगि॥१॥ पर्योपतंगापेमबसि। निरषिजोतिनि
जनैन। तनमनसोंप्यासजनहि। नांहमकोबैन॥२॥ क
हिसमनकेसैबनै। अनमिलतासोंसंग। दीपककेनावे
नही। परिश्रमरैपतंग॥३॥ तेलजरैबातीजरै। तीजोज
रैपतंग। अइयाजातिपतंगकी। जरतनमोरैअंग॥४॥
यहदुषसुषतासोंकहौं। जाकैप्रीतिअनंग। दीपकज
रैपनसमे। बाहिरफिरैपतंग॥५॥ इतिपतंगअन्योक्तिवर्ण
णं॥४६॥ अथचंद्रोक्तिअन्योक्तिलिष्यते॥ दोहा॥ षोड
सकलासंपूर्णससि। सोकलंकनहिलेत। अंधकारसब
रैनिकौं। ओनिदिषाइदेत॥१॥ हिमकरहिहिमरितकै

समै। सकौनकमदिनराषि। यहेकलंकमछंककमें। अज
ऊस्यांमतासाषि॥२॥जाहोजाकैजनककौ। नीरनपीचे
कोय। सोदुषहिएसएतके। कौनकालिमाहोइ॥३॥रूप
मंजरी अदन बिधु। बिधनाजगमेंदेषि। ससिबांध्योपरिदे
षनहि। छेक्योमनऊबिसेषि॥४॥घटेंबढेदिनद्वैदुरे। जाय
रहेरुचिनैन। अमरनदेयअकोरबिषि। तुवमुषसमस
हेंन॥५॥संम्मनकबढूचूकिए। चंदआपनीओर। बहुस्यो
परिबाहोयगी। याप्रतिमकैनोर॥६॥तरमयंकउपरिनि
सा। दस्टरयहरीति। मनऊससिनिकिसोंसषी। नरसुर
तबिपरीति॥७॥इतिचंद्रोक्तन्यावसंपूर्णं॥४७॥अथकर
मन्यावलिष्यते॥दोहा॥उदिमउदिमबहुकरे। बिधिगरे
तिहिवेलि। ताकोमालीकहाकरे। रितिहूफलैनबेलि॥
१॥मनतोलेसेरकबहे। वतिकबितकीजोष। रत्तीचढेनम
नबढे। अजबकरमकीचोष॥१॥इतिकर्मन्यावसंपूर्णं॥
४८॥अथमनबिस्वासन्यावलिष्यते॥दोहा॥सेउसांधु
रिसज्योबचे। कहानएबहुन्योति। जोपावकतिलउबरे
अमटेमेरसमान॥१॥ससिबेसोंहरसाधुरिस। येनहिछी

नगिनेंत।जोबीतासोअवरै।फिरिफिरिउदोकरंत॥२॥
सेउसंपतिबिपतिकों।जेफूरैतेकूर।मासाघटैनतिलबढै
जोकछुलिष्याअंकूर॥३॥काहेकोंतलफतफिरै।दुषीहो
तबेकाम।धीरैधीरैहोयगा।जोकछुलिषियाराम॥४।जे
तोजाकैबिधिलिष्यौ।सुषसंपतिबिवसाय।तेतोताकों
सांचजे।जितजानेतितजाय॥५॥जिनमोतीसमअंबकों।
कीयोबकोबिस्तार।करैसोइपोषननरत।सोहरैराषनहा
र॥६॥उडगनगगनगटैबढै।अरुपत्तिघटिबधिहोइ।ब
ढतीघटतीकैदसा।दीरघहीप्रतिजोय॥७॥जिणदीहा
डैजिणघडी।जिणवेलांजिणबेस।जोलिषियोबिहअष
रे।सोतिणदिनपांमेस॥८॥इतिमनबिस्वाससतावसं
पूर्णं॥४९॥अथगूढार्थनावलिष्यते॥दोहा॥मुकटिस
हिअबलासकुचि।सकलनहिलिखसाज।मुकताहल
ज्योंनासिका।कहिपंडितकिहिकाज॥१॥दधिसुतकोंमि
निकरहुपर।हंससुगनब्योहार।उभिगएहंसचकोरसु
गि।कारनकोनजमाल॥२॥सजनसबगुनजानतमें।
अरथबिचारततांम।पियदेषततियहसिमिली।पीयस
नेकिहिकांम॥३॥बायसराहनचंगहर।कागरपरकै ८१

रवाल। लिखिरमे रत्तफिरि लिषत। कारन कौंन जमाल ॥४
रामनाम महित वाटिका। नव रत्न मे बन मांहि। चंपत तन खा
ही नइ। किहि गुन अक बरसाहि ॥५॥ ससिबदनी ससि देषि
के। पियत जिगइ तिहि काल। सकुची बहुत सरीर मे। कारन
कौंन जमाल ॥६॥ रांम नदी नीरां बनहि। अरु रजन न करनो हि
त्रिपुर नदी नी संकराहि। सो पीय दीनी मोहि ॥७॥ ता परि अ
लि बिन पंकज हि। गुंज करत कबिसाहि ॥८॥ जाके रूरसाय
रत ज्यो। सुन ब्रह्मा सन नीच। अब अध फर आसन कीयो। फे
गिरवर के बीच ॥९॥ दधिसुत बांहन तासरिप। सो मोहि दहै
सरीर। अजून आयो बलहो। फल न लगे करीर ॥१०॥ मालनि
बेचत कमल कौं। अपनौं बदन दुराय। लाज कौं न की करति
है। कहि जमाल समझाय ॥११॥ कांचे अतिहि सुहांवने। गद
रे षरे मिठाहि। संभ्रम न वे फल कौ न है। प केते कडुवाहि ॥१२
जमला ढुंढ न है गइ। फूलि परी निसि ताल। एक कमल है
पांषुडी। बीचै बीच जमाल ॥१३॥ सिषपषांनै जो छकै। तोज
न कछु करेरह। निज उत्तिम जल अचवै। नरसिर हथ्य हरेद।
॥१४॥ षटपद है पै न भ्रमर न हि। तीन नैन नन हिइस। कैजी न्या
न हि फनपती। च्यारि कांन बै सीस ॥१५॥ चंद गहन जब

होतहै।लोगदेतहैमाल।बिरहनलौगजदेतहै।सोकार
नकौनजमालं॥१७॥अनब्याहीहौसैकरै।योंहीलेतउसास
गौनैकीमौनैरही।देषिरामगढुहास॥१८॥मैंदीयातेकूपल
कासीपरैमुकांम।सुकलमहाइकब्राहमनी।मोहिबस्योचि
तराम॥१९॥इतिगुदार्थनावसंपूर्णं॥५०॥अथचौवो
लानावलिष्यते॥दोहा॥मोमनतरकसदैचले।जादिन
गयेकमान।अबमोतीरनआवही।जीयकरौंकुरबांन।
॥१॥पियमोसौंजुररानयो।नैकनआवतवाज।औगुन
सौबहरीनइ।कहीलोककीलाज॥२॥कबूतरतोकै
दयौ।काबककलागीतोय।पीयपानीदानीनयो।दानाकै
केजोय॥३॥मुहमुंहिकबलगरहै।षासायरजुजाय।
तनसुखतबहीहोइगा।मुलमुलधोउपाय॥४॥जाजम
लियाजुपातिसाह।नकियाकियानकोय।दलीचाकहि
याकरत।तोमतरंजीनहोय॥५॥सकिछिहारासीनइ।
गरीजातयहदेह।किसिमिसिषीनमसौंमिलौ।नोज
परोयहनेह॥६॥कचोरीवालासषी।परीपरवतनाहि
दहीदहीबिरहादइ।लोनमिलतहियमांहि॥७॥लो

टाकंतनमांनही। चोलीश्रोरनकोय। वोहसुनरही दिषा
यके। करछीवत्तनहिसोय॥८॥ बनश्रोलैषीयकैरहे। का
दो बिरहकपास। रुवरजोपियहिमिलो। यहेसबीघरवा
स॥६॥ पियश्रायोनहिश्रारसी। तकियारहनबिदेसमु
षपलश्रागोनही। वांसुरिसुरनदेस॥१०॥ इतिचौबोला
नावसंपूर्ण॥५॥ अथबिरोधान्नावलिष्यते॥दोहा॥
रूपषीरजलप्रीतिहे। यहजांनेसबकोय। करतजुदारह
सतिहि। षलतेंकहीनहोय॥१॥ पैपानीकीजीतिमें। प
स्योजुकपटीलोंन। षंरूषंरुजिहिमनकीयो। बहुरिमिल
वैकोंन॥२॥ नेहश्रह्योनात्तोमिट्यो। रहीनहीपहचांन। श्र
बतोतटीनासधे। बधेनवैसेश्रांन॥३॥ सबसुषकीनेकपट
सों निपटफुवलेसाथ। अबमनफास्योटूषजों। तुहीतुम्हा
रेसाथ॥४॥ इतिबिरोधान्नावसंपूर्णं॥५२॥ अथहरिली
लानावलिष्यते॥दोहा॥ गोस्वेजिकासीसपर। मुषमु
रलीकीघोर। कुंजनवनराजतरहे। जैजैनंदकिसोर॥१॥
बंसीकरराजतमुकट। पीतांबरबनमाल। श्रासपासगो
पीबनी। मधिनायकनंदलाल॥२॥ अरबेजंतीलालके।
चंगरहेलपराय। मांनोघनमेंदामिनी। इहदिशाइश्रार।

॥३॥ जगपतिसों नाहीं षुसी। तजि कमलसत नाथ। गाय
चरावत नंदकी। बिना पांहनी पाइ॥४॥ जिन बाध्यो पाता
ल बलि। अषिल भुवन के नाथ॥ ताकों गोकुल ग्वालनी।
दांवरि बांधत हाथ॥५॥ जोग ध्यान आवे नहीं। जगपन्नो
ग न हिलेत। ताको गोकुल ग्वालनी। ज्यों मांषन देत॥६॥
पांनी जाके पायको। धसो जटा मेंइस। ताकों गोकुल ग्वाल
नी। पाय लगावत सीस॥७॥ तीन लोक जाके कीये। औरे
तान चोबीस। तापे गोकुल ग्वालनी। फूल गुहावत सीस।
॥७॥ ब्रह्मादिक सुरनर सकल। कबहू ध्यान न देत। सोह
रि षेलत गोपसों। ज्यों मांषन लेत॥८॥ सुरनर सेस सहस्र
मुष। गावत निगम अपार। तापे गोकल ग्वालनी। पकरि गु
हावति हार॥९॥ सहस अठ्यासी सी सिव। सेवत अगल
गाय। तापे गोकुल ग्वालनी। चित्र करावति पाय॥१०॥ कुंज
कुंज क्रीडा करत। कालिंदी के कूल। गुहत हार हरि राधि
का। लै लै उत्तम फूल॥११॥ इति हरिलीला भाव समाप्तं॥
पत्र॥ अथ वैराग्य नावलि लिष्यते॥ दोहा॥ ऊंचा फल बैरा
ग का। अगम अगोचर हरि। चढे तो पीवे प्रेम रस। परे तो चा
टे धूरि॥१॥ सब जुग देष्यो ढुंढिके। कहूं न पायो चैन। जित

देषोतितकपटहै। गोसायकरिकुसेन ॥२॥ ऐसाकोउनामि
ले। जासोंरहिएलागि। सबजुगजलताटेषिकै। अपनीअप
नीआगि ॥३॥ कालसबयुगकुंफिरयो। कधेमंडलगाय। को
उकिसहीकानहीं। देष्याबोकिबजाय ॥४॥ काकोकीजे
रोवना। काकोकीजेसोग। अहमदसाथसंरायको। बसेब
टाउलोग ॥५॥ मनमरोउकिहिसुमरि। देषिहसोकिहिय
ब। जेआएतेउगए। रहेतेजेहेसब ॥६॥ यमधानीसंसार
तिल। वासिसकेतोबास। यहतनफूलगुलाबका। अरीन
लानीआस ॥७॥ बारीरआपनी। चलेपियारेमित। तेरीबा
रीरहिया। तेरीआवतनित्त ॥८॥ आगेपीछेजांहिग। हेको
उथिरनांहि। जगपंथीकालूकहे। बैठमारगमांहि ॥९॥ दसो
दारकोपिंजरो। तामेंपंछीपौन। रहिबेकोअचिरज्जो। औगेतो
अचिरजकौन ॥१०॥ ऐवेसुषकोसुषकहे। मानतहैमनमो
द। जगतचबीनाकालका। कछुमुषमेकछुगोद ॥११॥ मा
लीआवतदेषिकै। कलियाकरीपुकार। फूलीरवुनिलई
काल्हिहमारीबार ॥१२॥ जैसामोतीउसका। तैसायहसंसार
देषतहीसैफलमला। जातनलागेबार ॥१३॥ जगतरवर
पत्तजीवसब। सापारुपीसंत। परतकालबसंतरित्त। आम

रिषिरहिअनंत॥१४॥ पूरनदरपनदेषिकै। कहितेसूरति
पूरव। धूरिनइयाधूरिमैं। केमूरतिमहबूब॥१५॥ नीजैपर
निसुबासकै। काहिकोपूरनदास। सुघरसजनभांटीमि
लै। तिनकोआवनिवास॥१६॥ सहलसरायसरीरकौ। कै
नबस्योसुषचैन। सासनगारोकूचकौ। बाजतहैदिनरै
न॥१७॥ सोरठा॥ यहसंसारसराय। येषानाहीमहलकहि
सबकोउतरेआय। रातिबसेदिनउठिचले॥१८॥ दोहा
जिहिघररोवतआइए। अंतकूचलिएरोय। संभ्रमनता
संसारमै। सुषकहांतेहोय॥१९॥ छबिछुटीफूटेतिमर। रति
घटैमतहांन। अबयहपांनजुरहतहै। कौनजलपनजा
न॥२०॥ घरीपलककीषबरिनहि। करतकालिकोसाज
कालअचांनकझपटहै। ज्यौंतीतरकौंबाज॥२१॥ घरी
बजैघरियारकी। तुऊंछसमझ्याचित्त। आवघटैयोबन
मिटै। वहसमझावैनित्त॥२२॥ बकुगइयोरीरही। ताहूमो
हिघटाय। वाकीइतनीपरकहा। कोकाहूकेजाय॥२३॥
मोरेसहहससहेलिया। तुरीअगारालष। सांइत्तेरैकारणे
छोड्यासहरवलष॥२४॥ हमपरदेसीपाहुना। दिनदशऔ
रेगांव। भरननजानोआपनो। कैहैकोंनैगांव॥२५॥ क

हिकालकैसैंबनैं।कालगहैसिरकेस।नाजानौंकहामारि
है।कैघरकैपरदेस।२६।जमजुवतीजुगजोमिनी।दहुदि
सिदीहगनाय।कोजानैकरकैनिपट।पर्कैपहलैंजाय
२॥सोरठा॥देषिश्रांषिकोनीच।ताहरगतिसंसारकी।य
हजांनीतमीच।धोषानाही।बिचिकछु॥२७॥दोहा॥ऊस
लरघलकैकहै।संसारीसबकोय।बातजमतकीकुसलं
है।कुसलकहांतेहोय।२८।कुसलकिसीरेकंतउ।सब
जुगजासीचालि।धनजोबनबासोबस्यो।रहसीआजन
काल।३०।ताहरलैपैजायकौ।कौंनसनी।एजाय।कौनब
नीयहआयकै।कौनबनीयहआय।३१।टाटटदीताहर
कुटी।यहकलिकोब्योहार।गिलमासोगिलमागिले।गिल
सोंबेवनहार।३२।पदमसंघलोलिछिमी।उदैअस्तलोराज
मसनजोनिजमरनहै।तोयहकोनैंकाज।३३।चितचंच
लनिंहचलनही।कहाकरैअंनुराग।कालजोगसधैबि
ना।मंसाकठिनबैराग।३४।कोछुट्योरहेलाजपरि।कित
ऊंरंगअकुलाय।ज्योंज्योंनिछुटसजेंपोचदै।सोंसोंउरम
तजाय।३५।यमलागुलीउरावती।मंनकीकरतोरि।ल
हरिजअग्रानपेमकी।कहाजमलाकहांकोरि।३६।गिर

तेनीतपछांनन। श्रिसावृत किहिकाज। राजसकेलेफिरि
चुने। कालगे किहिनाय। ३७। कायासरवसकं तजल। मांकि
जीवहैमीन। कालकिलकिलाकरपिके। ग्रानग्रचांनक
लीन। ३८। घासबहंतीरहगइ। अरुबुकगरग्रंगार। अ
हरनकावबकामिंछा। जबउगियोलुहार। ३९। जिन
सोमांनीरासली। बहुतकिएसुषनोग। कहिसंमनजांनै
कहु। कहांगएवेलोग। ४०। मोसोंश्रुतहैकहा। जियही
जांनिनलेह। वैसजनधरतीमिले। उपरबरसैमेह। ४१।
इकचीजेचहलेंपरे। बूकेबहैहजार। कितेनग्रेगुनज
गकरत। नवेनवाहतवार। ४२। बांनतोषतरुनीगले। प्र
तहुधकरीहाथ। षायनबेरीकटमकी। तुमषालोव्रज
नाथ। ४३। दांहसबतनदागहै। बिरहदागबैराग। तिल
धरनेकोंगोरनहि। दूसदागपरदाग। ४४। मनइकम
धोमित्रकरि। ग्रोरसबेछिटकाय। यहजुगअरहटकी
घरी। नरिग्रावैहुरिजाय। ४५। जैसेमृगतिसनांनिषे। जल
प्रतीतिनहोय। तैसेयह संसारकों। जांनिसयानेलो
इ। ४६। फबकेसांचोगिनत। सांचोसमकतनांहि। ते
नरचोरासीचमे। फिरिग्रावेमांहि। ४७।मनीमतिषणी

बैरागप्रस्तावसंपूर्णं॥ अथ॥ दोहा॥ सत्तरैसैनीसोत्तरे। मास
चैत्रगुरवार। सुकलपक्षद्वतीयासुतिथि। रच्योजुइहसार॥
ग्रंथदोहांकीसंख्या १७९९॥ इति श्रीदोहासारग्रंथसंपूर्णं
समाप्तः॥ जादृशंपुस्तकंदृष्ट्वा। तादृशंलिखितंमया। य
दिशुद्धमशुद्धंवा। ममदोषोनदीयते। १। अथ संवत १७६० का
वर्षे नाम्न पदमासे कृष्णपक्षे तिथौ प्रतिपदा। चंद्रवारे पूर्णः
लिखतं मंहात्मा साहिमंलबोरा वाचिमंध्ये लिषा:॥ श्री॥

अथनावसंख्यालिख्यते ॥

२६

राधाकिसनजी

पत्र ३ुष्ठ

कुंजि जोडी नाद की
वैनकादोत

७१४

मंत्र माधिकौ॥ सातसमदां बीचि पारस पाप
लागी हं बैठी गरड पं बि: वू मैं न दु बैंतमं
बि: पा चै फुटै पीडा करै जै कीर षा॥ श्री
गोरष नाप करै: गरु की सगति मेरी
गति: फुरौ मंतरौ ईसरौ बाचा॥१॥

श्री कस्न जी

दोहा

बागन की बाड़ी नहीं नहीं नीर पर संग॥
नं परा कमल की छाकि कै नसम पढाव
त नअंगि॥१॥ ग्रीसांऊ तो मालति बीरो
जरोज, चौरै दंगि: प्रीतिपुरा०ीकार मैं
नसम पढाव तनअंगि॥२॥ जो माल
ति सौ मोन कुंतो: जरोन बाकै संगि: नम
न कु. लैन नलजा वनकुंर तेलन सम पढा
वतनअंगि॥३॥ जब मालति
दो मै जरी: नमरजो नोतसंगि:
नाम पंभ पलो टन प्रमल:
॥ऊ॥ जावत अंगि॥४॥

॥ १०१०॥

औषध द्वादश बाय की मति ये

पारो टांक ४

गंधक टांक ४

मीरच टांक ४

पंचाङ्ग का

बीज टांक ४

नीलो थुथो ४

हलद टांक ४

जीरो टांक ४

[illegible]फल टांक ४

[illegible]स्संधव टांक ४

[illegible]बीवं

[illegible] टांक ४

[illegible]मारी टांक ४

[illegible]रतगडीको

[illegible] वभेसारी [illegible]

[illegible]

ऐसी करि नेह को प्राण वी वरे है:
अब ऐसी नीठ राही करी को उत्तर
सखी है: बीर ह के ता ते सो नाप ति अ
ति रा त पै हैं उलो चन मो तन का वी
सी आए हो: राती पीछें पीछें है मैं ता मा
व त हैं और धार ये हैं ह रि बे र बेर ली
त बनाय है: मो हि पर ती ति न ता
हारी कछु का ह जानै: कौन वात ला
ती ता के पी छै आप आय हो॥१॥

दोहा: सजनाजनकै चन कलस: तोरि
नी हारि यह लाल: दुरि जल हीत कु नारघ
र: बीत सनाकुरै गुपा ला गजा वु तीम
ये हैं जु पारी बारः मन ही हा तनमें ग सः का
टै धौ लौ छे दी ये: मद्धु रे बाजे बसा रा

श्री करुणाजी :

चौन भोजन लकं पै जल हरकं पै
धरकं पै धर हरकं पै: लंका देबि
बन्नी बणकं पै: राजा कुंभेक
हा करेसी: नमासण छोकि बै
सणुदेसी: जबलग चंदणसी
स चढांखं: जबलग पांयपडं
वृ: भेरी नगाति गढ की सकति
फुरो मंत्र रो हीस्डुरो बाच:
केसरि मंत्र जोतीलाक कीजे
राजा कुंभो बासि होसा ॥१॥

ारि
ोरघ
तीम
स:का
ाा?ा।



२। ३॥ [illegible]

। चेउतसिं

॥ । १ देवा

॥ । १ [illegible]

[illegible]

१८षां

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः

टक्क 221 120

11 कुमाद कुमोर बीहपुतली

11 2 करलीपा 22 जोसेनी

10 वरी 10 जोसेनी

~~ ढ ... ढ करमाक ~~

36 मअं ते कलक

120 · 42

औश्री गण

120

11 महाराजा भल देश देव



